जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 187 प्रभात कोटा, मंगलवार 22 अप्रैल, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

गहलोत सरकार का कोविड प्रबंधन उत्कृष्ट हैः नये-नये तरीके ढूंढ़े गये चहेती कंपनियों से लूट मचवाने के लिए

उदाहरण के लिए, एसएमएस अस्पताल को अधिकृत किया गया, राज्य के सभी अस्पतालों के लिये वैंटीलेटर खरीदने के लिये

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 21 अप्रेल। गहलोत सरकार के कार्यकाल के दौरान कोविड महामारी के चलते स्टेट डिज़ास्टर रिएक्शन फंड (एस.डी.आर.एफ.) से आई.सी.यू. इत्यादि जैसे स्थाई निर्माण ही नहीं किये गये, बल्कि चिकित्सा विभाग के वित्त सलाहकारों ने नियमों की अनदेखी करते हुए इन आई.सी.यू. व बच्चों के लिये बने एन.आई.सी.यू. और पी.आई.सी.यू. के निर्माण कार्यों को "टर्नकी" प्रोजेक्ट की तर्ज पर शुरू करने की अनुमति भी दे दी, जिसके कारण इन आई.सी.यू. में लगाये जाने वाले उपकरणों की खरीद में भी भारी धांधली हुई।

दरअसल कोविड महामारी के दौरान चिकित्सकीय उपकरणों की खरीद पर केन्द्र सरकार ने टैक्स में भारी कटौती की थी, इसके तहत जी.एस.टी. 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई थी, परंतु यह छूट टर्नकी प्रोजेक्ट्स पर लागू नहीं की जा सकती। पर हैरानी की बात है कि एस.एम.एस मेडिकल कॉलेज की क्रय समिति ने पूरे प्रदेशभर के मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों में वेंटिलेटर, ई.सी.जी. मशीन, वॉर्मर इत्यादि खरीदे लेकिन महंगी दरों पर और सप्लायरों की तरफ से 12 प्रतिशत जी.एस.टी. भी अदा किया।

यही नहीं एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज की क्रय समिति ही पूरे प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के लिये मेडिकल उपकरण खरीद के आदेश दे रही थी, जबकि उन्हें किसी भी सरकारी मेडिकल कॉलेजों की ओर से उपकरणों की खरीद का प्रस्ताव नहीं सौंपा गया था। हालांकि यह भी सत्य है कि महामारी के दौरान मेडिकल उपकरणों की खरीद के लिये निविदा जारी नहीं की जा सकती थी, क्योंकि राजस्थान में लोक उपापन में पारदर्शिता (आर.टी.पी.पी.) अधिनियम निलंबित था। परंतु राजस्थान स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत मेडिकल उपकरणों की खरीद आर.एम.एस.सी.एल. के माध्यम से की जा सकती थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

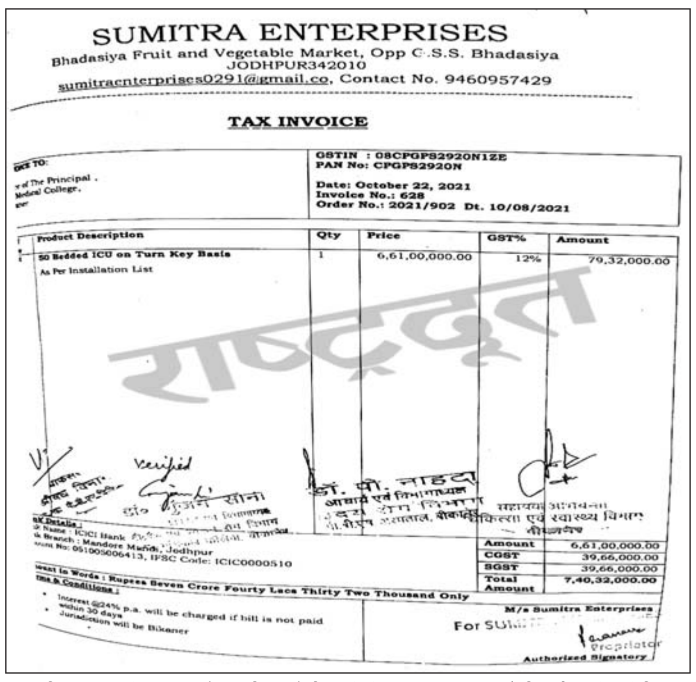

SUMITRA ENTERPRISES
Bhadasiya Fruit and Vegetable Market, Opp C.S.S. Bhadasiya
JODHPUR342010
sumitraenterprises0291@gmail.co, Contact No. 9460957429

TAX INVOICE

GSTIN : 08CPGPS2920N1ZE
PAN No: CPGPS2920N
Date: October 22, 2021
Invoice No.: 628
Order No.: 2021/902 Dt. 10/08/2021

Product Description	Qty	Price	GST%	Amount
50 Bedded ICU on Turn Key Basis As Per Installation List	1	6,61,00,000.00	12%	79,32,000.00

Amount	6,61,00,000.00
CGST	39,66,000.00
SGST	39,66,000.00
Total Amount	7,40,32,000.00

Bank Name : ICICI Bank
Branch : Mandore Mandi, Jodhpur
Account No: 051005006413, IFSC Code: ICIC0000510

Amount in Words : Rupees Seven Crore Fourty Lacs Thirty Two Thousand Only

Terms & Conditions :
- Interest @24% p.a. will be charged if bill is not paid within 30 days
- Jurisdiction will be Bikaner

M/s Sumitra Enterprises
For SU...
Proprietor
Authorized Signatory

प्रकाशित दस्तावेज एक टैक्स बिल है जिसमें देखा जा सकता है कि बीकानेर मेडिकल कॉलेज में सुमित्रा एन्टरप्राइजेज नामक एक फर्म से 50 बिस्तर के आई.सी.यू. में "टर्नकी प्रोजेक्ट" के माध्यम से मेडिकल उपकरणों को लगाने का अनुबंध किया गया था। इस कंपनी द्वारा मेडिकल उपकरण लगाने के लिये मेडिकल कॉलेज से 12 प्रतिशत की दर पर जी.एस.टी. वसूला गया। जैसा कि विदित है कि कोविड के दौरान केंद्र सरकार ने मेडिकल उपकरणों की खरीद पर जी.एस.टी. की दर घटाकर 5 प्रतिशत कर दी थी, परंतु गहलोत सरकार के चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने नियम और नीति के विरूद्ध जाते हुए एस.डी.आर.एफ. से घटिया दर्जे के आई.सी.यू. का निर्माण कराया और मेडिकल उपकरण की खरीद में भी भारी धांधली की।

- पर, किस अस्पताल को कितने वैंटीलेटर चाहिए अपने आईसीयू के लिए, इस बारे में अस्पतालों से न तो पूछा गया और न ही कोई बातचीत की गई।
- जैसा कि खबर के साथ प्रस्तुत बिलों की प्रतियों से नज़र आता है। एसएमएस अस्पताल के लिये जिन दामों पर वैंटीलेटर खरीदे गये, उससे लगभग दोगुने दामों पर प्रदेश के अन्य अस्पतालों के लिए वैंटीलेटर खरीदे गयें, यह एक्स्ट्रा पेमेंट किस को मिला?
- वैंटीलेटर सप्लाई करने वाली कंपनी को जीएसटी का पूरा लाभ दिलाने की दृष्टि से वैंटीलेटर केन्द्रीय सरकार की नीति व आपदा प्रबंधन निधि से खरीददारी नहीं की गई। अगर केन्द्रीय सरकार की व्यवस्था के अनुसार खरीद की जाती तो जीएसटी 12 प्रतिशत की जगह 5 प्रतिशत ही लगती। ऐसे "सुप्रबंधन" के कई नायाब तरीके ढूंढ़े गये और सप्लायर को लाभान्वित किया।
- गहलोत सरकार के अधिकारी कुछ गिनी चुनी कम्पनियों को फायदा पहुंचाने के लिए मेडिकल उपकरणों की खरीद का बल्क ऑर्डर ना देके अलग-अलग खरीद के आदेश पारित कर रहे थे। इसका स्पष्ट प्रमाण एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज की क्रय समिति और बीकानेर के एस पी मैडिकल कॉलेज की क्रय समिति के वित्तीय सलाहकारों की कार्य प्रणाली पर कई सवाल उठते हैं। जहां एक ओर वेंटिलेटर 9 लाख रुपये की दर पर खरीदे गये वहीं दूसरी ओर लगभग दुगनी लागत पर खरीदे गये।

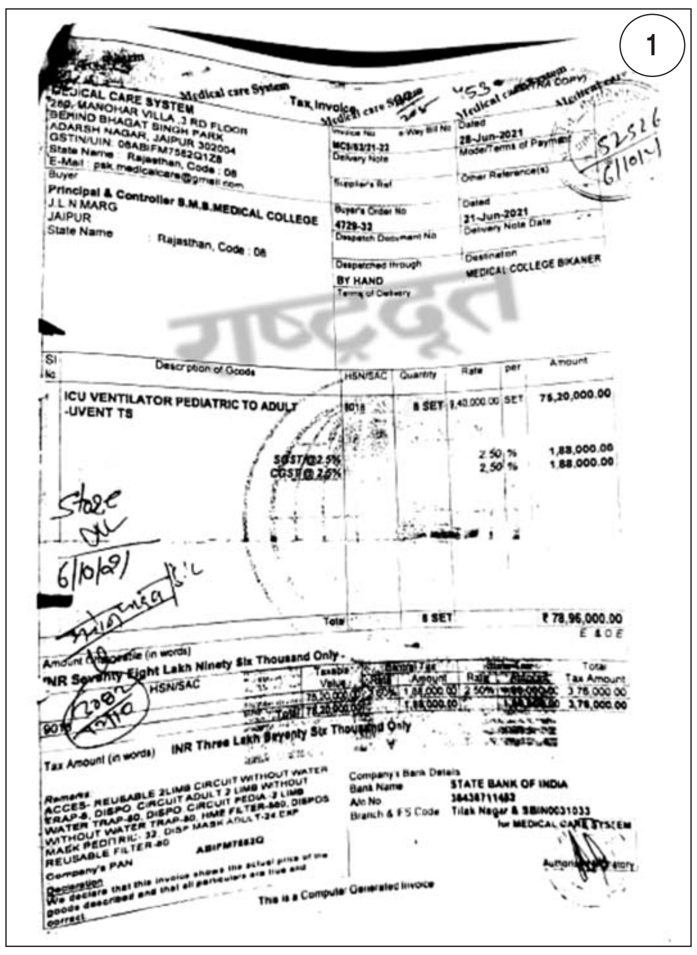

1

ICU VENTILATOR PEDIATRIC TO ADULT -UVENT TS

STATE BANK OF INDIA

लालू-राबड़ी व नीतीश का युग समाप्ति की ओर अग्रसर

नई पीढ़ी के नेता, भाजपा के सम्राट चौधरी, आरजेडी के तेजस्वी के साथ-साथ चिराग पासवान व प्रशांत किशोर को भी नये समीकरणों की राजनीति में अपना महत्व बढ़ने की संभावना दिख रही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के बयान "बिहार मुझे बुला रहा है" ने एनडीए पार्टनरों, जिनमें भाजपा और जेडीयू शामिल हैं, के कान खड़े कर दिये हैं।

अपने स्वर्गीय पिता के विपरीत, जूनियर पासवान ने राज्य की राजनीति में कूदने की अपनी अंदरूनी इच्छा के संकेत कई बार दिये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वघोषित "हनुमान" के रूप में, उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए पार्टनर जेडीयू के खिलाफ अपने उम्मीदवार खड़े किये थे। उन्होंने यह कदम उठाकर, राज्य विधानसभा में नीतीश कुमार की जेडीयू के सदस्य संख्या बहुत कम कर दी थी तथा जेडीयू, भाजपा और आरजेडी के बाद, तीसरे नम्बर पर रही थी।

पिछले तीन दशकों तक, लालू-राबड़ी तथा नीतीश के शासन के लंबे दौर के बाद, ऐसी संभावना हो सकती है कि आगामी चुनावों के बाद, बिहार में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चिराग पासवान ने अपने बारे में नया नारा, "बिहार बुला रहा है" देकर अपना मन्तव्य और स्पष्ट कर दिया है। चिराग मान रहे हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव की भांति, भाजपा उनका "उपयोग" करना चाहेगी, नीतीश कुमार के राजनीतिक कद को नियंत्रित रखने के लिए।
- पिछले चुनाव में चिराग ने नीतीश की पार्टी के सभी उम्मीदवारों के सामने अपने उम्मीदवार खड़े किये थे तथा नतीजा यह निकला था कि नीतीश की पार्टी के कई उम्मीदवार चुनाव हार गये थे, हालांकि, नीतीश ने भी भाजपा जितनी सीटें पाई थीं, सीटों के बंटवारों के समय।
- नीतीश की पार्टी विधायकों की संख्या की दृष्टि से तीसरे स्थान पर पहुँची, भाजपा व आरजेडी के बाद।

पोप फ्रांसिस का निधन

वेटिकन, 21 अप्रैल। ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का ईस्टर सोमवार को वेटिकन के कासा सांता मार्टा में उनके निवास पर निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। होली सी (रोमन कैथलिक चर्च की सरकार) ने आज यह जानकारी दी। होली सी ने एक्स पर लिखा, पोप फ्रांसिस का निधन ईस्टर सोमवार को 88 वर्ष की आयु में वैटिकन के कासा सांता मार्टा में उनके निवास पर हुआ। वैटिकन के मुताबिक स्थानीय समयानुसार सुबह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस ने वैटिकन के कासा सांता मार्टा में अपने निवास पर अंतिम सांस ली।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति की यात्रा से हिन्दुस्तान के लिए खिड़की तो खुली, ट्रम्प तक बात पहुँचाने के लिए

इस समय अमेरिका, यूरोपियन यूनियन व चीन, दोनों से "लगभग" शत्रुता के रिश्ते बनाये हुए है और बातचीत बंद सी है। अतः भारत के पास अपना पक्ष सुनाने का अच्छा मौका है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रेल। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस की आज की भारत यात्रा, भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत देती है।

सबसे पहले, इस यात्रा में एक व्यक्तिगत पहलू है, जो उनकी पहली यात्रा के बारह साल बाद हो रही है। इस व्यक्तिगत जुड़ाव के बयान के साथ, वैंस की भारत यात्रा इस बात को स्पष्ट करती है कि वर्तमान वैश्विक परिपेक्ष्य में भारत अमेरिका के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत में अपने शुरुआती कार्यक्रमों के तहत, उपराष्ट्रपति ने दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया, जहाँ वैंस के बच्चों ने भारतीय परिधान पहन रखे थे और उनके गले में फूलों की मालाएँ थीं। इससे अमेरिका की "सैकण्ड फैमिली" और भारत के बीच सांस्कृतिक और व्यक्तिगत संबंधों का गहरा संकेत मिला।

दूसरा संकेत मिला कि भारत, अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस देश को एशिया में तथा समग्र भू-राजनीति में चीन के बढ़ते प्रभाव के विरुद्ध एक मजबूत दीवार के रुप में देखा जाता है। अमेरिका चीन को अपना प्रमुख प्रतिद्वंद्वी मानता है, आर्थिक रुप से भी और रणनीतिक संतुलन के लिहाज से भी।

गौरतलब है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस समय दक्षिण -पूर्वी एशिया के एक लंबे दौरे पर हैं, जहाँ वे एक ऐसा राष्ट्र-गठजोड़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो अमेरिका के विरुद्ध चीन के साथ खड़ा हो सके। अभी हाल तक, दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश लगभग अमेरिका के सहयोगी देश ही माने जाते थे।

अब चीन इन देशों को, चीन के विशाल बाज़ारों में आकर्षक सुविधाओं का लालच देकर अमेरिका से दूर करने की कोशिश कर रहा है। चीन इन देशों को यह दिखाना चाहता है कि अमेरिका की तुलना में वो कहीं ज्यादा भरोसेमंद पार्टनर है। इस तरह से, चीन एशिया में, और अन्य जगहों पर भी, अमेरिका को उसके सहयोगियों से अलग-थलग करने की कोशिश कर रहा है।

कई मायनों में, अमेरिका पहले से ही वैश्विक मंच के प्रमुख खिलाड़ियों से थोड़ा अलग-थलग हो गया है। ट्रंप प्रशासन ने चीन और यूरोपीय संघ, जो आर्थिक और रणनीतिक रुप से सर्वाधिक महत्वपूर्ण ब्लॉक हैं, को बुरी तरह आहत किया है।

वैंस बहुत अधिक महत्वपूर्ण हैं और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ैलैंस्की के साथ डॉनल्ड ट्रंप की कुख्यात बैठक में भी उनकी प्रमुख भूमिका थी। वैंस, ट्रंप के विश्वासपात्र हैं, हालांकि, ट्रंप अपनी मर्जी के मालिक हैं। हाल ही में इटली की प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान वैंस को बहुत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया था।

इस प्रकार, भारत के पास यह अवसर है कि वह अमेरिका को अपनी स्थिति समझा सके, खासकर ऐसे समय में, जब अमेरिका ने अपनी टैरिफ की बाढ़ के जरिए प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ एक प्रकार का व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। भारत को भी तथाकथित "रैसिप्रोकल टैरिफ" का सामना करना पड़ा है, जिसे वर्तमान में 90 दिनों के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, जैसा ट्रम्प का स्वभाव है, अगर इनमें से किसी से भी बातचीत शुरु हुई तो ट्रम्प भारत का साथ छोड़कर, इन दोनों से सौदेबाजी शुरु कर देंगे, क्योंकि अपने साइज़ व आर्थिक ताकत के कारण, ये दोनों भारत से ज्यादा महत्व रखेंगे, ट्रम्प की निगाह में।

जेल प्रहरी पेपर लीक के आरोपी को जमानत नहीं मिली

जयपुर, 21 अप्रैल। जयपुर मेट्रो-प्रथम की डीजे कोर्ट ने जेल प्रहरी भर्ती-2018 के पेपर लीक मामले के आरोपी करन कुमार को जमानत देने से इनकार करते हुए, आरोपी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। डीजे नंदिनी व्यास ने फैसले में कहा कि मौजूदा मामले में आरोपी को लंबे समय से अनुसंधान के लिए बुलाया जा रहा था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुआ। उसकी तलाश के लिए कई जगहों पर दबिश दी गई, जिस कारण केस के अनुसंधान में भी देरी हुई है। मामला सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम व अन्य गंभीर अपराधों से जुड़ा है और ऐसे मामले के आरोपी को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अदालत ने कहा, आरोपी लंबे समय से अनुसंधान के लिये उपस्थित नहीं हो रहा है, इसलिये जमानत नहीं दी जा सकती।

'वैंस की भारत यात्रा से हिन्दुस्तान की टैरिफ संबंधी चिंताएँ घटेंगी नहीं'

चीन के प्रमुख समाचार पत्र, ग्लोबल टाइम्स तथा चीन के नैशनल स्ट्रेटेजी इन्स्टीट्यूट का मानना है, दोनों देशों की वाणिज्य नीतियों में सामंज़स्य बैठना संभव नहीं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। क्या अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस की भारत यात्रा से वॉशिंगटन की टैरिफ नीति पर नई दिल्ली की चिंताएँ कम होंगी? बीजिंग का कहना है, ऐसा नहीं होगा। बीजिंग ने यात्रा के परिणामों और उद्देश्यों को बहुत हल्के रूप में लिया है।

चीन के ग्लोबल टाइम्स में छपी खबर के अनुसार, वैंस की चार दिवसीय भारत यात्रा दोनों देशों के बीच के आर्थिक अवसरों को अनलॉक करने और द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के प्रयासों के बीच हुई है। लेकिन भारत और चीन के विश्लेषक इस बात पर सहमत हैं कि इस यात्रा से अमेरिका के कथित "रैसिप्रोकल टैरिफ" पर भारत की चिंताओं में कोई राहत नहीं मिलेगी और न ही इससे भारत की व्यापार नीति में कोई निर्णायक बदलाव होगा।

अपनी अधिकृत कूटनीति को "पर्सनल टच" देते हुए, वैंस अपनी पत्नी ऊषा वैंस, जो हिंदू हैं और बच्चों के साथ भारत आए हैं। उनके साथ अमेरिकी प्रशासन के कुछ वरिष्ठ अधिकारी भी आए हैं। ये सभी दिल्ली, जयपुर और आगरा जाएंगे तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन्हें एक रात्रिभोज देंगे। संभावना है कि वार्ता का फोकस लम्बे समय से विचाराधीन ट्रेड पैक्ट होगा और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के नए मुकाम तलाश करने पर होगा। वैंस के साथ अमेरिका के 5 टॉप अधिकारी हैं, जिनमें पैंटागन और विदेश विभाग के अधिकारी शामिल हैं।

यह वैंस की पहली भारत यात्रा है और चीनी पर्यवेक्षक इसके रणनीतिक संकेतों के बारे में बात करते हुए कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं। विशेषज्ञों का मत है कि यह यात्रा सावधानीपूर्वक तैयार की गई सोची समझी रणनीति है, जिसमें कूटनीति और पारिवारिक जुड़ाव का मिश्रण है और इसका उद्देश्य टैरिफ के कारण यूएस के अपने सहयोगियों के साथ उपजे तनाव के समय में भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूत करना है, लेकिन बीजिंग में कुछ ही विशेषज्ञ मानते हैं कि यह यात्रा भारत को अनसुलझे टैरिफ विवाद से राहत देगी।

शिन्हुआ विश्वविद्यालय के नैशनल स्ट्रैटजी इंस्टीट्यूट के निदेशरक कियान फेंग का कहना है कि वैंस कई उद्देश्यों पर काम कर रहे हैं। द्विपक्षीय ट्रेड पैक्ट से लेकर टैरिफ विवादों के हल तक पर फेंग ने चेतावनी दी कि ठोस नतीजे मिलना मुश्किल होगा, क्योंकि वॉशिंगटन का सारा जोर व्यापार घाटा कम करने और निर्माण गतिविधियों को अमेरिका वापस लाने पर है। यह रणनीति "मेक इन इंडिया" के खिलाफ है।

हालांकि, कुछ प्रगति हुई है, जैसे 29 मार्च को अमेरिका के ट्रेड प्रतिनिधियों व भारत के वाणिज्य मंत्रालय के बीच 2030 तक व्यापार 500 बिलियन डॉलर पहुँचाने के लक्ष्य पर समझौता हुआ, पर अभी भी कई बाधाएं हैं।

इस पृष्ठभूमि में विश्लेषकों का कहना है कि वैंस संभवतः भारत को वॉशिंगटन के उद्देश्यों के बारे में पुनः आश्वस्त करने का प्रयास करेंगे तथा टैरिफ के लचीलेपन को प्रोजैक्ट करेंगे। लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि भारत ऐसी कोई रियायत देने के मूड में नहीं है, जो उसकी घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग में कटौती करे, तथा अमेरिकन टैरिफ नीतियों की प्रस्तावित रियायतों पर आँखें मूँद कर भरोसा करे।

बीजिंग एकेडमी ऑफ सोशल साइन्सेज के एसोसिएट रिसर्च फैलो वांग पैंग ने कहा है कि वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच के टैरिफ-जन्य तनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिका के टैरिफ वॉर का मकसद है, अमेरिका में काम आने वाली ज्यादा से ज्यादा चीज़ें अमेरिका में ही निर्मित हों तथा अमेरिका विश्व का "मैन्युफैक्चरिंग हब" (औद्योगिक उत्पादन का केन्द्र) बने।
- दूसरी ओर भारत का "मेक इन इण्डिया" का सोच भी, हिन्दुस्तान में ज्यादा से ज्यादा उद्योग लगाने की दिशा को ही सही मानता है।
- अतः, उपराष्ट्रपति वैंस की भारत यात्रा एक गुडविल (सद्भावना यात्रा) तक ही सीमित रहेगी और कोई ठोस लाभ नहीं मिलेगा, भारत को "टैरिफ वॉर" में।

प्रजापति हत्याकांड में हरीश चौधरी का नाम?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। कांग्रेस नेता हरीश चौधरी का नाम सीबीआई कोर्ट की 32 पृष्ठ की रिपोर्ट में है। कमलेश प्रजापति के फर्जी एनकाउंटर में उनकी व उनके भाई मनीष चौधरी की भूमिका की जाँच की मांग की गई है। तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने फर्ज़ी मुठभेड़ और प्रजापति की हत्या का केस सीबीआई को सौंपा था। सवाल यह है कि क्या यह गहलोत की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की आखिरी जीत है।

इसी सीबीआई कोर्ट ने इस प्रकरण में हरीश चौधरी, उनके भाई मनीष चौधरी और 2 आईपीएस अफसर सहित, 24 पुलिस अफसरों की भूमिका पर सवाल उठाए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सीबीआई कोर्ट ने अपनी रिपोर्ट में हरीश के खिलाफ जाँच के आदेश दिये।

विचार बिन्दु

हमारे कष्ट पापों का प्रायश्चित है। –हज़रत मोहम्मद

सर्वोच्च न्यायालय पर इतना आक्रमण क्यों?

भारत के उपराष्ट्रपति का पद देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है। 2022 में जब से जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति बने हैं, वे निरंतर अपने विवादास्पद व्यवहार और बयानों से चर्चा में बने रहते हैं। इससे पूर्व जब वे पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे, तब वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ कई प्रकार के विवादों में उलझे रहे। अपने बयानों के द्वारा वे राज्य सरकार के काम करने के तरीके पर कटाक्ष करते रहे और सार्वजनिक रूप से भी राज्य सरकार की बहुत आलोचना करते रहे। राज्यपालों से अपेक्षा यह की जाती है कि वे सवैंधानिक पद पर होने के कारण, अपनी राजनीतिक संबद्धता से ऊपर उठकर निष्पक्ष और संवैधानिक मर्यादा के अनुसार कार्य करेंगे। संभवतया, राज्यपाल के रूप में पश्चिम बंगाल की सरकार के कामकाज में उन्होंने जिस प्रकार केंद्र के इशारे पर रोड़े अटकाए, उसी को देखते हुए, भाजपा के नेतृत्व ने उन्हें भारत के उपराष्ट्रपति के पद पर अपना उम्मीदवार बनाया और बहुमत के आधार पर वे इस पद पर आसीन भी हो गए।

उपराष्ट्रपति, राज्यसभा के सभापति भी होते हैं। गत 3 वर्षों में, अनेक बार यह देखा गया है कि उन्होंने सभापति के रूप में पक्षपात पूर्ण कार्य करते हुए विपक्षी नेताओं को बार-बार टोका। एक बार तो उन्होंने अनेक सांसदों को राज्यसभा की सदस्यता से निलंबित भी कर दिया। उनका पक्षपात पूर्ण व्यवहार, टीवी पर राज्यसभा की कार्यवाही के सीधे प्रसारण के माध्यम से पूरे देश ने कई बार देखा है। विपक्षी दलों ने तो एक बार उनके व्यवहार से क्षुब्ध होकर उनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया था, किंतु उपसभापति ने उसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने राज्यपाल और उपराष्ट्रपति दोनों ही पदों पर कार्य करते हुए अपने पदों की गरिमा को तार-तार कर दिया।

हाल ही में उनका सर्वोच्च न्यायालय के संबंध में दिया गया बयान तो सारी सीमाओं को पार कर गया। इसके कारण मीडिया में गत तीन चार दिन से उनकी आलोचना हो रही है। यह वक्तव्य उन्होंने राज्यसभा के प्रशिक्षु इन्टर्न के बैच को संबोधित करते हुए दिया था। उन्होंने कई प्रकार के आरोप सुप्रीम कोर्ट पर लगाते हुए कहा कि, "सुप्रीम कोर्ट अपने आप को सुपर संसद की तरह मानती है"। वह संविधान के अनुच्छेद 142 का उपयोग परमाणु मिसाइल की तरह करती है जिससे लोकतंत्र की विभिन्न संस्थाओं को ध्वस्त किया जा रहा है। उन्होने कहा कि न्यायाधीशों की कोई जवाब देही नहीं है। उन्होंने इस अवसर पर न्यायाधीश वर्मा के घर पर जले हुए नोट मिलने की बात का भी उल्लेख किया और उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज न करने पर भी आश्चर्य व्यक्त किया। यह सही है कि न्यायाधीश वर्मा के बारे में हो रही जांच में अब तक क्या कार्रवाई हुई, इसके बारे में कोई जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने अब तक की कार्रवाई को वेबसाइट पर सार्वजनिक करने का साहस अवश्य दिखाया है। यह आशा की जा सकती है कि जस्टिस वर्मा के विरुद्ध संवैधानिक रूप से जो भी कार्रवाई संभव है वह शीघ्र की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों से जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा लिए गए निर्णय की अवहेलना हुई है। इससे कानून का राज स्थापित नहीं हो सकता। कानून बनाने का काम संसद का है न कि सर्वोच्च न्यायालय का।

इस प्रकार के बयान देते समय उपराष्ट्रपति यह भूल गए कि सुप्रीम कोर्ट ने कभी कानून बनाया नहीं, अपितु जब भी संसद ने कोई ऐसा कानून बनाया जो संविधान के विपरीत था तो उसे निरस्त करने का संवैधानिक दायित्व निभाया। ऐसा करके उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन ही किया।

यह भी एक विचित्र बात है कि प्रधानमंत्री एवं अन्य उच्च सत्ताधारी नेता सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की उस समय प्रशंसा करते हुए नहीं थकते जब कोई निर्णय सरकार के पक्ष में हो जाता है। उदाहरण के लिए जब राम मंदिर का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय ने दिया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सार्वजनिक रूप से सुप्रीम कोर्ट द्वारा किए गए न्याय की सराहना की।

उपराष्ट्रपति जब विधायिका के सम्मान की बात करते हैं तो वे यह भूल जाते हैं कि यदि सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई नहीं की होती तो विधानसभा में चुने हुए विधायकों द्वारा पारित कानून का क्या हश्र होता? तमिलनाडु विधानसभा के 10 विधेयक, पारित होने के बाद भी राज्यपाल के पास अनिश्चितकाल तक पड़े रहे और बाद में राष्ट्रपति के पास विचार हेतु भेज दिए गए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रपति के लिए समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट को नहीं है। और ऐसा करके सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सीमाओं का अतिक्रमण किया है।

यदि कोई सामान्य व्यक्ति सर्वोच्च न्यायालय के बारे में ऐसे शब्द बोलता तो इसे उसकी नासमझी माना जा सकता था। धनखड़ न केवल एक ऊंचे संवैधानिक पद पर विराजमान हैं अपितु वे एक विद्वान वरिष्ठ अधिवक्ता भी रहे हैं। उनके मुख से सर्वोच्च न्यायालय के प्रति ये शब्द अत्यंत महत्व रखते हैं। इसीलिए यह देश के लिए न केवल चिंतन का विषय है अपितु चिंता का भी, क्योंकि न्यायपालिका में विश्वास समाप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

उन्होंने इस बात पर हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि "यह क्या हो रहा है और इसका क्या परिणाम होगा?" वास्तव में उन्होंने सही कहा कि यह क्या हो रहा है, लेकिन यह बात उनके द्वारा किए गए व्यवहार के ऊपर अधिक सही लागू होती है न कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा किए गए व्यवहार के ऊपर।

कल्पना कीजिए यदि सुप्रीम कोर्ट अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्न प्रकरणों में दखल नहीं देता, तो क्या होता:–

इलेक्टोरल बॉन्ड की योजना को असंवैधानिक मानते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा निरस्त नहीं किया जाता।

चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में जिस तरह वहां के पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह ने भाजपा के पक्ष में कार्य करते हुए अनैतिक रूप से भाजपा के उम्मीदवार को विजयी घोषित किया, उसे निरस्त नहीं किया जाता। उत्तर प्रदेश में बुलडोजर के माध्यम से गरीबों के मकान गैर कानूनी रूप से बिना नोटिस के ध्वस्त करने के आदेशों पर यदि सुप्रीम कोर्ट रोक नहीं लगाता।

यदि सुप्रीम कोर्ट समुचित आदेश नहीं देता तो यही लगता कि सुप्रीम कोर्ट, संविधान की रक्षा नहीं कर रहा है।

उपरोक्त कुछ प्रकरणों से तो यही स्पष्ट होता है कि सुप्रीम कोर्ट ने केवल संविधान सम्मत कार्य किया है। संसद और सुप्रीम कोर्ट में से कौन बड़ा है, यह प्रश्न ही बेमानी है। न संसद बड़ी है न न्यायपालिका। लोकतंत्र में सर्वोच्च सत्ता नागरिकों की होती है और उसी को बनाए रखने के लिए संविधान बना है। अतः, सर्वोपरि तो संविधान ही है और शासन के सभी अंगों को उसी के अनुरूप कार्य करना होता है। जब कभी नागरिकों के संविधान प्रदत्त अधिकारों पर कार्यपालिका द्वारा प्रहार होता है तो, सामान्य नागरिक सदैव सुप्रीम कोर्ट की तरफ ही देखता है।

वक़्फ़ संशोधन कानून पर सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के एक दिन पूर्व संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने लगभग चेतावनी भरे शब्दों में यह कहा कि सुप्रीम कोर्ट को संसद द्वारा पारित कानून में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार कोर्ट के काम में दखल देना प्रारंभ करे, तो उसे कैसा लगेगा? यह परोक्ष रूप में सुप्रीम कोर्ट पर दबाव डालने जैसा ही वक्तव्य था।

वक्फ संशोधन कानून पर बहस के दौरान मुख्य न्यायाधीश खन्ना द्वारा पूछे गए तीखे प्रश्नों का उत्तर सॉलिसिटर जनरल नहीं दे पाए और उन्होंने एक सप्ताह का समय उत्तर देने हेतु मांगा। न्यायालय के इस रुख से सरकार में बड़ी खलबली मची हुई है। मजबूरन सरकार को यह आश्वासन कोर्ट को देना पड़ा कि वह वक्फ संशोधन कानून के बारे में कोई कार्यवाही आगामी तिथि तक नहीं करेगी।

उपराष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 142 को परमाणु मिसाइल की तरह इस्तेमाल करने का आरोप सुप्रीम कोर्ट पर लगाया। ऐसा कहते समय उपराष्ट्रपति को यह याद नहीं रहा कि पूर्ण न्याय करने के लिए ही संविधान के अनुच्छेद 142 में सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार दिया गया है।

कार्यपालिका या विधायिका के किसी निर्णय की संवैधानिक समीक्षा करने का अधिकार, संविधान निर्माताओं ने सर्वोच्च न्यायालय को दिया है। इसे परमाणु मिसाइल बताकर और इसे लोकतंत्र को ध्वस्त करने वाला बताने से पूर्व उपराष्ट्रपति ने यह नहीं सोचा कि अनुच्छेद 142 का प्रयोग करके ही प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा किए गए इस संशोधन को निरस्त कर दिया कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के चुनाव को न्यायपालिका के क्षेत्राधिकार से बाहर रखा जाए।

संविधान का अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय को अधिकार देता है कि संविधान के अनुसार किसी भी प्रकरण में 'पूर्ण न्याय' कर सके।

जब निर्णय सरकार की इच्छा अनुसार होता है तो उसे कोई आपत्ति नहीं होती और सत्ताधारी दल के लिए सुप्रीम कोर्ट बड़ा निष्पक्ष और न्याय प्रदान करने वाला बन जाता है। जब वही सुप्रीम कोर्ट कोई निर्णय सरकार की इच्छा के विपरीत देता है तो पूरी सरकार, उसका आई टी सेल, सत्ताधारी दल एवं उसके सभी नेता सुप्रीम कोर्ट को विभिन्न विशेषणों से विभूषित करने में जुट जाते हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने तो यहां तक ट्वीट किया कि जब कानून सुप्रीम कोर्ट को ही बनाना है तो संसद को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना पर यह आरोप तक लगा दिया कि वे देश को धार्मिक और गृह युद्ध की ओर धकेल रहे हैं।

वक़्फ़ संशोधन कानून के बारे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसके कुछ प्रावधानों पर क्रियानविति रोकने के आदेश के बाद से भाजपा की ट्रोल सेना सर्वोच्च न्यायालय के बारे में अपशब्दों का प्रयोग करने में जुट गई है। कोई इसे "शरिया कोर्ट ऑफ इंडिया" बता रहा है तो कोई इसे 'सुप्रीम कोठा' तक कह रहा है।

अंत में यही कह सकते हैं कि उपराष्ट्रपति ने जो शब्द सर्वोच्च न्यायालय के संबंध में कहे हैं वे उनके पद की मर्यादा के कतई अनुकूल नहीं हैं। उच्च संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने आज तक कभी ऐसा मर्यादा हीन बयान नहीं दिया है। यदि कोई सामान्य व्यक्ति सर्वोच्च न्यायालय के बारे में ऐसे शब्द बोलता तो इसे उसकी नासमझी माना जा सकता था। धनखड़ न केवल एक ऊंचे संवैधानिक पद पर विराजमान हैं अपितु वे एक विद्वान वरिष्ठ अधिवक्ता भी रहे हैं। उनके मुख से सर्वोच्च न्यायालय के प्रति ये शब्द अत्यंत महत्व रखते हैं। इसीलिए यह देश के लिए न केवल चिंतन का विषय है अपितु चिंता का भी, क्योंकि न्यायपालिका में विश्वास समाप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

कहीं व्यवस्था में ही दोष तो नहीं चपरासी के लिए उच्च डिग्रीधारियों के आवेदन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देखा जाए तो चतुर्थ श्रेणी के पद के लिए उच्च डिग्रीधारियों के बहुतायत में आवेदन से हमारी संपूर्ण व्यवस्था ही सवालों के घेरे में आ जाती है। आखिर ऐसे हालात क्यों होते जा रहे है। कभी सफाई कर्मचारी के पद के लिए तो कभी चपरासी के पद के लिए उच्च अध्ययन प्राप्त युवाओं का आवेदन करना आम होता ता रहा है। कहने को तो इसके लिए किसी पर भी दोषारोपण आसान हो जाता है पर हालात सामने होने के साथ ही गंभीर चिंता के भी हो जाते हैं।

अब इसका शिक्षा व्यवस्था को ही दोष दिया जाए या बढ़ती बेरोजगारी या फिर सरकारी नौकरी का मोह माना जाये कि राजस्थान के सरकारी दफ्तरों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों में भर्ती के लिए मांगे गये आवेदन में 20 अप्रेल तक 23 लाख 65 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। मजे की बात यह है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 53749 पदों के लिए आवेदन के लिए निर्धारित योग्यता दसवीं पास होना है वहीं इस दसवीं पास के पद के लिए आवेदन करने वालों में पीएच. डी, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट ही नहीं तकनीकी शिक्षा प्राप्त बीटेक और बीएड जैसी योग्यताधारी शामिल है।

इसका मतलब यह हुआ कि आईएएस, आईपीएस, आरएएस, प्रोफेसर, शिक्षक या प्रदेशों की सिविल सर्विस व अन्य इसी तरह के उच्च पदों की योग्यता को पूरी करने वाले युवक रोजमर्रा की भाषा में कहें तो चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करने में किसी तरह का संकोच नहीं कर रहे हैं। यह हालात हमारी संपूर्ण व्यवस्था को प्रश्नों के घेरों में खड़ा कर देती हैं। आखिर हमारी व्यवस्था जा कहां रही है। इससे यह भी साफ हो जाता है कि उच्च शिक्षा प्राप्त चयनित नहीं होते हैं तो सवाल यह उठेगा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भी चपरासी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकें। वहीं किसी कारण से शिक्षा पूरी नहीं कर सकने वाले युवक दसवीं की परीक्षा ही पास कर सके हैं और चपरासी के पद के लिए योग्य है तो उच्च शिक्षितों, अनुभवियों के सामने उनके लिए तो चयन की संभावना लगभग शून्य ही समझी जानी चाहिए।

यदि समान योग्यता वाले आवेदन इतनी बड़ी संख्या में होते तो एक अनार सौ बीमार वाली बात तो हो जाती पर फिर सीधा-सीधा यही कहा जाता कि रोजगार के अवसर कम है पर उच्च अध्ययन प्राप्त युवाओं के चपरासी के पद के लिए आवेदन करना हमारी केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं अपितु पूरी व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं। आखिर ऐसा क्या कारण है कि युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं मिल पा रही।

इससे यह तो साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं पूरी व्यवस्था में ही दोष है। एक और तो सातवें वेतन आयोग के बाद से युवाओं में सरकारी नौकरी का मोह बढ़ा है। फिर रही -सही कसर हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने पूरी कर दी है जब चुनावों में मुख्य मुद्दा रोजगार को लेकर उठाया जाता है। चुनावों में रोजगार या यों कहें कि बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दा होना चाहिए इससे नकारा नहीं जा सकता है पर केवल सरकारी नौकरी का ही चस्मा दिखाया जाता है तो परिणाम फिर इसी तरह के आते हैं। आजादी के बाद निजी क्षेत्र ने काफी विस्तार किया है।

एक समय ऐसा भी रहा है कि जब युवाओं का क्रेज निजी क्षेत्र के प्रति रहता था। निजी क्षेत्र में वेतन-भत्तों के साथ ही सुविधाओं का भी विस्तार था। ऐसा नहीं है कि आज ऐसा नहीं है। आज भी निजी क्षेत्र की अनेकों संस्थाओं में अच्छा पैकेज और सुविधाएं मिलती है। युवाओं को विदेश जाने तक के अवसर मिलते हैं। मेडीक्लेम व अन्य सुविधाएं भी आम है। हां परफोरमेंस और टारगेट की बात अवश्य होती है।

सरकारी नौकरी के पीछे भागने का कारण एक तो सर्विस को लेकर किसी तरह का तनाव नहीं होना है। यों कहा जा सकता है कि सरकारी नौकरी में जॉब सिक्योरिटी के साथ ही सुविधाओं का अंबार और पेंशन सुविधा के साथ ही जिम्मेदारी का कहीं ना कहीं बोझ नहीं दिखाई देता है। सरकारी नौकरी में तो एक तरह का समझौता हो जाता है कि जो काम के प्रति निष्ठावान है उसे काम से लाद दिया जाता है और जो काम के प्रति अधिक गंभीर नहीं होते हैं।

उन्हें कहने को तो नाकारा कह दिया जाता है पर वास्तव में इतना कहने भर से उन्हें काम के बोझ की मुक्ति मिल जाती है। यह तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा एक बार सरकारी नौकरी में प्रवेश हो गया तो कोई कहने वाला तो होगा नहीं, यदि ज्यादा दिक्कत भी आती है तो कहीं से भी सिफारिश कराकर अपना काम चला ही लेंगे। एक बार नौकरी में प्रवेश होने के बाद ओवरएज होने तक प्रतियोगी परीक्षा के नाम पर अप्रत्यक्ष रुप से लाभ उठाया जा सकता है। इससे दो तरह की समस्या उत्पन्न होती है एक तो वास्तव में उस योग्यताधारी के सामने नौकरी की समस्या जस की तस रह जाती है जो उस पद की योग्यता ही पूरी कर पाता है, दूसरा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी या फिर शैक्षणिक योग्यता के अनुसार पद नहीं मिलने के कारण सहानुभूति में अन्य कार्य ले लिया जाता है जिससे दोहरा नुकसान होता है।

एक तो उस पद के योग्य लोगों को नुकसान होता है तो दूसरा मूल पर का काम तो बाधित ही रहता है क्योंकि जिस पद पर चयन हुआ है वह काम तो करना ही नहीं है। अभी कुछ समय पुरानी ही बातें हैं और लगभग सभी जगह हालात यह है कि नगर निगमों में सफाई कर्मियों की भर्ती में अधिकांश चयनित उच्च शिक्षा प्राप्त होने या उच्च वर्ग से जुड़े होने के कारण चयनित होने के बाद उन्हें सफाई कर्मी का काम तो करना ही नहीं था और किया भी नहीं और उनकी सेवाएं आफिस में क्लर्की के रुप में ली जाने लगी। इससे अधिकांश नगर निकायों की सफाई व्यवस्था तो प्रभावित हुई ही साथ ही असली दावेदार तो बेरोजगार ही रह गए और रोजगार के नाम पर ऐसी भर्तियां हुई जो बोझ बनकर ही रह गई। यह वास्तविकता का एक पक्ष है दूसरा पक्ष तो उच्च योग्यता होने के बाद भी उसके अनुसार नौकरी नहीं मिलना है। इसके लिए किसे दोष दिया जाए। सवाल यह उठता है कि बीटेक व्यक्ति को इंजीनियरिंग का काम नहीं मिलता है तो फिर उसकी पढ़ाई का मतलब ही क्या है। सवाल यह है कि जिस तरह से निजी क्षेत्र में नए-नए इंजीनियरिंग कॉलेज, एमबीए कॉलेज खोले गये और उनमें शिक्षकों की स्थिति, शैक्षणिक स्तर और गुणवत्ता पर ध्यान ही नहीं दिया गया तो केवल डिग्री से क्या होने वाला है।

समस्या इतनी साधारण नहीं है जितनी इसे समझा जा रहा है। यह बढ़ती बेरोजगारी की समस्या नहीं है अपितु कहीं ना कहीं हमारी संपूर्ण व्यवस्था का ही दोष है। हालात का समग्रता के साथ विश्लेषण करना होगा नहीं तो चपरासी हो या सफाई कर्मी इतने ही नहीं अपितु इनसे भी ज्यादा आवेदन आएंगे और भर्ती भी होगी, नौकरी पर भी आयेंगे, वास्तविक युवाओं के लिए रोजगार समस्या ही बना रहेगा, सरकारी खर्चा तो यों ही होता रहेगा पर जिस उद्देश्य से या जिस काम के लिए पदों को भरा जाना है उसमें हालात नहीं बदलने वाले हैं। फिर यह कहना कि सफाई कर्मी है पर सफाई नहीं हो रही या चपरासी है पर चपरासी के काम करने वालों की कमी है तो हालात ऐसे ही रहने वाले हैं। यह समूची व्यवस्था के सामने चुनौती है और इसका समाधान खोजना ही होगा।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

घुमंतू जाति के बच्चों के लिये राज्य सरकार "चल विद्यालय" शुरु करेगी

घुमंतू जाति परिवारों का एक स्थान पर स्थाई निवास नहीं होने के कारण इस जाति के बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं

बीकानेर, (निसं)। घुमंतू जाति के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए राज्य सरकार अब "चल विद्यालय" शुरू करेगी। दरअसल, घुमंतू जाति परिवारों का एक स्थान पर स्थाई निवास नहीं होने के कारण इस जाति के बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए रहे हैं। रोजगार के लिए घुमंतू परिवारों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ता है। यही कारण है कि एक जगह पर स्थाई निवास नहीं होने के कारण इस जाति के बच्चे शिक्षा की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पाते और 2 से 3 साल स्कूल जाने के बाद ड्रॉपआउट की श्रेणी में आ जाते हैं।

हालत यह है कि हर साल राज्य में करीब 10 हजार विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूरी करने से पहले ही स्कूल छोड़ रहे हैं। घुमंतू जाति के इन बच्चों को शिक्षा मुहैया करने के लिए सरकार ने "चल विद्यालय" खोलने का निर्णय लिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रवासी राजस्थानियों से इन विद्यालयों को खोलने में भामाशाहों का रोल निभाने का आव्हान भी किया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने रविवार को चेन्नई दौरे पर वहां प्रवासी राजस्थानियों से राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में इन्वेस्ट करने की अपील की।

- **हालात यह है कि हर साल राज्य में करीब 10 हजार विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूरी करने से पहले ही स्कूल छोड़ रहे हैं**
- **शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने रविवार को चेन्नई दौरे पर वहां प्रवासी राजस्थानियों से राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में इन्वेस्ट करने की अपील की**

शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार और प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी बच्चा किसी भी कारण से शिक्षा से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य को लेकर अब जल्द ही "चल विद्यालय" शुरू किए जाएंगे। इन "चल विद्यालय" के जरिए उन विद्यार्थियों तक पहुंच बनाई जाएगी जो घुमंतू जाति से हैं। इन विद्यालय में प्राथमिकता के आधार पर घुमंतू जाति के बच्चों को प्रवेश देकर उनके ही स्थान पर विद्यालय की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ताकि वह शिक्षा से जुड़कर अपना भविष्य बना सके। इस संबंध में अभी कोई गाइड लाइन नहीं आई है। माना जा रहा है कि घुमंतू परिवार जहां होंगे वहां सचल विद्यालय लेकर शिक्षक जाएंगे। उन्हें शिक्षा से लगातार जोड़े रखने के प्रयास किए जाएंगे।

गौरतलब है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालूप्रसाद यादव के समय में ऐसा ही एक प्रयोग वर्ष 1991 में "चरवाहा विद्यालय" के रूप में किया गया था।

यह विद्यालय गाय-भैंस चराने वाले बच्चों के लिए शुरू किए गए थे। छात्रों के मवेशी स्कूल के मैदान में चरने के लिए छोड़ने की व्यवस्था की गई थी। पूरे दिन मवेशी चरवाहा विद्यालयों के मैदान में चरते थे तथा छात्र विद्यालय में पढ़ते थे। शिक्षक नेताओं ने बताया कि दो दशक पहले बीकानेर सहित राज्य के अनेक जिलों में घुमंतू जाति के बच्चों को पढ़ाने के लिए चल विद्यालय के तहत बस में कुछ शिक्षक संबंधित क्षेत्र में जाकर उन्हें पढ़ाई करवाते थे। बाद में योजना आगे नहीं बढ़ पाई।

महंगाई और गर्मी से हज जाने वाले यात्रियों में कमी आई

झुंझुनूं, (निसं)। हज का मुकद्दस सफर एक मई से शुरू होगा, लेकिन करोना के बाद हज जाने वाले यात्रियों में लगातार गिरावट आ रही है। झुंझुनूं ही नहीं, बल्कि राजस्थान और पूरे देश के आंकड़े यही बयां कर रहे हैं। वहीं सोमवार को झुंझुनूं जिले से जाने वाले 37 हज यात्रियों को कमरूद्दीन शाह दरगाह में प्रशिक्षण दिया गया। मेडिकल जांच के बाद टीके लगाए गए और सभी को मुकद्दस सफर के लिए शुभकामनाएं दी गई।

झुंझुनूं में पिछले साल के मुकाबले लगभग आधे ही मुस्लिम लोगों ने हज जाने के लिए आवेदन किया, जिन्हें किसी लॉटरी का भी इंतजार नहीं करना पड़ा। झुंझुनूं जिले से 37 मुस्लिमों ने हज के लिए आवेदन किया, जिनका सभी का चयन हो गया। बताया जा रहा है कि हज का महंगा सफर और मक्का मदीना में इस वक्त पड़ने वाली तेज गर्मी के कारण अब हज के मुकद्दस सफर में जाने वाले मुस्लिमों की संख्या कम हो गई है। यह संख्या करोना के बाद लगातार घट रही है। झुंझुनूं के पिछले 10 सालों के आंकड़ों की बात करें तो करोना के बाद जब दुबारा सफर शुरू हुआ था, तब 36 हज यात्री गए थे। इस साल यह संख्या भी 37 के करीब है। पिछले साल जहां 72 हज यात्री गए थे। वो अब कम होकर 37 तक पहुंच गई है। पूरे राजस्थान की बात करें तो राजस्थान को हज पर जाने के लिए 5000 से अधिक सीटें दी गई थी, लेकिन 3420 ने ही आवेदन किया। करोना के बाद से हज पर जाने वाले लोगों के लिए लॉटरी नहीं निकालनी पड़ी है। हज यात्रियों की संख्या में कमी आने के कारण महंगाई माना जा रहा है, जो सफर पहले 2 लाख रूपए तक हो जाता था। अब वह पांच लाख रूपए तक हो गया है। साथ ही उमरा वर्षभर चलता है, जो कम समय में हो जाता है। जबकि हज गर्मी के दिनों में होता है। इसके लिए डेढ़ महीने तक रहना भी पड़ता है। इसके चलते भी अब हज जाने वालों में कमी आई है।

झुंझुनूं जिले से जाने वाले हज यात्रियों को कमरूद्दीन शाह दरगाह में प्रशिक्षण दिया गया।

- **झुंझुनूं से 10 साल में पहली बार 37 ही हज यात्री जाएंगे**
- **पिछले साल के मुकाबले लगभग आधे ही मुस्लिम लोगों ने हज जाने के लिए आवेदन किया**

पैंथर के हमले से तीन मवेशियों की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र के लाखौला चौराहा रोड़ पर हुसनूदिन मेवाती के बाड़े में बंदे हुए चार गाय के बछड़ों पर पैंथर ने हमला कर दिया। पैंथर ने तीन गाय के बछड़ों को मौत के घाट उतार दिया। एक गाय के बछड़ा गंभीर घायल हो गया। वहीं वन विभाग व पशु चिकित्सालय की टीम ने मृत मवेशियों का पोस्टमार्टम कराया।

जानकारी के अनुसार बाड़े में चार गाय व उनके चार बछड़े बंधे हुए थे। परिवारजन रविवार की शाम को गायों का दूध निकालकर, घास डालकर अपने घर चले गए। सोमवार की सुबह गायों का दूध निकालने परिवारजन पहुंचे तो बाड़े का नजारा देखकर होश उड़ गए। बाड़े में तीन गाय के बछड़े मृत पड़े थे, एक गाय का बछड़ा तड़प रहा था, एक बछड़े को पैंथर पूरा खा चुका था। मौके पर पहुंची वन विभाग व पशु चिकित्सालय की टीम ने मृत मवेशियों का पोस्टमार्टम कराने के साथ ही क्षेत्र में दशहत का कारण बने पैंथर की तलाश शुरू की है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 22 अप्रैल, 2025

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र दिन 12:44 तक, शुभ योग रात्रि 9:13 तक, तैतिल करण प्रातः 6:36 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:31 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज पंचक रात्रि 12:31 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:13 से 10:49 तक, लाभ अमृत 10:49 से 2:02 तव, शुभ 3:38 से 5:14 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:00, सूर्यास्त 6:50

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मजदूर परिवार की मजबूरी, मां की बीमारी और बदकिस्मती के बावजूद सुजीत जीता

- कोटा केयर्स-बिहार शेखपुरा के मजदूर परिवार के सुजीत की कोटा ने बदली जिंदगी
- मजबूरी-फीस के पैसे नहीं थे, कोचिंग ने दी रियायत, पीजी ने नहीं मांगा किराया

कोटा, (निसं)। मजबूरी हो या बदकिस्मती यदि मजबूत हौसला है तो हर जंग जीती जा सकती है। कॅरियर सिटी कोटा की केयरिंग और मजबूत हौसले का एक और बड़ा उदाहरण सामने आया है। कहानी बिहार के शेखपुरा निवासी छात्र सुजीत माधव की है।

सुजीत माधव ने जेईई-मेन 2025 क्रेक की है और जेईई-एडवांस्ड की तैयारी कर रहा है। सुजीत जेईई-मेन-2 में परीक्षा देने से चूक गया, क्योंकि परीक्षा केन्द्र तक साईकिल से गया था, साइकिल लॉक कर जा रहा था कि सामने ही गेट बंद हो गए और सुजीत बाहर ही रह गया। अब जेईई-मेन-1 के रिजल्ट 98.555 पर्सेन्टाईल स्कोर के आधार पर जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई किया है। यही नहीं सुजीत अपनी मां की बीमारी को लेकर भी पिछले दो साल से परेशान है, लेकिन हार नहीं मानी। सुजीत को एलन कोटा ने दोनों वर्ष शुल्क में विशेष रियायत भी दी और उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सुजीत ने जेईई-मेन 2025 में एआईआर-22268 और ओबीसी कैटेगरी रैंक 5625 प्राप्त की है।

मां को पहले ब्रेन हेमेरेज फिर कैंसर-बिहार के शेखपुरा निवासी सुजीत ने सरकारी स्कूल से पढ़ाई की है। परिवार को रोज खाने के लिए रोज कमाना पड़ता है। पिता चुनचुन कुमार खेती करते हैं और मां किरण देवी गृहिणी है। खेती से घर का अनाज जितना हो पाता है, बाकि समय मजदूरी या छोटे-मोटे काम कर परिवार का खर्च चलाना पड़ता है। घर भी आधा कच्चा आधा पक्का बना हुआ है। सुजीत पढ़ाई में होशियार था, इसलिए वर्ष 2023 में कोटा आया और एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में एडमिशन लिया। पिता ने गांव में साहूकारों से ब्याज पर पैसा उधार लेकर सुजीत को पढ़ने भेजा। सुजीत यहां अच्छा प्रदर्शन कर रहा था लेकिन 8 नवंबर 2023 को मां को ब्रेन हेमरेज हो गया। मां से लगाव होने के कारण सुजीत काफी परेशान हुआ। कुछ दिनों के लिए घर गया लेकिन 12वीं की परीक्षा देनी थी इसलिए भाई के समझाने पर वापिस कोटा आ गया। यहां फैकल्टीज ने मोटिवेट किया और उसने 12वीं कक्षा 81 प्रतिशत अंकों से पास की। सुजीत ने 10वीं कक्षा 85 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। पिछले साल मां को कैंसर ने घेर लिया, मां का इलाज एम्स पटना में चल रहा है।

सुजीत ने बताया कि हमारी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और कोटा में पढ़ाई करना सपने के जैसा था लेकिन हिम्मत कर के जैसे-तैसे कोटा आ गया। कोटा के लोग काफी अच्छे और सपोर्टिव है। मैं पिछले दो साल से

सुजीत

तलवंडी में जिस पीजी में रह रहा हूं, उसका मुश्किल से दो या तीन बार किराया दिया है। पीजी की संचालिका ने बोला हुआ है कि आप पढ़ाई करों, किराए की टेंशन मत लो, जिस दिन इंजीनियर बन जाओं तो मुझे बता देना। मेरे लिए वहीं किराया है। इसी तरह फीस भरने के पैसे नहीं थे तो एलन ने 70 पर्सेन्ट तक फीस में रियायत दे दी। दो तीन साल से इसी तरह फीस दे रहा हूं।

कोटा ने ऐसे बदली जिंदगी, घर से भागकर आया था सबसे बड़ा भाई:- मजदूर परिवार के तीन बेटों के इंजीनियर बनने की कहानी वर्ष 2016 में शुरु हुई थी। जब सबसे बड़ा बेटा रजनीश इंजीनियर बनने का सपना लेकर बिना बताए कोटा आया था। रजनीश ने बताया कि परिवार की स्थिति कोटा भेजने की नहीं थी इसलिए पापा ने साफ मना कर दिया था। मुझे कोटा के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी लेकिन ये पता था कि कोटा-पटना ट्रेन कोटा जाती है। इसलिए जेब में पांच सौ रूपए लेकर घर से भागकर कोटा आ गया। मुझे याद नहीं लेकिन, मैंने शायद ट्रेन का टिकट भी नहीं खरीदा था। बस रिस्क लेकर ट्रेन में बैठ गया। यहां आने के बाद लोगों से पूछा और एलन की समन्वय बिल्डिंग आ गया। यहां मुझे संतोष सर और आरके खंगार सर मिले। मैंने इनको स्थिति समझाई।

उन्होंने एक हॉस्टल में रखवा दिया। हॉस्टल संचालक ने भी किराया नहीं मांगा। कोचिंग में भी दो महीने तक ऐसे ही पढ़ाई की इसके बाद दादाजी ने पैसों की व्यवस्था की। इसके बाद वर्ष 2019 में रजनीश अपने सबसे छोटे भाई सुजीत को लेकर भी कोटा आ गया। उस समय सुजीत 9वीं कक्षा में था। कोटा में रहने के दौरान रजनीश ने बीच वाले भाई मृत्युंजय को गाईड किया और उसे स्टडी मैटेरियल भी भेजा, जिससे मृत्युंजय ने पढ़ाई की। वर्ष 2020 में रजनीश ने जेईई मेन दिया और एडवांस के लिए क्वालीफाई किया लेकिन रैंक पीछे आने की वजह से कॉलेज नहीं मिला। ऐसे में जेईई मेन के आधार पर नालंदा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की मैकेनिकल ब्रांच में एडमिशन ले लिया। इसके बाद वर्ष 2022 में मृत्युंजय ने भी नालंदा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की इलेक्ट्रिकल ब्रांच में एडमिशन लिया।

सुजीत के बड़े भाई रजनीश कुमार ने बताया कि हम तीन भाई और एक बहिन हैं। सबसे बड़ा मैं हूं और मैं पटना के इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक कर रहा था। मां की बीमारी की वजह से मुझे बीटेक बीच में छोड़नी पड़ी लेकिन सुजीत और बीच वाले भाई को पढ़ा रहा हूं। सुजीत घर पर रहता था तो घास काटने जाता था, गाएं चराने जाता था और घर के अन्य कामों में व्यस्त रहता था लेकिन पढ़ाई में होशियार था। जब ये 8वीं में था तो 10वीं क्लास की ट्रिग्नोमेट्री सॉल्व कर देता था। इसको देखते हुए ही मैंने पापा से बात की और बड़ी मुश्किल से सुजीत को कोटा भेजने के लिए तैयार किया।

रिफ्रेशमेंट कैंटीन का शुभारंभ

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे का कोटा रेल मंडल डीआरएम अनिल कालरा के मार्गदर्शन में यात्री सुविधाओं को बेहतर करने के साथ-साथ मंडल में कार्यरत कर्मचरियों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करने की दिशा में भी लगातार कार्य कर रहा है। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के परिसर में गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) के तहत वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन के नेतृत्व में ''रिफ्रेशमेंट कैंटीन'' का संविदा के माध्यम से आवंटन किया गया। रिफेशमेंट कैंटीन का उद्घाटन डीआरएम अनिल कालरा द्वारा रिबन काटकर शुभारंभ किया गया। पूर्व में मंडल कार्यालय में संचालित हो रही कैन्टीन बंद होने से कर्मचारी एवं आगन्तुकों के लिए रिफ्रेशमेंट का अभाव था। मंडल कार्यालय में शुभारंभ किये गये ''रिफेशमेंट कैंटीन'' में कर्मचारी एवं आगन्तुकों के लिए अल्पाहार, खानपान उचित दर के अतिरिक्त गेम जोन (कैरम एवं चेस) की भी सुविधा मिलेगी। इस कैन्टीन का शुभारंभ कार्य संविदा के माध्यम तीन वर्ष की अवधि हेतु आवंटित किया गया है। यह सुविधाओ में बढ़ोत्तरी के साथ अतिरिक्त राजस्व बढ़ाने की दिशा में मंडल द्वारा किया गया सराहनीय पहल है। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक ललित कुमार धुरंधर, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुप्रकाश, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक विनोद मीना, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुषमा भटनागर एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सार-समाचार

बिरला को समस्याओं से अवगत कराया

कोटा, (निसं)। राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान, कोटा के जिलाध्यक्ष तेजराज सिंह के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने ओम कृष्ण बिरला अध्यक्ष लोकसभा से उनके कोटा आगमन के दौरान भेंट की और पेंशनर्स की कुछ समस्याओं के संबंध में उनको अवगत कराया। उन्होंने सेवारत पुलिसकर्मियों को राज्य सरकार द्वारा हाल में मेस तथा वर्दी भत्ता बढ़ाने और सेमी डिलक्स बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा देने पर आभार व्यक्त किया। साथ ही कोटा रेंज में कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, सहायक उप-निरीक्षक की विभागीय परीक्षाएं आयोजित कराने व डीपीसी के माध्यम से पदोन्नति प्रदान करने पर भी चर्चा की। इसके अतिरिक्त कोटा के विकास को गति देने की दिशा में एयर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के प्रयासों की भी सराहना की और संगठन द्वारा हर रचनात्मक कार्य में सहयोग हेतु आश्वस्त किया। प्रतिनिधि मंडल में घनश्याम शर्मा, पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जगदीश प्रसाद मीणा, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, भंवर सिंह हाडा, उपाध्यक्ष, विजय सिंह कुंतल, कार्यालय मंत्री, राम दयाल नागर तथा हरिराज सिंह, प्रचार मंत्री, नंदलाल गुर्जर, कोषाध्यक्ष तथा सत्यपाल सिंह, कार्यकारिणी सदस्य आदि भी उपस्थित रहे।

सूने पड़े मकान में चोरी का मामला दर्ज

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में एक सूने पड़े मकान में चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता महिला इन्द्रा की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में सामने आया कि महिला अपने पति के साथ दो घंटे के लिये किसी रिश्तेदार के यहां गई और जब वह वापस लौटी और मकान के बाहर लगे ताले को खोलकर दंपति ने अंदर जाकर देखा तो कमरे का सामान बिखरा पड़ा था। घर से जेवर व अन्य सामान चोरी हो गया था। जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि इन्द्रा ने रिपोर्ट दी है कि वह किराये के मकान में रहती है मकान में ब्यूटी पार्लर भी खोल रखा है। रिपोर्ट में कहा कि रविवार शाम को पति के साथ किसी रिश्तेदार के यहां गये थे और शाम को वापस लौटे। रिपोर्ट में कहा कि लॉक खोलकर अंदर गये तो देखा रूम का सामान बिखरा हुआ पड़ा था। थानाधिकारी ने बताया कि महिला ने मंगलसूत्र व अन्य सामान चोरी की रिपोर्ट दी है। महिला की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

कोटा, (निसं)। दिगम्बर जैन समाज के प्रतिष्ठित संगठन शदिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन कोटा रीजनश की नव-निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को बघेरवाल मांगलिक भवन, झालावाड़ रोड पर गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष अनिल ठोरा, सचिव पीयूष जैन सहित 43 सदस्यीय जम्बों कार्यकारिणी ने पद की शपथ ली और विधिवत रूप से कार्यभार संभाला। समारोह के मुख्य अतिथि, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र कांसल ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा, 'फेडरेशन सेवा, संस्कार और संस्कृति के मूल्यों पर आधारित संस्था है, और कोटा रीजन हमेशा नवाचार, समर्पण और नेतृत्व के लिए जाना जाता रहा है।' उन्होंने नई कार्यकारिणी को सामाजिक सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं और पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं युवाओं की भागीदारी पर विशेष बल दिया। उन्होंने कोटा रीजन से मोक्षरथ की मांग की।

12429 घरों का सर्वे किया

कोटा, (निसं)। कामयाब कोटा बनाना है, डेंगू को हराना है' अभियान एवं मलेरिया क्रेश कार्यक्रम के तहत सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की 794 टीमों ने जिले में 12429 घरों का सर्वे कर लार्वारोधी व जागरूकता गतिविधियां की। सीएमएचओ डॉ.नरेन्द्र नागर ने बताया कि मौसमी बीमारियां डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि की रोकथाम संबधी गतिविधियां जारी है। टीमों ने 18173 कंटेनरों जिनमें टंकी, कूलर, परिण्डे आदि अन्य की जांच की, इस दौरान लार्वा पाए 52 कंटेनरों को उपचारित किया, 1074 कंटेनरों को खाली कराया, 465 कंटेनरों में टेमीफोस व 302 स्थानों पर एमएलओ डाला। इस दौरान 187 ब्लड स्लाईड भी ली गई। 268 कमरों में पायरेथ्रम का स्प्रे किया गया। आमजन को बचाव-रोकथाम संबंधी जागरूकता के पम्फलेट वितरित किए, पोस्टर व स्टीकर चस्पा किए।

दिया कुमारी का स्वागत किया

कोटा, (निसं)। भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि कोटा प्रवास पर पधारी दिया कुमारी उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार का नयापुरा चौराहा पर भाजपा शहर जिला कोटा द्वारा जिलाध्यक्ष राकेश जैन के नेतृत्व में 51किलो पुष्पहार से भव्य स्वागत करते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री के साथ वित्त और सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री के रूप में हाड़ौती को अनेकों सौगातें देते हुए सड़कों का जाल बिछाने का तोहफा दिया है जिसके लिए कोटा की धरती पर दिया कुमारी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने मशीनों के माध्यम से पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि दिया कुमारी ने महिलाओं की चिंता करते हुए महिलाओं को लगातार संबल देने का प्रयास किया है।

विद्यालय में दरी पट्टियां व फर्श भेंट

रामगंजमण्डी, (निसं)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रैतिया चौकी में सोमवार को भारत विकास परिषद महावीर शाखा कोटा द्वारा 200 विद्यार्थियों के बैठने के हेतु सूती की दरी पट्टीयां एवं फर्श भेंट किए गए। इस अवसर पर विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शुभारंभ में संस्था के सुरेन्द मोहन शर्मा, महावीर शाखा संरक्षक देवकीनंदन गुप्ता सचिव, राकेश दीक्षित सेवा प्रकल्प प्रभारी, देवाशीष मुखर्जी द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया।

आमजन के लिए प्याऊ लगाई

कोटा, (निसं)। कोटा में भीषण गर्मी का असर देखने को मिल रहा है, हीट वेव के कारण कई लोग बीमार हो रहे हैं, आमजन को शीतल पेय उपलब्ध कराए जाने और राहत प्रदान करने के लिए जगह-जगह शीतल जल और शरबत के काउंटर लगाए जा रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की प्रेरणा से टीम पंकज मेहता द्वारा सोमवार को रामपुरा कोतवाली थाने के सामने शीतल जल के लिए प्याऊ लगाई गई। प्याऊ का शुभारंभ राजस्थान रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष, कोटा नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता पंकज मेहता द्वारा किया गया। टीम पंकज मेहता के ललित चित्तौड़ा ने बताया कि इस अवसर पर छाछ व लस्सी का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि यहां पर प्रतिदिन कैंपर का ठंडा पानी आमजन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

लव-कुश छात्रावास परिसर में नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

कोटा, (निसं)। लव-कुश छात्रावास परिसर में नवनिर्मित भवन का लोकार्पण समारोह एवं लवकुश जयंती समारोह तथा संस्था का खुला अधिवेशन रविवार को आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रहे।

विशिष्ट अतिथि भरत सिंह कुशवाह सांसद ग्वालियर, भगवान सिंह कुशवाहा विधायक खेरागढ़ आगरा एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता पंकज मेहता रहें। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लव-कुश भगवान के विचार, उनकी कार्यशैली, उनकी वीरता, उनका आत्मविश्वास, उनका धैर्य जिस तरह से रहा है, इस पर समाज आज भी चल रहा है। क्षत्रिय समाज संघर्षशील समज रहा है, मेहनती समाज रहा है, सेवा भावी समझ रहा हैं, देश की सेवा में आज भी सीमा पर क्षत्रिय समाज के वीर तैनात हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह समाज सामर्थ्य देता है, शक्ति देता है, यह समाज धर्म संस्कृति के साथ रहता है। बिरला ने कहा कि विरासत भी कुशवाहा समाज की संघर्षील रही है, आज भी देश की सेवा की जा रही है, यह समाज देश की सेवा में अग्रणी है, उन्होंने आह्वान किया कि समाज के युवक-युवतियों को बेहतरीन शिक्षा और संस्कृति से जोड़ा जाए ताकि एक सभ्य समाज का निर्माण हो सकें।

हवन के पुरोहित संस्था के ही सभासद गुमान सिंह कुशवाहा व महामंत्री रामनारायण कुशवाहा द्वारा संपन्न कराया गया। इस छात्रावास के निर्माण में समाज का अधिक से अधिक सहयोग प्राप्त हुआ। कुशवाहा क्षत्रीय विकास समिति कोटा संभाग के अध्यक्ष रमेश चंद कुशवाहा एडवोकेट विधिक सलाहकार, चंद्रमोहन कुशवाहा एडवोकेट, संस्था के सचिव भरत सिंह कुशवाहा एडवोकेट, नरेंद्र सिंह कुशवाहा एडवोकेट, दुर्गा शंकर कुशवाहा एडवोकेट, संस्था के छात्रावास आवास संयोजक प्रभु सिंह कुशवाहा, संस्था के कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा, संस्था के विधिक सलाहकार ठाकुर चंद्र मोहन कुशवाहा एडवोकेट, संस्था केजरीवाल सचिव भरत कुशवाह एडवोकेट, संस्था के पदाधिकारी गण आनंदीलाल कुशवाहा, चंद्रप्रकाश कुशवाहा, राम रतन कुशवाहा कंपाउडर आदि उपस्थित रहे।

महावीर स्वामी का 50 वर्षों बाद महामस्ताभिषेक हुआ

छबड़ा (निसं)। दिगम्बर जैन मंदिर पर स्वर्णिम पलों के तहत आचार्य विद्यासागर एवं समय सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य 108 मुनि सुव्रत सागर महाराज के सानिध्य में समाज के सोभाग्य से मन्दिर पर वर्तमान शासन नायक एवं मूलनायक भगवान महावीर स्वामी का महामस्ताभिषेक, 108 कलशों से कलशाभिषेक एवं शांति धारा की गई। इस अवसर पर भामण्ल लगाये गये। इस पुण्य अवसर पर छबड़ा जैन समाज के अलावा छीपाबड़ौद एवं मध्यप्रदेश सहित अन्य जगहों के समाज के लोगों ने भी धर्म लाभ उठाया।

स्थानीय दिगम्बर जैन मंदिर पर रविवार को मुनि सुव्रत सागर महाराज के परम सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। छबड़ा आए मुनि सुव्रत सागर महाराज के सानिध्य में सुबह लगभग 50 वर्षों बाद जैन धर्म के वर्तमान शासन नायक एवं मूल नायक भगवान महावीर स्वामी का महामस्ताभिषेक तथा 108 कलशों से कलाशाभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान की शान्ती धारा की गई। महामस्ताभिषेक करने का सौभाग्य प्रकाशचन्द, जितेंद्र कुमार, शेलेन्द्र कुमार लुहाड़िया एवं प्रवीण कुमार अभिनव कुमार पाण्डया ने 45-45 हजार रुपये की बोली लगाकर या। साथ ही शान्तिधारा करने का शोभाग्य दीपचंद, आशा लुहाडिया एवं प्रवीण कुमार अभिनव कुमार पाण्डया ने 21 --21 हजार रुपये की बोली लगाकर लिया। इस अवसर पर चन्द्र प्रकाश शिखरचन्द, विमल कुमार, धर्मचंद एवं पदम चन्द लुहाड़िया ने वेदी जी में चांदी की प्रतिमा विराजमान कराने के लिये 6 किलो चांदी देने की घोषणा की साथ ही राकेश कुमार अवि कुमार द्वारा अपने पिता स्वर्गीय महावीर लुहाड़िया की पुण्य स्मृति में वेदि जी में अष्ट प्रतिहार्य एवं चांदी की पेटी चड़ाई गई साथ ही दीपचंद आशा लुहाडिया ने विधान में प्रतिमा जी विराजमान करने के लिये चांदी का सिंघासन दिया।

मूल नायक भगवान महावीर स्वामी, आदिनाथ भगवान पार्श्वनाथ भगवान एव नेमीनाथ भगवान के चांदी के भामण्डल भी लगाये गए। मूल नायक महावीर स्वामी का चांदी का भामण्डल छबडा निवासी रामस्वरूप धर्मपत्नी मीना गोयल एवं बारां निवासी रामदयाल पिंकी गोयल द्वारा तथा किलो चांदी का भामण्डल संजीव कुमार जैन डिस्क वाले, प्रकाश चन्द रामपुरिया, प्रवीण कुमार अभिनव कुमार पाण्डया, विमल कुमार लुहाडिया द्वारा उडाये गए।

धोखाधड़ी का वांछित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। बूढ़ादीत थाना पुलिस टीम ने गिल्ट के बने आभूषणों को चांदी का बताकर गिरवी रखकर धोखाधड़ी कर रूपये ऐंठने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ हेतु ग्रामीण के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के निर्देशन में विशेष अभियान चला रखा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि बूढ़ादीत थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी रघुवीर सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्यवाही करते हुए गिल्ट के बने आभूषणों को चांदी का बताकर गिरवीं रखकर धोखाधड़ी कर रूपये ऐंठने के मामले में वांछित आरोपी तलाब गांव अनंतपुरा निवासी गोरानाथ (59) को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने इस मामले में दो आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर चूकी हैं, वहीं मामले में वांछित चल रहे आरोपी गोरानाथ को भी गिरफ्तार कर लिया।

प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को मजबूत करेगी डबल इंजन की सरकार : दिया कुमारी

कोटा, (निसं)। प्रदेश की उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को कोटा में चल रही अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में देश भर से आई महिला खिलाड़ियों का सम्मान किया तथा पदक विजेताओं को मेडल भेंट किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को मजबूत कर रही है। भविष्य में राजस्थान से कई ओलंपिक पदक विजेता सामने आएंगे।

नयापुरा स्थित खेल परिसर के रघुराई एण्डो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में खेलों में अनेक सकारात्मक बदलाव हुए हैं, जिसके सुखद परिणाम अब देश के सामने आ रहे हैं। राजस्थान में भी अब भाजपा सरकार है जो खेलों को बढ़ावा देने का काम कर रही है। खेल के इंफ्रास्ट्रक्चर और खिलाड़ियों को मूलभूत सुविधाओं में सुधार हो रहा है। अब राजस्थान भी खेलों में सिरमौर बनेगा और यहां की पदक विजेताओं की सूची में महिलाएं अग्रणी रहेंगी। उन्होंने कोटा में हो रही अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती

कोटा में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महिला पहलवानों को सम्मानित किया है।

प्रतियोगिता को भी प्रदेश में कुश्तियों को बढ़ावा देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इससे प्रदेश में कुश्तियों के प्रति रूचि बढ़ेगी और कुश्ती के खिलाड़ियों के स्तर में भी इजाफा होगा।

आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए उन्होंने राजस्थान कुश्ती संघ के अध्यक्ष राजीव दत्ता की सराहना भी की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि कुश्ती का खेल हमारी संस्कृति और परम्पराओं में रचा-बसा है। उप मुख्यमंत्री दीया कुमार ने यहां आकर देशभर से आए खिलाड़ियों विशेष तौर पर महिला खिलाड़ियों को जो प्रोत्साहन दिया है वह निश्चित तौर पर उन्हें आगे बढ़ने और देश का नाम रोशन करने दिशा में गतिमान करेगा। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि कोटा में आयोजित हो रही कुश्ती प्रतियोगिता ने खिलाड़ियों को नई ऊर्जा दी है। इस प्रकार के आयोजन से खिलाड़ियों में भी कुश्ती से जुड़ने का उत्साह बढ़ेगा।

राजस्थान कुश्ती संघ के अध्यक्ष राजीव दत्ता ने कहा कि राजस्थान में गांव-ढाणी से लेकर शहरों तक कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है। हमारा प्रयास होगा कि अगले ओलम्पिक में राजस्थान के खिलाड़ी भी देश का प्रतिनिधित्व करें। इसके लिए हमें राजस्थान सरकार से भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भी आश्वस्त किया है कि वे कुश्ती विशेष तौर पर महिला कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए हर समय तैयार हैं।

कार्यक्रम में भारतीय कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष और पूर्व ओलंपियन जय प्रकाश पहलवान, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष अनूसुईया गोस्वामी, पूर्व उपमहापौर सुनीता व्यास, भाजपा महिला मोर्चा की शहर अध्यक्ष कविता पचवारिया, देहात अध्यक्ष आशा त्रिवेदी, भाजपा नेता भूपेंद्र सैनी सहित अनेक गणमान्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/115 विज्ञप्ति दिनांक:-21.4.2025

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम बालाकुण्ड में स्थित कृषि भूमि योजना न्यू जवाहर नगर खसरा नं. 41/268 में स्थित भूखण्ड संख्या डी-26 क्षेत्रफल 83.33 वर्गगज आवेदक श्री महेश कुमार चौरसिया पुत्र स्व.श्री ग्यारसी लाल चौरसिया निवासी 17/235, नन्द किशोर जी का ढपोला, बृजराजपुरा कोटा राज. नाम हस्तान्तरण हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड का पट्टा आदेश क्रमांक 2526 दिनांक 04.08.2003 को महेन्द्र कुमार यादव पुत्र श्री बाबूलाल यादव के नाम जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखण्ड का बैचान रजि. विक्रय पत्र दिनांक 05.03.2005 को जर्ये मुख्तारआम अनिल अग्रवाल पुत्र श्री मोहन लाल द्वारा प्रिया शर्मा पत्नि श्री राजेन्द्र शर्मा के पक्ष में किया गया। क्रेता द्वारा उक्त भूखण्ड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 25.10.2012 से आवेदक के पक्ष में किया गया है।

अतः श्री महेश कुमार चौरसिया पुत्र स्व.श्री ग्यारसी लाल चौरसिया के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कृषि भूमि रुपान्तरण नगर परिषद बारां

क्रमांक:-नपबा/रुपा./2025/486-87 लोक सूचना दिनांक:-21.4.2025

सुरेन्द्र गोयल पुत्र श्री द्वारकालाल जाति महाजन निवासी कलमण्डा तह. व जिला बारां राजस्थान ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (आवासीय प्रयोजनार्थ) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
बारां, तहसील व जिला बारां	गोपालपुरा	160/749 822/158 160/750 कुल किता 3	0.85 है. 0.28 है. 0.80 है. में से 0.6800 है. कुल रकबा 1.81 है.

इसलिये इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुर्क्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज.......को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी आयुक्त नगर परिषद बारां

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ11/ विक्रय/2025/1531 दिनांक:-21.04.2025

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना डिस्ट्रिक्ट सेन्टर व्यावसायिक भूखंड संख्या 235 का नामहस्तांतरण पत्र क्रमांक 460-61 दिनांक 30.12.2014 को श्री बसंत सचदेव पुत्र श्री भीष्मराज सचदेव के नाम हस्तांतरण किया गया था। श्री बसंत सचदेव पुत्र श्री भीष्मराज सचदेव की मृत्यु दिनांक 13.11.2024 को हो गयी है। मृत्यु उपरांत श्री बसंत सचदेव पुत्र श्री भीष्मराज सचदेव के विधिक वारिसान द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड रिलीज डीड (हक त्याग पत्र), मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आईडी इत्यादि दस्तावेजों के आधार पर श्री नीरज सचदेव पुत्र स्व. श्री बसंत सचदेव द्वारा उक्त भूखंड संख्या 235 डिस्ट्रिक्ट सेन्टर व्यावसायिक अपने नाम हस्तान्तरण करने की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरीये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 235 योजना डिस्ट्रिक्ट सेन्टर व्यावसायिक का नामहस्तान्तरण श्री नीरज सचदेव पुत्र स्व. श्री बसंत सचदेव के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी। उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ11/ विक्रय/2025/1532 दिनांक:-21.04.2025

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना डिस्ट्रिक्ट सेन्टर व्यावसायिक भूखंड संख्या 236 का नामहस्तांतरण पत्र क्रमांक 398-99 दिनांक 12.12.2014 को श्री बसंत सचदेव पुत्र श्री भीष्मराज सचदेव के नाम हस्तांतरण किया गया था। श्री बसंत सचदेव पुत्र श्री भीष्मराज सचदेव की मृत्यु दिनांक 13.11.2024 को हो गयी है। मृत्यु उपरांत श्री बसंत सचदेव पुत्र श्री भीष्मराज सचदेव के विधिक वारिसान द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड रिलीज डीड (हक त्याग पत्र), मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आईडी इत्यादि दस्तावेजों के आधार पर श्री नीरज सचदेव पुत्र स्व. श्री बसंत सचदेव द्वारा उक्त भूखंड संख्या 236 डिस्ट्रिक्ट सेन्टर व्यावसायिक अपने नाम हस्तान्तरण करने की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरीये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 236 योजना डिस्ट्रिक्ट सेन्टर व्यावसायिक का नामहस्तान्तरण श्री नीरज सचदेव पुत्र स्व. श्री बसंत सचदेव के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी। उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ11/ विक्रय/2025/1274 दिनांक:-21.4.2025

नाम हस्तान्तरण स्वीकृति चाहने बाबत आम सूचना

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा आवास/भूखंड संख्या-104 दी होलसेल न्यू क्लाथ मार्केट व्यावसायिक योजना कोटा का आवंटन न्यास के पत्र क्रमांक 1663 दिनांक 28.12.1996 द्वारा श्री चॉदमल हेमन्त कुमार लोढा प्रो. कमल लोढा को आवंटित किया गया था। जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 31.03.1999 को हो चुकी है। श्री कमल कुमार लोढा पुत्र श्री हुकुम चन्द लोढा के द्वारा उक्त भूखंड का बेचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 28.09.2004 को श्रीमती पुष्पादेवी पत्नी श्री श्याम लाल पुरसवानी के पक्ष में कर दिया गया है। श्रीमती पुष्पादेवी पत्नी श्री श्याम लाल की मृत्यु दिनांक 22.11.2004 को हो चुकी है। मृत्यु के पश्चात पुष्पादेवी के विधिक वारिसान के द्वारा श्री श्याम लाल पुत्र श्री हरीराम के पक्ष में पुष्पादेवी के हक का त्याग किया गया है। हकत्याग ग्रहिता श्री श्याम लाल पुत्र श्री हरीराम एवं सह पार्टनर कमल कुमार लोढा पुत्र श्री हुकुम चन्द लोढा के द्वारा संयुक्त नाम से नाम हस्तांतरण चाहा गया है। अतः जरिये आम सूचित किया जाता है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति दर्ज करावे अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास/भूखंड संख्या 104 दी होलसेल न्यू क्लाथ मार्केट व्यावसायिक योजना का नाम हस्तांतरण श्री श्याम लाल पुत्र श्री हरीराम एवं सह पार्टनर कमल कुमार लोढा पुत्र श्री हुकुम चन्द लोढा नाम से जारी कर दी जायेगी। उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 136 जाहिर आम सूचना दिनांक - 21.4.25

आवास संख्या 2-ख-8 केशवपुरा कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री लक्ष्मीनारायण राजोरा पुत्र श्री कल्याण प्रसाद को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री लक्ष्मीनारायण राजोरा पुत्र श्री कल्याण प्रसाद के नाम दिनांक 23.02.1991 को अपने पक्ष में करवाया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री लक्ष्मीनारायण राजोरा पुत्र श्री कल्याण प्रसाद की मृत्यु दिनांक 05.10.2024 को एवं इनकी पत्नी श्रीमती सूरज बाई की मृत्यु दिनांक 09.09.2022 को हो चुकी है। श्री लक्ष्मीनारायण राजोरा पुत्र श्री कल्याण प्रसाद द्वारा इस आवास की वसीयत अपने जीवनकाल में जरिये वसीयत नामा आलेखित कर दिनांक 04.10.2024 को श्री अनिल कुमार पुत्र श्री केसरी लाल के पक्ष में आलेखित की गई। श्री अनिल कुमार पुत्र श्री केसरी लाल द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 2-ख-8 केशवपुरा कोटा का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं वसीयत नामा के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं वसीयत नामा के आधार पर श्री अनिल कुमार पुत्र श्री केसरी लाल के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री अनिल कुमार पुत्र श्री केसरी लाल के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री अनिल कुमार पुत्र श्री केसरी लाल के नाम कर दिया जावेगा। उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/118 विज्ञप्ति दिनांक:-21.4.2025

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कोटडी योजना ''कृष्णा नगर (अटवाल कॉम्प्लेक्स'' खसरा नं. 133 में स्थित भूखंड संख्या (67-बी, 68)बी के नाम हस्तान्तरण करने हेतु न्यास कार्यालय में श्री रमेश लाल शर्मा पुत्र रामराज शर्मा निवासी-67-बी-1, गली नं. 4 कृष्णा नगर बजरंग नगर कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। भूखंड संख्या (67-बी, 68) का पट्टा क्रमांक 4249 दिनांक 12.07.2005 को (1800 वर्गफीट) 200 वर्गगज का श्री अब्दुल सईद अंसारी पुत्र श्री अब्दुल वहीद अंसारी के पक्ष में जारी किया गया था। तत्पश्चात पट्टेधारी द्वारा उक्त भूखंड का उपविभाजन (67-बी,68)ए=1175 वर्गफीट तथा (67-बी,68)बी=625 वर्गफीट के रुप में दिनांक 10.10.2024 को करवाया गया। पट्टेधारी द्वारा उक्त भूखंडों में से भूखंड सं. (67-बी,68)बी का बेचान जर्ये मुख्तारआम हरप्रीत सिंह पुत्र इकबाल सिंह जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 08.10.2008 को श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री रमेश लाल शर्मा को किया गया था। आवेदक द्वारा संलग्न मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार श्रीमती सावित्री देवी की मृत्यु दिनांक 24.04.2021 को हो चुकी है। श्रीमती सावित्री देवी की मृत्यु उपरांत विधिक वारिसान 1. श्री पंकज कुमार शर्मा (पुत्र) 2. मंजू शर्मा (पुत्री) 3. इन्द्रा शर्मा (पुत्री) 4. हेमलता शर्मा (पुत्री) हक त्याग जर्ये रजि. हकत्याग पत्र दिनांक 13.04.2022 से आवेदक पक्ष में कर दिया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत (1) रिलीज डीड (2) विधिक वारिसान शपथ पत्र एवं (3) मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर नाम हस्तांतरण चाहा गया है।

अतः श्री रमेश लाल शर्मा पुत्र रामराज शर्मा के नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 137 जाहिर आम सूचना दिनांक - 21.4.25

आवास संख्या 2/288 गणेश तालाब कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री राम किशन पुत्र श्री सोनी लाल को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती घीसी बाई पत्नी श्री आनन्दी लाल के नाम दिनांक 22.10.1997 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती घीसी बाई पत्नी श्री आनन्दी लाल के नाम दिनांक 30.12.1997 को अपने पक्ष में करवाया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती घीसी बाई पत्नी श्री आनन्दी लाल की मृत्यु दिनांक 05.10.2012 को एवं इनके पुत्र श्री कमलेश नागर की मृत्यु दिनांक 07.04.2011 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्री आनन्दी लाल नागर पुत्र श्री बिरधिलाल नागर एवं श्री मोहन लाल नागर पुत्र श्री आनन्दी लाल नागर द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्सों का त्याग जरिये रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) आलेखित कर दिनांक 04.10.2024 को श्रीमती ममता नागर पत्नी स्व. श्री कमलेश नागर, श्री लवेश नागर पुत्र स्व. श्री कमलेश नागर एवं श्री युवराज नागर पुत्र स्व. श्री कमलेश नागर के पक्ष में संयुक्त रुप से किया गया। श्रीमती ममता नागर पत्नी स्व. श्री कमलेश नागर, श्री लवेश नागर पुत्र स्व. श्री कमलेश नागर एवं श्री युवराज नागर पुत्र स्व. श्री कमलेश नागर द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 2/288 गणेश तालाब कोटा का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) के आधार पर संयुक्त रुप से करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) के आधार पर श्रीमती ममता नागर पत्नी स्व. श्री कमलेश नागर, श्री लवेश नागर पुत्र स्व. श्री कमलेश नागर एवं श्री युवराज नागर पुत्र स्व. श्री कमलेश नागर के नाम संयुक्त रुप से करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती ममता नागर पत्नी स्व. श्री कमलेश नागर, श्री लवेश नागर पुत्र स्व. श्री कमलेश नागर एवं श्री युवराज नागर पुत्र स्व. श्री कमलेश नागर के नाम संयुक्त रुप से किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती ममता नागर पत्नी स्व. श्री कमलेश नागर, श्री लवेश नागर पुत्र स्व. श्री कमलेश नागर एवं श्री युवराज नागर पुत्र स्व. श्री कमलेश नागर के नाम संयुक्त रुप से कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

काले हिरणों के संरक्षित क्षेत्र झुंझुनूं बीड़ में आग लगी, वनस्पतियां जलकर खाक

बताया जा रहा है कि इस घटनाक्रम से कई छोटे वन्य प्राणी भी आग की चपेट में आये हैं

झुंझुनूं, (निसं)। कंजर्वेशन रिजर्व घोषित बीड़ वन क्षेत्र में रात को अचानक आग लगने से वन्य जीवों में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें इतनी तेज उठ रही है कि वन विभाग की टीम काबू पाने में विफल होती रही और आग लगातार अपना आक्रामक रूप लेती जा रही थी, जिससे ना केवल सैंकड़ों की संख्या में बहुमूल्य वनस्पति आग से जलकर नष्ट हुई है, बल्कि बताया जा रहा है कि इस घटनाक्रम से कई छोटे वन्य प्राणी भी आग के हवाले हुए हैं।आग जिस क्षेत्र में लगी, उसी क्षेत्र को वन विभाग ने काले हिरणों की शरणस्थली के रूप में संरक्षित भी कर रखा है।

जानकारी के मुताबिक बीड़ वन क्षेत्र में मठ की तरफ अचानक किसी कारण से आग लग गई। धीरे-धीरे आग तेज होती गई और फिर भयंकर रूप धारण कर लिया। तब वन विभाग की टीम को सूचना मिली। टीम जब मौके पर पहुंची तब तक आग बेकाबू हो चुकी थी। टीम ने तीन अग्निशमन गाड़ियों को बुलाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटें तेज होने व वन विभाग के पास अपर्याप्त संसाधनों के कारण काबू पाने में विफल रही और देखते ही देखते करीब दो हेक्टेयर से अधिक संरक्षित क्षेत्र जल गया। तो वहीं काले हिरणों व चिंकारा के ऊपर खतरा मंडराने लगा और वन्यजीव जीव इधर-उधर भागने लगे, तो वहीं कई छोटे वन्य जीव आगजनी की चपेट में भी आ गए। हालांकि मध्यरात्रि तक करीब तीन घंटे बाद आग पर अग्निशमन के माध्यम से काबू पा लिया गया।

आग लगने से भारी मात्रा में वनस्पतियां जलकर राख हो गई।

आग जिस क्षेत्र में लगी उसी क्षेत्र को वन विभाग कागजों में काले हिरणों की शरणस्थली के रूप में संरक्षित भी कर रखा है और इसमें सैंकड़ों की संख्या से अधिक हिरण विचरण करती रहती है, लेकिन आग की इस भयावहता को देखकर लग रहा था कि काले हिरण भी आग के चपेट में आ सकते हैं। इससे वन विभाग के जिम्मेदारों की यहां बड़ी लापरवाही सामने आ रही है।

- बीड़ वन क्षेत्र में मठ की तरफ अचानक किसी कारण से आग लग गई थी, वन विभाग की टीम जब मौके पर पहुंची, तब आग बेकाबू हो चुकी थी

कंजर्वेशन रिजर्व घोषित बीड़ में लगी आग से झुंझुनूं रेंज वन विभाग के जिम्मेदारों की बड़ी लापरवाही भी निकलकर सामने आई है। जिस वन क्षेत्र में आग लगी उस क्षेत्र को काले हिरणों की शरणस्थली के रूप में विकसित कर रखा है। यहां बीकानेर से सैकड़ों की संख्या में हिरणों को लाकर छोड़ा गया था। आग वाली घटना से करीब 500 मीटर दूरी पर ऊंचाई पर वन विभाग की चौकी भी स्थापित है और वहां रात में भी स्टाफ तैनात रहने व पैट्रोलिंग करने की बात कही जाती है, लेकिन घटना के समय जिम्मेदारों की ऐसी कोई तत्परता यहां दिखाई नहीं दी गई, जिसके कारण जब आग की लपटें आक्रामक रूप धारण कर चुकी थी तब जाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बड़ी संख्या में नुकसान हो चुका था।

25 साल से फरार अफीम डोडा-चूरा सप्लायर गिरफ्तार

आरोपी पर पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था

पुलिस व डीएसटी टीम ने अफीम डोडा-चूरा सप्लायर बंशी उर्फ अमरसिंह को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में 25 साल से फरार अफीम डोडा-चूरा सप्लायर बंशी उर्फ अमरसिंह उर्फ मच्छा बंजारा को पुलिस व डीएसटी टीम ने गिरफ्तार किया है। इस आरोपित पर पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि 5 अक्टूबर 2000 को सब इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद ने मुखबिर सूचना पर उदा गुर्जर व रामदेव गुर्जर को 2 किलो 750 ग्राम अफीम व 14 किलो 500 ग्राम डोडा-चूरा के साथ गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में उदा व रामदेव को 10 साल की सजा हो चुकी है।

पुलिस ने बताया कि इनमें से एक आरोपित की मौत हो चुकी है। उदा व रामदेव से पूछताछ में खुलासा हुआ कि उन्हें यह डोडा-चूरा मध्यप्रदेश के नीमच जिले के बोरखेड़ा निवासी बंशी उर्फ अमर सिंह उर्फ मच्छा (60) पुत्र नाथू बंजारा ने सप्लाई किया था। उधर, बंशी के नहीं पकड़े जाने से उसे मफरूर घोषित कर दिया था। पुलिस अधीक्षक ने उक्त फरार आरोपित पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। उधर, 25 साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बंशी उर्फ अमर सिंह को सुभाषनगर पुलिस व डीएसटी टीम ने गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई को थाना प्रभारी गुर्जर के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल सब इंस्पेक्टर डीएसटी महेंद्र कुमार, कांस्टेबल लोकेश कुमार व सतवीर के साथ ही ऋषिकेश और अमृत सिंह के विशेष योगदान से आरोपी पकड़ा गया।

ओवरब्रिज हादसे में छह जनों की मौत मामले में बीकानेर बंद रहा

मुआवजे की मांग को लेकर धरने पर बैठे परिजन, दोपहर बाद बाजार खुले

बीकानेर, (निसं)। देशनोक ओवरब्रिज सड़क हादसे में 6 जनों की मौत के मामले में किसी भी मृतक परिजन को मुआवजा नहीं मिलने के विरोध में सोमवार को बीकानेर मिला-जुला बंद रहा। बंद का असर शहर के मुख्य बाजारों और मुख्य मार्गों पर दोपहर बाद तक देखने को मिला। दोपहर दो बजे बाद दुकानें खुलनी शुरू हो गई। शाम तक बाजार में सामान्य स्थिति हो सकती है।

पिछले महीने देशनोक में सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हुई थी, जिस पर प्रशासन ने मुआवजा देने की घोषणा की थी। इसके बाद भी अब तक कोई मुआवजा नहीं दिया गया। इसके विरोध में पिछले कुछ दिनों से ग्रामीण और मृतकों के परिजनों ने कलेक्ट्रेट के आगे धरना दिया लेकिन प्रशासन ने सकारात्मक कार्रवाई नहीं की। ऐसे में परिजनों ने बीकानेर बंद की घोषणा कर दी। बीकानेर के अलावा नोखा भी पूरी तरह बंद रहा और श्रीकोलायत में भी मुख्य बाजार बंद करवाया गया।

- परिजनों को प्रशासन ने मुआवजा देने की घोषणा की थी, अब तक नहीं मिला मुआवजा

बीकानेर कलेक्ट्रेट में एकत्र हुए ग्रामीणों और मृतकों के परिजनों ने अलग-अलग रुट पर काम शुरू किया। केईएम रोड, कोटगेट, स्टेशन रोड, जस्सूसर गेट, तोलिया भैरुजी गली, जयनारायण व्यास नगर, खतुरिया कॉलोनी सहित कई क्षेत्रों में पहुंची टीमों ने बाजारों को पूरी तरह बंद करवाया। बीकानेर में दुकानदारों की धारणा थी कि 11 बजे तक दुकान खोल लेंगे लेकिन बंद समर्थकों ने टोलियां बनाकर हर समय नजर रखी। ऐसे में व्यापारी दोपहर दो बजे तक दुकान नहीं खोल पाये। इसके बाद सभी दुकान धीरे-धीरे खुलनी शुरू हो गई। इस दौरान कहीं किसी से कोई झड़प नहीं हुई। दुकानदारों ने बहुत सहजता के साथ अपनी दुकानें बंद कर दी। बंद में मिठाई और खाने की दुकानें भी बंद थी लेकिन इन पर ज्यादा जोर नहीं डाला गया। वहीं दवाओं की दुकानों को भी बंद से दूर रखा गया। स्कूल वाहनों को भी किसी ने आते-जाते नहीं रोका। स्कूलों में छुट्टी कराने का दबाव भी नहीं रखा गया।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी फरार

शादी समारोह के दौरान रात में सोती बच्ची को उठा ले गया था

नोखा, (निसं)। यहां एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने रात को पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटना 19 अप्रैल की है।

पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि वह अपने बच्चों के साथ रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में आई थी। रात को वह बच्चों के साथ सो रही थी। रात करीब चार बजे उसकी बेटी के चिल्लाने की आवाज सुनकर वह जाग गई। पीड़िता ने बताया कि एक व्यक्ति सफेद शर्ट और काली पैंट पहने हुए था। उसने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। आरोपी ने उसका मुंह दबाकर उसे गाय के छप्पर में ले गया। वहां उसने दुष्कर्म किया और गला दबाने की कोशिश की। पीड़िता के चिल्लाने पर आरोपी सड़क पर खड़ी गाड़ी में बैठकर फरार हो गया। पीड़िता ने आरोपी की उम्र लगभग 21 वर्ष बताई है। घटनास्थल पर आरोपी के पैरों के निशान मिले हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- पुलिस मामले की जांच में जुटी

एडिशनल एसपी कैलाश सांधु ने बताया कि टेक्निकल व नॉन टेक्निकल तरीकों से हमारी टीम काम कर रही है अभी तक किसी प्रकार की कोई पुख्ता चीज हमें नहीं मिली। टीम लगी है, जल्दी खुलासा किया जाएगा। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। अभी तक किसी प्रकार की कोई गिरफ्तारी नही हुई है। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। अभी तक किसी प्रकार की कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

दस हजार रुपए की रिश्वत लेते हैड कांस्टेबल गिरफ्तार

सवाई माधोपुर, (निसं)। एसीबी की टीम ने दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रवांजना डूंगर थाने के हैड कांस्टेबल रणजीत सिंह को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से रिश्वत की राशि भी बरामद की।

एसीबी के एएसपी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि रवांजना डूंगर थाने के हैड कानिस्टेबल रणजीत सिंह (40) द्वारा परिवादी के खिलाफ थाने में दर्ज परिवाद को रफा-दफा करने की ऐवज में दस हजार रुपए रिश्वत राशि की मांग की गई थी। शिकायत के सत्यापन में 20 अप्रैल को 10 हजार रुपए की रिश्वत राशि मांग करना पाया गया। इस पर आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एसीबी टीम ने जाल बिछाया। 21 अप्रैल को रेलवे स्टेशन रवांजना डूंगर के पास स्थित चाय की थड़ी के सामने रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरप्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से रिश्वत राशि बरामद की गई।

आरोपी हैड कांस्टेबल रणजीत सिंह।

एसीबी के एएसपी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि एसीबी चौकी सवाई माधोपुर को परिवादी से शिकायत प्राप्त हुई कि लगभग 15 दिन पूर्व मेरे व मेरे गांव के व्यक्ति के बीच झगड़ा हो गया था। झगड़े की रिपोर्ट मेरे खिलाफ पुलिस थाना रवांजना डूंगर में दी गई थी। इसकी जानकारी दो-तीन दिन पूर्व रवांजना डूंगर थाने के पुलिसकर्मी रणजीत सिंह द्वारा परिवादी को दी और एससी/एसटी के प्रकरण में न फंसाने और मामले को रफा-दफा करने के बदले परिवादी व उसके साले से दस हजार रुपए की रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। परिवादी की शिकायत पर सवाई माधोपुर के एएसपी सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने आरोपी हैड कांस्टेबल रणजीत सिंह थाना रवांजना डूंगर को परिवादी से दस हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम जांच की जाएगी।

- थाने में दर्ज परिवाद को रफा-दफा करने की एवज में रिश्वत राशि की मांग की गई थी

कार्यालय नगरपालिका टोडाभीम जिला-करौली (राज.)

क्रमांक / नपाटो / 2025-26 / 114 दिनांकः-17.04.2025

निविदा सूचना

पालिका टोडाभीम में कार्य की निविदा NIB CODE- DLB2526A0467 यूबीएन नं. DLB2526WSOB01885, WSOB01887, WSOB01888, WSOB01889, WSOB01890 आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सूचना एवं शर्तें राजस्थान लोक उपागम पोर्टल की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका टोडाभीम

राज.संवाद / सी / 25 / 976

कोटकासिम प्रधान ने कलेक्ट्रेट में मुख्य कार्यकारी अधिकारी की पिटाई की

खैरथल, (निसं)। केंद्रीय पर्यावरण, वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव सोमवार को खैरथल जिला सचिवालय पर आहूत हुई दिशा बैठक में पहुंचे। बैठक खत्म कर मंत्री कलेक्ट्रेट से बाहर भी नहीं निकले थे, कि बैठक से बाहर निकली कोटकासिम प्रधान विनोद कुमारी सांगवान ने कलेक्ट्रेट में मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय यादव की चप्पलों से पिटाई कर दी। अधिकारी व कर्मचारियों ने दौड़कर बचाव किया।

- अधिकारी की पिटाई होते देख अधिकारी व कर्मचारी दौड़े और बचाव किया
- महिला प्रधान की नाराजगी थी कि अधिकारी ने अभद्रता की है

दिशा बैठक में कोटकासिम प्रधान विनोद कुमारी सांगवान ने अधिकारी के रवैये को लेकर नाराजगी जताई तो केंद्रीय मंत्री ने बैठक के बाद अलग से बात करने बात कहकर मामले को शांत कर दिया। बैठक खत्म होने के बाद केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने महिला प्रधान व अधिकारी को बैठाकर पूरे मामले की जानकारी ली। जांच का आश्वासन देकर समझाइश की।

मंत्री व जिला कलेक्टर से वार्ता कर कमरे से बाहर निकले अधिकारी संजय यादव के पीछे-पीछे कमरे से बाहर निकली प्रधान विनोद कुमारी सांगवान ने कलेक्ट्रेट में ही अधिकारी की चप्पलों से पिटाई कर दी। अधिकारी की पिटाई होते देख अधिकारी कर्मचारी दौड़े और बचाव किया। महिला प्रधान की नाराजगी थी कि अधिकारी ने अभद्रता की है। मनमानी कर कर्मचारियों को हटाया है।

फरार इनामी अपराधी चेन्नई से गिरफ्तार

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। चेन्नई में पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत लंबे समय से फरार अपराधी प्रकाश कुमार पुत्र मंगलाराम गिरफ्तार किया। प्रकाश, जो कालुपुरा राजीवनगर, सांचौर, जालोर का निवासी है, अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई में सक्रिय था। उसने अपने काकाई भाई सुरेश कुमार के साथ मिलकर चेन्नई में एमडी सप्लाई का काम शुरू किया था। सुरेश पहले स्टील रेलिंग का व्यवसाय करता था, लेकिन प्रकाश के साथ मिलकर उसने मादक पदार्थों के धंधे में कदम रखा।

मुखबिरी और तकनीकी आसूचना के गहन विश्लेषण के बाद, पुलिस ने चेन्नई में छापा मारकर प्रकाश को गिरफ्तार किया। वह जिले के टॉप 10 अपराधियों में शामिल था और उस पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस टीम ने अथक प्रयासों के बाद उसे पकड़ने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तारी के बाद प्रकाश से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)

E-mail id:- raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504

क्रमांकः- न.पा.रा. / 2025-26 / 239 दिनांकः- 16.04.2025

Notice Inviting Bid

Bid for Annual Work is invited from interested bidders upto 25-04-2025, 03.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in)

NIB Code - DLB2526A0455

UBN Code – (DLB2526GSRC01842), (DLB2526GSRC01844), (DLB2526GSRC01851), (DLB2526SSRC01826), (DLB2526SSRC01830), (DLB2526SSRC01832), (DLB2526SSRC01833), (DLB2526SSRC01834), (DLB2526SSRC01837), (DLB2526SSRC01839), (DLB2526SSRC01841), (DLB2526SSRC01843)

राज.संवाद / सी / 25 / 983 अधिशाषी अधिकारी

ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के उपखंड क्षेत्र आसींद की दड़ावट पंचायत मुख्यालय के केरिया खेड़ा गांव के ग्रामीणजन पुरुष व महिलाएं एकत्रित होकर सोमवार दोपहर उपखंड कार्यालय पर पहुंचे। महिलाएं ज्ञापन देने गीत गाते हुए पहुंची और उपखंड अधिकारी भरत गुर्जर को ज्ञापन दिया गया।

- ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी से दड़ावट पंचायत मुख्यालय पर ही रखे जाने की मांग की

उपखंड अधिकारी को दिये ज्ञापन में बताया कि नई पंचायत का पुनर्गठन किया जा रहा है और हमारे करियाखेड़ा गांव को रामपुरिया (नारड़ा) पंचायत में जोड़ा जा रहा है जो यहां से 3 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। दड़ावट पंचायत मात्र एक किलोमीटर दूरी पर ही है। हमें दड़ावट पंचायत मुख्यालय पर ही रखा जाए। गांव की 70 प्रतिशत आबादी भूमि दड़ावट पंचायत की सीमा पर स्थित है, इसलिए हमें दड़ावट पंचायत में ही रखा जाए नहीं तो हमें आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

आईपीएल मैच पर सट्टे की खाईवाली के मामले में मास्टर माइंड गिरफ्तार

पुलिस ने कोलीवाड़ा उदयपुर के मास्टर माइंड अमित को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की भीमगंज थाना पुलिस ने आईपीएल मैच पर सट्टे की खाईवाली के मामले में मास्टरमाइंड उदयपुर के युवक को गिरफ्तार किया है।

भीमगंज थाना प्रभारी गजेंद्रसिंह राठौड़ के अनुसार, 25 मार्च को थाने के सहायक उप निरीक्षक सीताराम को डीएसटी से अवैध जुआ-सट्टा की सूचना मिली। सूचना पर रात 12.30 बजे पुलिस टीम ने पॉलीटैक्निक कॉलेज के पास तिलकनगर में सुनसान जगह से तीन लोगों को पकड़ा, जो एक स्कूटी पर जुआ -सट्टा चलाते दिखाई दिये। पुलिस ने घेरा डालकर तीनों को पकड़ा। इनमें सेक्टर आठ आरसी व्यास कॉलोनी निवासी योगेश (25) पुत्र देबीलाल धोबी, फ्लेट नंबर 201 मंगलम प्लाजा, भवानी नगर निवासी तरुण (35) पुत्र बाबूलाल समदानी व मूलतयाः बांदनवाड़ा हाल विजयसिंह पथिकनगर निवासी वीरेंद्र सिंह (30) पुत्र भूपेंद्र सिंह राठौड़ शामिल थे। तीनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान योगेश धोबी के पास 11 एंड्रायड मोबाइल फोन, 16 एटीएम कार्ड मिले। इसके साथ ही योगेश के पास 500, 200 और 100-100 के नोट सहित कुल 1 लाख 80 हजार रुपये मिले। वहीं तरुण के पास एक मोबाइल और 22 हजार रुपये, जबकि वीरेंद्र के पास एक मोबाइल और 40 हजार रुपये मिले। तीनों आरोपियों ने पूछताछ में कबूल किया कि वे आईपीएल मैच के सीधे प्रसारण पर सट्टा लगाकर खाईवाली कर रहे हैं। तीनों आरोपियों ने यह भी कबूल किया कि तरुण समदानी ने उदयपुर के अमित माली नामक युवक से मोबाइल पर लाइन ले रखी है। वहीं तरुण समदानी ने वीरेंद्र सिंह को, जबकि वीरेंद्र सिंह ने योगेश को लाइन दे रखी है। क्रिकेट मैच का सौदा भीलवाड़ा में काटा जाता है। लाभ होने पर पैसा अमित को दिया जाता है, जबकि हानि होने पर अमित से पैसे लेते हैं। आरोपियों ने कबूला कि उन्हें लाभांश का दो प्रतिशत कमिशन मिलता है। इस मामले में पुलिस ने कोलीवाड़ा उदयपुर के इस मास्टरमाइंड अमित पुत्र जीवनराम माली को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

सांभर में हुई चोरी की वारदात, चोरों का नहीं लगा सुराग

सांभरझील, (निसं)। यहां सिंघानिया मोहल्ला स्थित गुलाब जी गर्ग की हवेली में किराए के मकान से रहने वाले एक परिवार के यहां लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषणों व नगदी पर चोरों ने हाथ साफ कर लिया। दंपती अपने बेटे से मिलने जयपुर गए हुए थे। सांभर में इतनी बड़ी चोरी का यह पहला मामला बताया जा रहा है। आश्चर्य इस बात का है कि चोरी की घटना का राजफाश तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस नहीं कर पाई है, यद्यपि पुलिस ने मौका मुआयना कर घटना स्थल से कुछ फोटोग्राफ भी उठाए हैं, पुलिस के अनुसार घटना से कुछ संकेत जो प्राप्त हुए हैं उसके अनुसार उम्मीद है कि शीघ्र ही घटना का खुलासा हो जाएगा। पीड़ित विनोद तालु के बेटे संदीप ने सांभर थाने में चोरी की घटना का मामला दर्ज करवाया है।

बताया गया कि चोरों ने मौके पर पेचकस, हथोड़ा और एक थेला वहीं पर छोड़ दिया है, जिसे पुलिस जांच के लिए अपने साथ ले गई है।

हादसे में युवक गंभीर घायल

राजगढ़, (निसं)। कस्बे के मांचाड़ी चौक गेट के समीप घर के बाहर स्कूटी पर बैठे युवक राहुल अग्रवाल को रविवार रात्रि कार चालक ने लापरवाही से टक्कर मार दी।

दुर्घटना के बाद युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना की सूचना पर आसपास के क्षेत्र के लोग मौके पर जमा हो गए। हादसा टलने पर लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेश पोल के बाहर निवासी धर्मेंद्र अग्रवाल ने पुलिस को बताया की उसका भाई राहुल उसकी स्कूटी पर रविवार रात्रि करीब दस बजे बैठा हुआ था।

इस समय अचानक माचाड़ी की ओर से आ रही बोलेरो वाहन के चालक ने तेजी एवं लापरवाही से स्कूटी पर बैठे राहुल को टक्कर मार दी। इससे उसका भाई राहुल दूर जाकर चबूतरे पर गिर गया एवं पास में खड़े एवं बच्चों को भी चोट आई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची एवं सीसीटीवी फुटेज से तथ्य जुटाई। किधर सोमवार प्रातः बोलेरो वाहन मालिक एवंआठ-दस लोगों ने आकर राहुल अग्रवाल के घर में झगड़ा-फसाद के साथ मारपीट पर उतारू हो गए। इन लोगों ने मामले की रिपोर्ट दर्ज नहीं करने एवं जान से मारने की धमकी दी है।

Office of the Executive Engineer, PHED, Distt Rural Div I Bikaner

Email ID - eepheddn1bkn@gmail.com, Contact No. 0151-2941473

No. 47-66 **Notice Inviting Bid : 01-09/2025-26** Date: 09/04/25

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 22.04.2025 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 304.12 Lacs.

UBN No. PHE2526WSRC00614, PHE2526WSRC00616, PHE2526WSRC00617, PHE2526WSRC00621, PHE2526WSRC00622, PHE2526WSRC00624, PHE2526WSRC00625, PHE2526WSRC00626, PHE2526WSRC00627

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(Rajiv Dutta)
Executive Engineer
PHED, Distt (R) Div I Bikaner

DIPR/C/5093/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड धौलपुर

मचकुण्ड चौराहा जी0टी0रोड धौलपुर फोन नं0 05642-220720

क्रमांक-143-150 ई-मेल ee.dho.phed@rajasthan.gov.in दिनांक-11.04.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड के अधीन विभिन्न कार्यों की उपरोक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्न यू.वी.एन. के अनुसार www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.rajwater. gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउन लोड भी किये जा सकतें है।

एन.आई.वी.नं.	PHE2526A0357
यू.वी.एन.	PHE2526WSO800895, PHE2526WSO800896, PHE2526WSO800897
	PHE2526WSO800898, PHE2526WSO800899

(आशाराम मीणा) अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड धौलपुर

DIPR/C/5209/2025

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

No. 105 Date:- 11/04/2025

NOTICE INVITING BID

NIB No 01/2025-26

Bids for MPT, Percolation tank, anicut, pakka checkdam work Project MJSA 2.0 Phase 1 Block - Shri Mahaveerji of estimated value INR 168.73 Lacs [02 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 22-04-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC 2526 A0035.
UBN NO-WSC2526WSRC00046.
UBN NO-WSC 2526WSRC00047.

Superitending Engineer
and Project Manger
WCDC Zila Parishad Karauli

DIPR/C/5290/2025

लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे की मजबूती में पब्लिक सर्वेंट की भूमिका अहम : भजनलाल शर्मा

हरिशचंद्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान मे आयोजित पब्लिक सर्वेंट दिवस 2025 के अवसर पर सोमवार को राजस्थान सम्पर्क पोर्टल सम्मान पुरस्कार के तहत आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया। आयुक्त कृषि को यह सम्मान वर्ष 2024 में राज्य सरकार के संपर्क पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों को ईमानदारी, समयबद्ध एंव प्रभावी रूप से निस्तारण करने के उपलक्ष मे दिया गया है।

- ‘हमारा प्रयास राजस्थान की तस्वीर और तकदीर को बदलना’
- मुख्यमंत्री ने की कर्मयोगी कौशल विकास सप्ताह की शुरूआत
- पब्लिक सर्वेंट को मिला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता व राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पुरस्कार

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाए रखने में पब्लिक सर्वेंट की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत व विकसित राजस्थान के निर्माण के लिए अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को विकास की योजनाओं से लाभान्वित करना बेहद जरूरी है एवं इस कार्य के सफल क्रियान्वयन की जिम्मेदारी लोक सेवकों की है। उन्होंने कहा कि पब्लिक सर्वेंट को सुशासन के लिए कर्तव्यनिष्ठा, दृढ़ इच्छाशक्ति एवं पूर्ण संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए। शर्मा सोमवार को झालाना डूंगरी स्थित हरिशचन्द्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान में पब्लिक सर्वेंट दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति अभाव में जब पब्लिक सर्वेंट के पास आता है, तो पूर्ण जिम्मेदारी से उसकी हरसंभव मदद करनी चाहिए। उन्होंने आमजन को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए पब्लिक सर्वेंट को निरंतर जनसुनवाई करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हमें टीम भावना के रूप में सार्वजनिक हित और लोक-कल्याण के साझा लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने वर्ष 1947 में आज ही के दिन भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को संबोधित किया था। उन्होंने अपने ऐतिहासिक भाषण में पब्लिक सर्वेंट को ‘स्टील फ्रेम’ अर्थात् देश की शासन व्यवस्था की रीढ़ कहा था। उन्होंने कहा कि पब्लिक सर्वेंट का अर्थ निस्वार्थ भाव से जनता की भलाई के लिए कार्य करना है। बिना किसी स्वार्थ के, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करना ही सच्ची पब्लिक सर्वेंट होती है। इसलिए पब्लिक सर्वेंट दिवस मनाने का उद्देश्य पब्लिक सर्वेंट के योगदान को पहचान कर उन्हें सम्मानित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोकहित, त्वरित एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन की संकल्पना हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इस हेतु सेवाओं की सरल, सुगम एवं त्वरित प्रदायगी के लिए नवाचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए एक जिला-एक उत्पाद नीति, नई पर्यटन इकाई नीति, एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, नवीन खनिज नीति जैसी महत्वपूर्ण नीतियां जारी की गई हैं। साथ ही, ग्राम स्तर तक ई-फाइल प्रणाली को लागू कर दिया गया है तथा सभी विभागों में ऑन-लाइन पेपर लेस कार्य हो रहा है।

शर्मा ने कहा कि आमजन के कार्यों के निस्तारण में तेजी आई है। जन अभियोगों का निराकरण सुशासन का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि राजस्थान संपर्क पोर्टल के माध्यम से डेढ़ करोड़ से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। गत एक साल में दर्ज लगभग 33 लाख मामलों में से 99 प्रतिशत से अधिक निस्तारित हो चुके हैं तथा दिसंबर माह में मनाये गये सुशासन सप्ताह में भी राजस्थान का स्थान देश के शीर्ष 3 राज्यों में रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस दौरान प्रदेश में सुशासन के तहत किए गए नवाचारों, उत्कृष्ट कार्यों, संपर्क पोर्टल पर लोक शिकायतों के निस्तारण की विभाग/व्यक्तिगत/जिला श्रेणी में विभिन्न अधिकारियों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार-2025 एवं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पुरस्कार प्रदान किए। इससे पूर्व शर्मा ने रिमोट का बटन दबाकर कर्मयोगी कौशल विकास सप्ताह की शुरूआत की। साथ ही, उन्होंने एच.सी.एम. रीपा परिसर में फोटो गैलरी एवं सिविल सेवा अधिकारी संस्थान के मॉडल का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) अरिजीत बनर्जी सहित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। वहीं सभी जिलों से लोक सेवक वीसी के माध्यम से जुड़े।

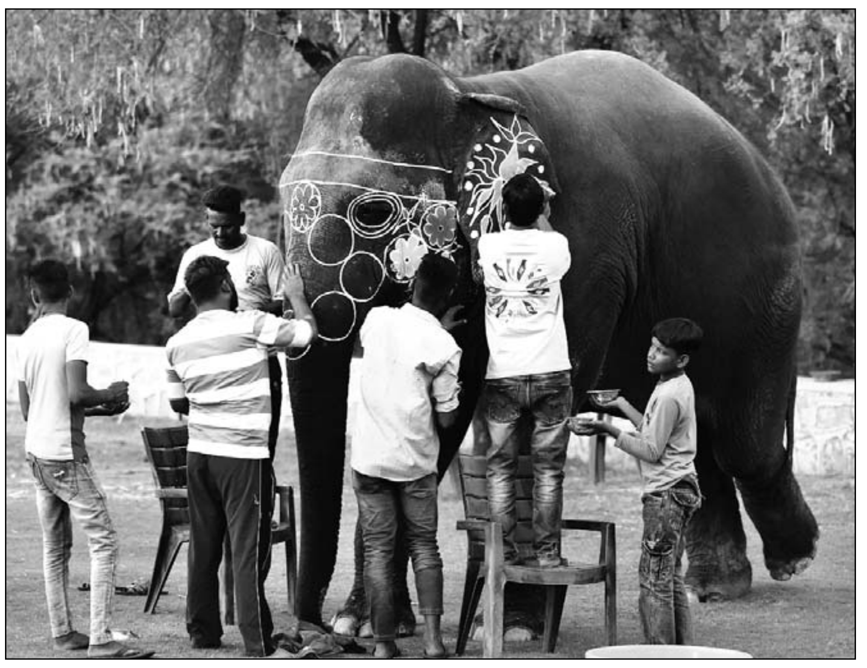

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बैंस की आमेर विजिट के दौरान उनका स्वागत हथिनी पुष्पा व चंपा करेगी। इसके लिए उन दोनों को हाथी गाँव में तैयार किया जा रहा है।

संत धन्ना भगत ने मानव कल्याण के लिए किया कार्य : मुख्यमंत्री

- ‘उनकी रचनाओं से समाज में व्याप्त बुराइयां हुई दूर’
- ‘हमारी सरकार करवाएगी 6 हजार वरिष्ठजन को हवाई मार्ग, 50 हजार को एसी ट्रेन से तीर्थयात्रा’

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि धन्ना भगत का संत परंपरा में विशिष्ट स्थान रहा है। उन्होंने भक्ति मार्ग को अपनाते हुए मानव-मात्र की सेवा की तथा कर्म पर उसी तरह जोर दिया, जैसे भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता में अपने संदेश में दिया है। शर्मा ने कहा कि धन्ना भगत जी ने जात-पात का विरोध किया और अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर किया।

शर्मा सोमवार को जयपुर जिले के फागी में संत धन्ना भगत की जन्म स्थली नोखा-नाड़ी में उनके जयन्ती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संत धन्ना भगत जी ने मानव कल्याण के लिए जो शिक्षाएं दी हैं वे आज भी प्रासंगिक हैं। धन्ना भगत जी ऐसे संत हैं, जिनके प्रति हिंदुओं के साथ-साथ हमारे सिख भाई-बहन भी श्रद्धा रखते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में सनातन का स्वर्णकाल चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सनातनी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जितना काम हुआ है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। पिछले साल ही प्रधानमंत्री के कर कमलों से अयोध्या के भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई और 500 साल का इंतजार पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम वैभव निखरा और उज्जैन में महाकाल के महालोक का निर्माण हुआ। साथ ही, सोमनाथ का विकास हुआ और केदार घाटी का पुनर्निर्माण हुआ।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हम अगले वर्ष 6 हजार वरिष्ठजनों को हवाई मार्ग से यात्रा कराएंगे। इसके अतिरिक्त 50 हजार वरिष्ठजनों को एसी ट्रेन से तीर्थ यात्रा भी करवाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में स्थापित विभिन्न मंदिरों के उन्नयन हेतु 101 करोड़ रुपये तथा देवस्थान विभाग के अधीन राज्य के बाहर स्थित मंदिरों के लिए 60 करोड़ रुपये की लागत से कार्य करवाए जाएंगे। राज्य सरकार ने मंदिरों में भोग की राशि को बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह एवं पुजारियों का मानदेय बढ़ाकर 7 हजार 500 रुपये प्रतिमाह भी किया है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने कहा की संत धन्ना भगत समाज में समानता, सरलता और सच्ची आस्था के प्रतीक थे। उन्होंने गौ सेवा को भी अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया था। डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर हो रहा है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने धन्ना भगत मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, पूर्व मंत्री लालचंद कटारिया, अध्यक्ष धन्ना भगत समिति नारायण डूडी सहित जनप्रतिनिधि, साधु-संत एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

निगम चलाएगा विशेष अभियान, जयपुर को करेंगे अतिक्रमण मुक्त : मनोज मुदगल

नगर निगम जयपुर हैरिटेज में अतिक्रमण निरोधक समिति के चेयरमैन मनोज मुदगल ने सोमवार को अपना कार्यभार संभाला। कार्यालय उद्घाटन मे हैरिटेज महापौर कुसुम यादव कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी।

जयपुर। नगर निगम जयपुर हैरिटेज में अतिक्रमण निरोधक समिति के चेयरमैन मनोज मुदगल ने अपना आज कार्यभार संभाला। कार्यालय उद्घाटन मे हैरिटेज महापौर कुसुम यादव कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी। आज पदभार ग्रहण कार्यक्रम में नगर निगम जयपुर हेरीटेज के विभिन्न समितियां के अध्यक्ष,पार्षदों सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए तथा नवनियुक्त समिति अध्यक्ष मनोज मुदगल को बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर ढोल नगाड़ों के साथ स्थानीय नागरिक कार्यक्रम में पहुंचे तथा नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज मुदगल को माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर अतिक्रमण निरोधक समिति के अध्यक्ष मनोज मुदगल ने कहा कि जयपुर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए निगम चलाएगा विशेष अभियान, जयपुर को करेगा अतिक्रमण मुक्त। चार दिवारी सहित हेरिटेज नगर निगम में अवैध निर्माण एवं अतिक्रमणों की वजह से गलियों एवं मुख्य बाजारों में ट्रैफिक कई जगह बाधित हो रहा है। नगर निगम एनफोर्समेंट विभाग के अधिकारियों के साथ वह शीघ्र एक या दो दिन में मीटिंग करेंगे एवं चार दिवारी मे हो रहे अतिक्रमणों से शीघ्र ही आम जनता को राहत दिलाएंगे। उन्होंने जनता से भी अपील की कि वह अपने भवन निर्माण की स्वीकृति नगर निगम से लेकर ही निर्माण कार्य करवाए जिससे कि उन्हें निगम के निर्माण के नियमों की पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके तथा उन्हें निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की आसपास के पड़ोसी से कोई भी अड़चन न आए। उन्होंने कहा कि वह शीघ्र ही व्यापार संघ के पदाधिकारी के साथ भी मीटिंग करेंगे एवं महापौर सहित सभी का मार्गदर्शन लेकर काम को शीघ्र प्रारंभ करेंगे। आज कार्यालय उद्घाटन कार्यक्रम दोपहर 2 बजे शुरू हुआ जो शाम 6 तक चला जिसमें सैकड़ो नागरिकों ने आज कार्यालय पहुंचकर नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज मुदगल को बधाई प्रेषित की।

‘शिक्षा व्यवसाय नहीं है, पवित्र कार्य है’

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को छत्रपति संभाजी नगर में आयोजित एक समारोह में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और शिक्षण संस्थाओं का सम्मान और अभिनंदन किया।

बागडे ने इस दौरान भारत के प्राचीन तक्षिशला, नालंदा, विक्रम विश्वविद्यालय आदि की चर्चा करते हुए कहा कि शैक्षिक क्षेत्र में आरम्भ से ही भारत विश्व भर में अग्रणी रहा है।

खोह नागोरियान में तीन लोगों की ट्रेन से कटने से मौत

- आर्थिक तंगी के चलते था तनाव में, रोज-रोज के झगड़े से परेशान होकर पहुंचा था पटरियों पर
- परिजन युवक के नशे की आदत से थे परेशान

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की कटने से मौत हो गई थी। सोमवार को पुलिस ने सभी का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों का सौंप दिया। जहां पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया। एक ही परिवार से एक साथ तीन अर्थियां उठने पर इलाके में मातम छाया हुआ था और हर किसी के आंख से आंसू बह रहे थे। स्थानीय लोग इस पूरे घटनाक्रम को लेकर चर्चा करते नजर आए। अब तक की पुलिस जांच में सामने आया कि सुसाइड करने गया 40 वर्षीय सुमित सैन नशा करने का आदी था और वह कैब चलाता था। आर्थिक तंगी के चलते वह अवसाद में था। परिजन उसके नशा करने की आदत से परेशान थे और इसकी बात को लेकर उनमें आए दिन झगड़ा होता रहता था। झगड़े से परेशान होकर ही सुमित घर से निकलकर पटरियों पर जा बैठा। उसके पीछे-पीछे युवक की बेटी निशा और बडा भाई गणेश भी वहां पर पहुंच गए। बेटी और बड़ा भाई उसे समझा ही रहे थे कि ट्रेन आ गई। दोनों ने उसे पटरी से उठाने का प्रयास किया, लेकिन तीनों ट्रेन की चपेट में आ गए।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौत्तम ने बताया कि सुमित नशा करने का आदी था और वह लम्बे समय से आर्थिंक तंगी से जूझ रहा था। नशे की आदत के चलते उसके परिवार में आए दिन झगड़े होते रहते थे। रविवार के हादसे के बाद आज तीनों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है। प्राथमिक रूप से नशा करने और आर्थिक तंगी की ही बात सामने आ रही है।

गौरतलब है कि जय अम्बे नगर में किराये के मकान में रहने वाले सुमित सैन (40) परिवार से झगड़ा कर ट्रेन की पटरी पर बैठ गया। उसने पीछे-पीछे उसकी बेटी निशा (15) और बड़े भाई गणेश (44) भी वहां पर पहुंच गए और उसके समझाने लगे। इसी दौरान ट्रेन आ गई। ट्रेन को देखकर निशान और गणेश उसे पटरियों से हटाने लगे, लेकिन वे उसे हटा नहीं पाए और ट्रेन की चपेट में आ गए। सुमित ने एक रिश्तेदार को वीडियो कॉल किया और घर के झगड़े के बारे में बताया। उसने उसे रेलवे लाइन दिखाई। रिश्तेदार ने लोकेशन पूछी तो सुमित ने फोन काट दिया। इसके बाद रिश्तेदार ने सुमित की बेटी निशा को बताया कि तेरे पापा पटरी पर बैठे हैं। निशा अपने ताऊ गणेश को लेकर रेलवे लाइन जगतपुरा की तरफ भागी। इसी दौरान हरिद्वार मेल ट्रेन आ गई। निशा और गणेश ने सुमित को खींचने का बहुत प्रयास किया।

नेशनल हेराल्ड मामले का सच सामने लाएगी कांग्रेस : कन्हैया कुमार

जयपुर। नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस 25 अप्रैल को होने वाली सुनवाई से पहले पूरे देश में आंदोलन के जरिए यह बताएगी कि इस कार्रवाई से मोदी सरकार आने वाले चुनावों में राजनीतिक फायदा उठाना चाहती है।।

इसी सिलसिले में सोमवार को देश के सभी राज्यों की राजधानियों में कांग्रेस नेताओं ने नेशनल हेराल्ड मामले में अपना पक्ष रखा। जयपुर में एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भाजपा का एक्सटॉर्शन डिपार्टमेंट है जो चुनाव के साथ भी और उसके बाद भी है। कन्हैया कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री जो 18 घंटे काम करने की बात करते हैं, वो बात ईडी के संदर्भ में कही जाती है। कन्हैया कुमार ने कहा कि बीजेपी की ध्यान भटकाओ योजना के तहत ईडी काम कर रही है। भाजपा ने राजनीतिक लड़ाई लड़ने वालों को ईडी के जरिए दो विकल्प दिए हैं, या तो बीजेपी में आ जाओ या फिर जेल जाओ, लेकिन कांग्रेस के नेता इससे डरते नहीं हैं।

कांग्रेस चलाएगी 40 दिवसीय संविधान बचाओ अभियान

- 28 अप्रैल को जयपुर में प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आना प्रस्तावित

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस पूरे देश में संविधान बचाओ अभियान प्रारम्भ करेगी। कांग्रेस 40 दिवसीय संविधान बचाओ अभियान राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में चलाएगी, क्योंकि देशभर में संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग किया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस के निर्देशानुसार प्रदेश में संविधान बचाओ अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत् 24 अप्रैल को प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर अभियान की सफलता हेतु जिम्मेदारी पदाधिकारियों को प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि 28 अप्रैल को जयपुर में प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े द्वारा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करने एवं प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों व मण्डल एवं ब्लॉक तथा जिला स्तर के पदाधिकारियों के साथ संवाद का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि 3 मई से 10 मई तक प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैलियां आयोजित होंगी। उसके पश्चात् 11 से 17 मई तक विधानसभा क्षेत्रों में सामाजिक न्याय और समानता के वादे के साथ जो विश्वासघात भाजपा ने किया है तथा संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग किया जा रहा है।

इंश्योरेंस क्लेम नहीं देने पर बीमा कंपनी पर हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग ने बीमा अवधि में बीमित वाहन चोरी होने पर उसका क्लेम नहीं देना पर बीमा कंपनी इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी पर 2.20 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही आयोग ने 2.50 की बीमा राशि का भुगतान भी ब्याज सहित करने को कहा है। आयोग अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश हनुमान प्रसाद के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। परिवाद में कहा गया कि उसने अपनी कार का विपक्षी बीमा कंपनी से 14 जुलाई, 2016 से 13 जुलाई, 2017 की अवधि के लिए बीमा कराया था।

टुकड़े-टुकड़े गैंग के सरगनाओं में शुमार लोग अब जांच एजेंसियों पर उठा रहे हैं सवाल : गोठवाल

- ‘डोटासरा और कन्हैया कुमार जैसे लोग आज भी एक परिवार की कर रहे हैं खिदमत’

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कांग्रेसी नेताओं द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में सफाई देते हुए प्रेसवार्ता करने पर पटलवार करते हुए कहा कि कितने आश्चर्य की बात है कि टुकडे-टुकड़े गैंग के सरगनाओं में शुमार कन्हैया कुमार अब देश के भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए जांच एजेंसियों पर सवाल उठा रहे हैं। जिस कन्हैया कुमार की राष्ट्र के प्रति निष्ठा, लोकतंत्र और संविधान के प्रति प्रतिबद्धता संदिग्ध हो, वो कन्हैया कुमार अब गांधी नेहरू परिवार की चरण चाटुकारिता के लिए देश की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहे है। डोटासरा, कन्हैया कुमार जैसे लोग बस एक परिवार की खिदमत के अलावा कुछ ओर नहीं कर सकते। डोटासरा और कन्हैया कुमार किस हैसियत से सवाल कर रहे हैं। कन्हैया कुमार की देश के प्रति निष्ठा और भारतीय संविधान के प्रति सम्मान देशवासी जेएनयू के प्रदर्शन में देख चुके है। भारतीय लोकतंत्र, भारतीय सरकार, न्यायपालिका और रक्षा, चुनाव आयोग, जांच एजेंसियों जैसे सभी महत्वपूर्ण अंगों की विश्वसनीयता पर हमला देश कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा, टुकड़े-टुकड़े गैंग के सदस्यों को बेहतर ढंग से समझना चाहिए कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की यात्रा पर निकल पड़ा है। हम भारत के लोग राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है।

गोठवाल ने कहा कि नेशनल हेराल्ड की कंपनी एसोसिएट जनरल लोन नहीं चुका पाई तो कॉर्पोरेट षड्यंत्र करके गांधी परिवार के पास संपत्ति आ जाए इसके लिए यंग इंडिया नाम से एक कंपनी बनाई गई। यंग इंडिया कंपनी समाज सेवा नहीं करती है। यह तो कन्हैया और डोटासरा को पता होना चाहिए। 2008 में नेशनल हेराल्ड का पब्लिकेशन बंद हो गया कांग्रेस ने उसे 90 करोड रुपए दिए। एक राजनीतिक दल किसी प्राइवेट बॉडी को लोन नहीं दे सकती यह स्पष्ट नियमों का उल्लंघन है। 50 लाख रुपए में 90 करोड़ का राइट ऑफ हो जाना और करोड़ों की संपत्ति एक अनजानी सी कंपनी के हाथ चले जाना क्या यह गांधी मॉडल ऑफ डेवलपमेंट है ? इस कंपनी के 76 फीसदी शेयर सोनिया और राहुल गांधी के पास जाते है और 9 करोड़ के इक्विटी शेयर महज 50 लाख में ट्रांसफर कर दिए जाते है, यह बड़ा सवाल है। डोटासरा और कन्हैया कुमार को यंग इंडिया कंपनी के कार्यों पर भी चर्चा करनी चाहिए।

कालाडेरा रीको औद्योगिक क्षेत्र में धधकी प्लाइवुड की फैक्ट्री

जयपुर ग्रामीण जिले के कालाडेरा रीको औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार अल सुबह अचानक प्लाइवुड फैक्ट्री में आग लग गई, जिससे फैक्ट्री में रखी हजारों रुपए की प्लाइवुड व लकड़ी का कचरा राख हो गया।

- हजारों रुपए का लकडी का कचरा व प्लाइवूड खाक
- अग्निशमनकर्मियों ने दो घण्टे की मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के कालाडेरा रीको औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार अल सुबह अचानक प्लाइवुड फैक्ट्री में आग लग गई, जिससे फैक्ट्री में रखी हजारों रुपए की प्लाइवूड व लकडी का कचरा राख हो गया। बाद में आग लगने की सूचना पर मिलने पर चौमूं, कालाडेरा व मण्डा रीको औद्योगिक क्षेत्र से पहुंची चार दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

प्रथमदृष्या आग लगने का कारण शॉट सर्किट माना जा रहा है। चौमूं अग्निशमन अधिकारी जय कुमार जांगिड ने बताया कि सोमवार सुबह औद्योगिक क्षेत्र स्थित खाटूश्याम वूड इण्डस्टीज में रखे लकडी के कचरे में अचानक आग लग गई।

आग ने देखते-देखते हुए विकराल रूप ले लिया। बाद में फैक्ट्री कार्मिकों ने इसकी जानकारी कालाडेरा रीको अग्निशमन केन्द्र में दी। इस पर चौमूं, कालाडेरा व मण्डा रीको औद्योगिक क्षेत्र से पहुंची चार दमकलों ने दो घण्टे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। संभवत: आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेयजल आपूर्ति के लिए बने मलसीसर डैम का निरीक्षण किया

शेखावाटी क्षेत्र को पर्याप्त पानी हमारी प्रमुख प्राथमिकता : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मलसीसर डैम का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

- **सीएम ने शेखावाटी की सांस्कृतिक विरासत पर भी प्रकाश डालते हुए यहां के रणबांकुरों के प्रति श्रद्धा व सम्मान जताया**

झुंझुनूं/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को झुंझुनूं जिले में इंदिरा गांधी नहर परियोजना से पेयजल आपूर्ति के लिए बने मलसीसर डैम का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र को पर्याप्त पेयजल तथा सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए हम प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के संकल्प को साकार करते हुए जनता से किया हर एक वादा पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि हमने सरकार बनते ही सबसे पहले यमुना जल को शेखावाटी में लाने के लिए हरियाणा सरकार से यमुना जल समझौते पर एमओयू किया। इस समझौते की क्रियान्विति सुनिश्चित हो रही है, क्योंकि हमारी सरकार जो कहती है, वह करती है। उन्होंने शेखावाटी की सांस्कृतिक विरासत पर भी प्रकाश डालते हुए यहां के रणबांकुरों के प्रति श्रद्धा व सम्मान जताया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कर्म भूमि से मातृभूमि अभियान के तहत जल संचय संरचना का शिलान्यास व पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम विकास की बात करते हैं। यही कारण है कि अब ना तो चुनाव है, फिर भी तपती गर्मी में आपके बीच आए हैं। बात भी कर रहे हैं। समस्या भी सुन रहे हैं। सीएम ने सभी से अपील की कि वे नकली लोगों से बचकर रहे। जब यमुना का पानी शेखावाटी की धरती पर आएगा, तो ना केवल शेखावाटी, बल्कि राजस्थान और पूरा देश विकसित होगा। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरि, पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार की अगुवाई में स्वागत किया गया। मंच पर झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनियां, भाजपा जिला उपाध्यक्ष इंजीनियर प्यारेलाल ढूकिया, सूरत प्रवासी उद्यमी कैलाश हाकिम, पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़, भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री डॉ. राजेश बाबल, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमेंद्र चारण, पूर्व प्रधान विमला चौधरी, दिनेश राजपुरोहित आदि मौजूद थे। यहां से मुख्यमंत्री मलसीसर में बनाए गए कुंभाराम लिफ्ट कैनाल परियोजना के डेम पहुंचे। जहां पर उन्होंने डैम में स्टोर किए गए पानी और उसके वितरण के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि नहरबंदी और गर्मी के दौरान पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल के आव्हान पर सूरत प्रवासी उद्यमी कैलाश हाकिम और उनकी टीम द्वारा चलाए जा रहे कर्मभूमि से मातृभूमि की ओर अभियान के तहत मलसीसर में एक रिचार्जेबल ट्यूबवैल की पूजा-अर्चना कर उसका कार्य आरंभ किया। जमीन में वापिस पानी पहुंचाने के लिए इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए सीएम ने प्रवासी उद्यमी कैलाश हाकिम और उनके साथ लगे सभी प्रवासियों को इसके लिए बधाई दी।

कॉलोनी के बीच शराब ठेका खोलने का विरोध तेज

भीलवाड़ा शहर के श्याम विहार कॉलोनी के लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया।

- **स्थानीय लोगों ने पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया**
- **अवस्थी ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो व्यापक स्तर पर आंदोलन करेंगे**

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र की श्याम विहार कॉलोनी के बीच शराब ठेका खोलने का विरोध अब आंदोलन का रूप लेने लगा है। स्थानीय लोगों ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के श्याम विहार कॉलोनी में शराब ठेका खोलने को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है, पिछले 15 दिन से चल रहे विरोध के बाद कॉलोनी के सैकड़ों लोगों ने कलेक्ट्री की और कूच करते हुए पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी के नेतृत्व में जिला कलेक्ट्री कार्यालय पहुंचे प्रदर्शन किया।

ज्ञापन में उन्होंने बताया कि श्याम विहार कॉलोनी में पहले से ही दो शराब ठेके चल रहे हैं और एक और ठेका खुलने से क्षेत्र का सामाजिक वातावरण दूषित होगा।

उन्होंने आबकारी विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विभाग इस क्षेत्र को शराब की मंडी बनाना चाहता है, जिसे कॉलोनीवासी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। क्षेत्रवासियों ने दो दिन के भीतर अवैध शराब ठेके को बंद करने की मांग की है। पूर्व विधायक अवस्थी ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो वे व्यापक स्तर पर आंदोलन शुरू करेंगे।

दो भाइयों पर जानलेवा हमला कर अपहरण के मामले में दो आरोपियों को सजा सुनाई

- **दोनों आरोपियों को 5-5 साल के सश्रम कारावास और 9-9 हजार के अर्थदंड से दंडित किया**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला एवं सेशन न्यायाधीश अभय जैन ने दो भाइयों पर लाठियों, सरियों से जानलेवा हमला कर कार में तोड़फोड़ करने व अपहरण कर ले जाने के दो आरोपियों को 5-5 साल के सश्रम कारावास और 9-9 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

लोक अभियोजक रघुनंदन सिंह कानावत ने बताया कि 3 अप्रैल 2015 को एमजी अस्पताल में फागणों का खेड़ा निवासी लादूलाल पुत्र स्व. दीपा गुर्जर ने कोतवाली पुलिस को बयान दिये कि आज सुबह 11 बजे वह और उसकी मौसी का बेटा भोजराज सफारी गाड़ी लेकर भीलवाड़ा रवाना हुये। रास्ते में हरणी महादेव चौराहे पर रुके, जहां भोजराज के बोरिंग वाहन के स्टॉफ का इंतजार कर रहे थे। काफी देर इंतजार के बाद वे भीलवाड़ा की ओर रवाना हो गये। स्विफ्ट कॉलेज, बड़ला चौराहा रोड पर चाय की केबीन पर रूके, जहां परिवादी गाड़ी में बैठा था, जबकि भोजराज चाय पी रहा था। इसी दौरान रतन, भगवान, सांवरा, रामेश्वर व इनके साथ 8-10 अन्य लड़कों ने परिवादी लादूलाल पर टामी, सरियों से मारपीट शुरु कर दी। सांवरमल व रामेश्वर ने टामी से हमला किया। गाड़ी पर भी सरिये व लाठियां मारी, जिससे गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। परिवादी लादू व उसके भाई भोजराज को गाड़ी में किडनैप पर आरोपित सुवाणा की ओर ले गये, जहां रास्ते में भी परिवादी से मारपीट की गई। ये आरोपित कह रहे थे कि रास्ते में ईरांस में इसे कुएं में डाल दो। ईरांस क्षेत्र में गाड़ी बंद होने पर वह चिल्लाया तो आरोपितों ने उस पर पत्थर मारे। गांव वालों के आ-जाने से आरोपित भाग छूटे।

लादूलाल ने बयान में बताया कि रतन लाल गुर्जर करीब 5-6 साल पहले दूसरी जाति की औरत को नाते ले आया था। इस पर गांव वालों व समाजजनों ने उसको सामाजिक कार्य बंद कर दिये। इसी रंजिश के चलते लादूलाल गुर्जर भी परिवादी के खिलाफ है। वह, परिवादी से रंजिश रखे हुये था। इसी रंजिश के चलते आज मौका पाकर परिवादी व उसके भाई भोजराज पर हमला कर परिवादी के दोनों पैर तोड़ दिये। कोतवाली पुलिस ने इस रिपोर्ट पर अपहरण व गंभीर मारपीट के आरोपों में केस दर्ज कर अनुसंधान के बाद आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट पेश की। जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने इस मामले में सुनवाई के बाद फैसला सुनाया। न्यायाधीश ने इस मामले में आरोपित बस स्टैंड के पास, पुर निवासी रामेशवर उर्फ रमेश पुत्र काना गुर्जर व सांवरलाल पुत्र नारायण गुर्जर निवासी फागणों का खेड़ा 5-5 साल के सश्रम कारावास और 9-9 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

नशे में मिले युवक ने हॉस्पिटल में हंगामा किया

पाली, (नि.सं.)। पाली में नशे में मिले एक युवक को पुलिस रविवार रात को पुलिस हॉस्पिटल लेकर पहुंची, जहां ट्रोमा वार्ड में उसने हंगामा खड़ा कर दिया। इससे दूसरे मरीजों को परेशानी हुई। ऐसे में बिना मेडिकल करवाए पुलिस को उसे वापस ले जाने पड़ा। बाद में करीब आधे घंटे बाद पुलिस उसे लेकर फिर से हॉस्पिटल पहुंची जहां युवक ने शांति से अपना मेडिकल करवाया। पाली शहर के बजरंगबाड़ी निवासी 21 वर्षीय जगदीश रविवार रात को रामासिया गांव में रहने वाले अपने मामा के यहां गया। वहां उसने शराब पार्टी की। इस दौरान अपने मामा से प्रोपर्टी की बात को लेकर वह झगड़ा करने लगा। सूचना पर सदर थाने से तेजाराम व मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। जगदीश को शांति भंग नहीं करने के लिए समझाया लेकिन वह विवाद करता रहा। ऐसे में पुलिस ने उसे पकड़ा और मेडिकल करवाने के लिए रविवार रात को ही पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंची।

पीबीएम जनाना अस्पताल के लेबर रूम में महिला से बदसलूकी का आरोप

- **पीड़िता ने मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल तक से शिकायत की, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई**

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम जनाना अस्पताल के लेबर रूम में महिला के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। इसे लेकर पीड़िता ने मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल तक से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

मुरलीधर व्यास कॉलोनी निवासी भरत पारीक की पत्नी स्वाति जोशी को गायनी प्रॉब्लम होने पर जनाना अस्पताल लाया गया था। लेबर रूम में बेड खाली नहीं था। एक बेड पर दो-दो प्रसूताओं को लिटा रखा था। ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ ने कहा कि बेड खाली नहीं है। किसी प्रसूता के साथ बेड शेयर कर लें। जोशी ने इस पर आपत्ति करते हुए कहा कि इससे तो संक्रमण का खतरा बढ़ जाएगा। जोशी की ननद लक्ष्मी पारीक भी साथ थी। वे बेड की व्यवस्था को लेकर अड़ गईं। इस बात पर लेबर रूम में हंगामा हो गया।

लक्ष्मी ने बताया कि स्टाफ ने पशुओं जैसा बर्ताव किया। अनपढ़, गवार कहकर लेबर रूम से बाहर निकाल दिया। वहां सो रही महिलाओं को लात मार कर उठा दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि यहां का स्टाफ सभी के साथ ऐसा ही बर्ताव करता है। लक्ष्मी ने डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की शिकायत पीबीएम अधीक्षक से की तो पता चला कि वे बीमार हैं और छुट्टी पर हैं। उसके बाद लक्ष्मी मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल से मिली। विधायक जेठानंद को भी फोन किया। लक्ष्मी ने बताया कि इस मामले में केवल आश्वासन ही दिया गया। दोषी स्टाफ के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई। लक्ष्मी ने बताया कि पीबीएम अस्पताल में भारी अव्यवस्थाएं हैं। मरीजों की कोई सुनवाई नहीं है। रात के समय डॉक्टर बाहर की दवाएं लिखते हैं। हमें भी इंजेक्शन लाने के लिए पर्ची दी, जो वहां के डीडीसी पर उपलब्ध नहीं था। डॉक्टर ने कहा कि बाहर से लाना होगा। मजबूरी में पैसा खर्च कर लेकर आए।

वहीं पीबीएम बच्चा अस्पताल में पिछले दिनों देर रात 15 बच्चों की इमरजेंसी बताकर इलेक्ट्रोलाइट जांच बाहर निजी लैब से कराई गई थी, जबकि यह जांच पीबीएम में निशुल्क होती है। रात के समय किसी तरह की इमरजेंसी नहीं थी। मरीज के परिजनों से प्रति जांच 500-500 रुपए भी लिए गए। मामला उजागर होने के पर एक दोषी स्टाफ के विरुद्ध कार्रवाई की गई। मरीजों को उनके पैसे भी वापस लौटाए गए। सीएमएचओ ने श्रीबालाजी लैब को सीज कर दिया है। यह लैब अस्पताल रोड पर ही एक चाय रेस्टोरेंट वाला अवैध रूप से चला रहा था। लैब क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत रजिस्टर्ड नहीं है। जनाना अस्पताल के लेबर रूम में दोपहर दो बजे के बाद सोनोग्राफी की कोई व्यवस्था नहीं है। प्रसव पीड़ित महिलाओं को इमरजेंसी में सोनोग्राफी के लिए भेजा जाता है तो उन्हें स्ट्रेचर तक नसीब नहीं होता। करीब 400 मीटर दूर 22 नंबर कक्ष तक पैदल चलकर जाना पड़ता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की सुविधाओं को लेकर बड़ी-बड़ी बातें और घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन जमीनी सच देखने कोई नहीं आता। हाल ही में चिकित्सा शिक्षा सचिव ने जांचों का समय बढ़ाने की हिदायत दी तो केवल ब्लड जांच और बच्चा अस्पताल में एक्स-रे की जांच का समय बढ़ा दिया। जनाना अस्पताल में सोनोग्राफी की तरफ किसी का ध्यान नहीं गया।

सूरतगढ़ थर्मल कॉलोनी में खेजड़ी के सैंकड़ों पेड़ों की कटाई

- **सामाजिक संगठनों ने विरोध दर्ज कराते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां सूरतगढ़ थर्मल कॉलोनी में हाल ही में खेजड़ी के कई हरे-भरे पेड़ों को काटने का मामला सामने आया है। राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्रों में जीवनदायिनी मानी जाने वाली खेजड़ी न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि इसका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी है। ऐसे में इन पेड़ों की कटाई ने आमजन, पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों को चिंतित कर दिया है। साथ ही इससे लोगों में नाराजगी भी है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, कॉलोनी के कुछ हिस्सों में विकास कार्यो के नाम पर खेजड़ी के दर्जनों पेड़ों को बिना किसी ठोस वैधानिक अनुमति के काट दिया गया। यह न केवल वन संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन माना जा रहा है, बल्कि इससे क्षेत्र की पारिस्थितिक संतुलन को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। राज्य सरकार और वन विभाग द्वारा बार-बार यह कहा गया है कि खेजड़ी जैसे संवेदनशील वृक्षों की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध है, फिर भी इस तरह की घटनाएं सामने आना दर्शाता है कि जमीनी स्तर पर पर्यावरण संरक्षण को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर क्षेत्रीय सामाजिक संगठनों ने विरोध दर्ज कराते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही यह भी कहा गया है कि जो भी अधिकारी या ठेकेदार इस अवैध कटाई में शामिल पाए जाये, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाये। पर्यावरण प्राणियों ने बताया कि यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो सूरतगढ़ जैसे अर्द्ध मरुस्थलीय क्षेत्र में पर्यावरणीय असंतुलन और हरियाली की कमी का संकट और गहराता जाएगा।

बुजुर्ग की लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित अरिहंत हॉस्पिटल के नजदीक एक मंदिर के पीछे सोमवार को अज्ञात बुजुर्ग की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि सोमवार को अरिहंत हॉस्पिटल के नजदीक स्थित हनुमान मंदिर के पीछे शेड के नीचे एक बुजुर्ग को मृत देखकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और बुजुर्ग को एमजी अस्पताल लेकर आई, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवा दिया।

रेलवे महाप्रबंधक ने अजमेर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

अजमेर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल में चल रहे रेलवे के विकास कार्यों का निरीक्षण के लिए सोमवार को उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ अजमेर मंडल के दौरे पर रहे। महाप्रबंधक ने अजमेर रेलवे स्टेशन के साथ विभागों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को जांचा और अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए। दक्षिण विधायक अनीता भदेल से मुलाकात कर रेलवे से संबंधित मुद्दों पर चर्चा भी की।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने बताया कि अजमेर मंडल में अमृत योजना के तहत विकास कार्य चल रहा है। कार्य लगभग अंतिम चरणों में है। बिल्डिंग से संबंधित काम कंप्लीट हो चुके हैं। ब्रिज और फुटवर पर काम चल रहा है, लिफ्ट और नहीं लगाई जाएगी। महाप्रबंधक ने ब्यावर, सोजत रोड, मारवाड़ जंक्शन, रानी और फालना स्टेशन पर अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों को भी देखा और कार्य में तेजी लाने के लिए दिशा निर्देश दिए।

महाप्रबंधक अमिताभ ने कहा कि जिन भी रेलवे प्लेटफार्म पर 4 से अधिक गाड़ियां आती हैं, उन सब पर यूनीफॉमली कोच गाइडेंस सिस्टम लगाए जा रहे हैं, जिससे यात्रियों को यह चिन्हित करने में दिक्कत नहीं हो कि उनका डब्बा कहां पर आ कर रुकेगा, इसी तरह के अन्य काम अजमेर मंडल में करवाए जा रहे है। महाप्रबंध ने बताया कि अजमेर मंडल में बहुत सारे पुराने ब्रिज हैं, जिनमें से 45 ब्रिज को रिप्लेस कर दिया है, बाकी बचे ब्रिज को भी जल्द ही रिप्लेस कर दिया जाएगा, जिससे हैवी लोडेड ट्रेन फुल स्पीड में निकल सके।

प्रेम विवाह कर साथ रह रहे जोड़े से मारपीट की

- **युवती का अपहरण कर ले गये परिजन, युवक ने मामला दर्ज कराया**

पावटा, (निसं)। प्रेम विवाह कर तीन महीने से साथ रह रहे प्रेमी के साथ लड़की के परिजनों ने मारपीट कर दी। इसके बाद युवती का अपहरण कर ले गये, जिस पर युवक ने प्रागपुरा थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाया।

युवक ने बताया कि मैने 17 जनवरी 2025 को युवती से कोर्ट मैरिज की थी तब से हम दोनों भूमिका प्लाजा पावटा में किराए पर रहते है। वहीं 18 अप्रैल शुक्रवार को दोपहर करीब 1.30 बजे युवती के चाचा व जीजा बोलेरा गाड़ी लेकर आए उनके साथ 5-6 लोग और थे जिन्होंने हमारे साथ मारपीट की व मकान के गेट तोड़कर युवती यानि मेरी पत्नी का अपहरण कर ले गए। जिस पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच मौका मुवायना किया। पुलिस ने युवक मामला दर्ज करवाने पर युवती के चाचा व जीजा सहित अन्य व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने युवक की शिकायत पर मारपीट करने व अपहरण करने का केस दर्ज कर लिया।

प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने बताया कि युवती जिला अलवर विजय मंदिर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। इसकी उम्र 20 साल है। युवती अलवर में पढ़ती थी। वही युवक भी जिला अलवर का रहने वाला है युवक की उम्र 40 साल है। इनका आपस में पारिवारिक संबंध भी थे। जिस पर युवक युवती को लेकर फरार हो गया। जिसकी अलवर में एमपीआर दर्ज है। जिस पर पुलिस ने इनको मुंबई से दस्तयाब किया। लेकिन इन्होंने कोर्ट मैरिज कर ली। वहीं युवती ने युवक के साथ ही रहने की बात कही। उसके बाद ये मुंबई से पावटा भूमिका प्लाजा में किराए पर रहने लगे। वहीं इसकी जानकारी परिजनों को हो गई। जिस पर वो आकर युवती को अपने साथ ले गए।

वहीं परिजनों द्वारा युवती को ले जाने को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने युवक की शिकायत पर युवती के चाचा व जीजा सहित अन्य पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। वहीं पीड़ित युवक ने प्रागपुरा थाना पुलिस से अपनी पत्नी को वापस अपने पास लाने की गुहार लगाई है।

शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर क्रमिक अनशन धरने पर किसान केसरी संघ के बैनर तले चारमील दौलतपुरा के किसान शांतिपूर्ण तरीके से नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर पहुंचे और शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में प्रदर्शन किया। वहीं शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग का ज्ञापन राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी को दिया।

चारमील दौलतपुरा के किसान के किसान केसरी संघ के बैनर तले जिलाध्यक्ष सूर्य प्रकाश ओझा, उपाध्यक्ष रज्जाक मोहम्मद, भंवर माली, सांवरलाल वैष्णव, सांवरा खारोल, महावीर कुमावत, छोटू कुमावत, गणपत बैरवा, सोहन कुमावत, प्रहलाद लोहार, पुष्पेंद्र खटीक, हीरा कुमावत, भैरू गाडरी, राधेश्याम सहित कई सदस्य क्रमिक अनशन धरने पर बैठे। धरने को किसान केसरी संघ के जिला अध्यक्ष सूर्य प्रकाश ओझा, उपाध्यक्ष रज्जाक मोहम्मद, महावीर कुमावत, सांवरलाल, भंवर माली, रामप्रसाद जाट, महासचिव कमलेश मुंडेतिया, सदस्य सुरेश चन्द्र घूसर, रामप्रसाद सेन ने संबोधित करते हुए सरकार से शाहपुरा जिले की बहाली की मांग की।

आने वाले दिनों में अजमेर राज्य के बड़े शहरों की कतार में आगे खड़ा दिखेगा : देवनानी

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ किया।

- **अजमेर की जल व्यवस्था सुदृढ़ होगी, 270 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति जारी : देवनानी**

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि हम अजमेर को सुविकसित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। अजमेर उत्तर क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए नसीराबाद से नौसर पाइप लाइन तथा तीन सर्विस रिजर्वायर बनाने के लिए 270 करोड़ रूपए की महत्वपूर्ण परियोजना की वित्तीय स्वीकृति जारी हुई है। जल्द ही इस पर काम शुरू होगा। इसके साथ ही अजमेर को शिक्षा, रोजगार, पर्यटन, खेल, सड़क और बिजली आदि के क्षेत्र में विकसित बनाने पर भी सैकड़ों करोड़ रूपए खर्च होंगे। इसके लिए योजनाबद्ध और समयबद्ध रूप से काम किया जा रहा है। आने वाले दिनों में अजमेर राज्य के बड़े शहरों की कतार में आगे खड़ा दिखेगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को वार्ड 66 के सामुदायिक भवन, पार्क नंबर 2 में आयोजित समारोह में क्षेत्र में पूर्ण हुए विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ किया। उन्होंने वाचनालय, सीसी सड़कों, नालियों, झूलों और कुओं पर लोहे के जालकार्यों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर हरी नगर और दाता नगर स्थित पुराने कुओं पर सुरक्षा हेतु लगाए गए लोहे के जालका लोकार्पण किया। पार्क नंबर 2 सहित अन्य पार्कों में बच्चों के झूलों के पुनर्निर्माण कार्य को भी जनता को समर्पित किया गया। राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 20 लाख रुपए की लागत से सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के पास डामर सड़क निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर में लंबे समय से पेयजल की समस्या रही है। हमने सरकार में आते ही इसके समाधान के लिए काम किया। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पेयजल व्यवस्था के लिए नसीराबाद से नौसर तक पेयजल लाइन तथा कोटड़ा, पृथ्वीराज नगर एवं लोहागल में तीन सर्विस रिजर्वायर बनाने के लिए 270 करोड़ रूपए की घोषणा की। इस बजट घोषणा पर वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। जल्द ही इस परियोजना पर काम होगा। उन्होंने कहा कि हम विकसित और सुव्यवस्थित अजमेर बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलालशर्मा ने बजट में अजमेर को कई सौगातें दी हैं। उन्होंने कहा कि जेएलएन मेडिकल कॉलेज अस्पतालके भवन का 50 करोड़ रूपए की लागत से जीर्णोद्धार तथा उन्नयन कार्य, हाथीभाटा में 132 केवी जीएसएस की स्थापना, अजमेर संभाग मुख्यालय पर अल्ट्रा एडवांस बर्न केयर सेन्टर, जिला अस्पताल में डेडीकेटेड गेरियाट्रिक सेन्टर रामाश्रय का उन्नयन किया जाएगा। साथ ही गंगा भैरव घाटी काजीपुरा में लेपर्ड कंजर्वेशन की स्थापना तथा अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की नॉन पेचेबल सड़कों के कार्य के लिए 10 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस अवसर पर उप महापौर नीरज जैन ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मंडलअध्यक्ष रचित कच्छावा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इस पर गौर करने की जरूरत है कि क्या वह सही तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं तथा उन्होंने अगले साल होने वाले आईपीएल के लिए 11 खिलाड़ी तैयार करने की योजना को ध्यान में रखते हुए अपने साथियों से थोड़ा आत्ममंथन करने का आग्रह किया। **– महेन्द्र सिंह धोनी**

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान, 11 खिलाड़ी तैयार करने की योजना पर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी — **नीरज चोपड़ा**

भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा के नाम वाला जैवलिन थ्रो इवेंट पहले पंचकूला में होना था लेकिन अब नीरज ने खुद बताया कि इसे बेंगलुरु ट्रांसफर कर दिया गया है। अब जैवलिन थ्रो ये इवेंट पंचकूला की जगह बेंगलुरु के श्री कांतीरवा आउटडोर स्टेडियम में होगा। वर्ल्ड एथलेटिक्स के कैलेंडर में इस बदलाव की पुष्टि कर दी है।एक बड़ा सवाल ये है कि भारत में होने वाले इस जैवलिन थ्रो इवेंट में शामिल होने के लिए पेरिस ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम भारत आएंगे या नहीं। इसको लेकर नीरज चोपड़ा ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जवाब दिया है।

क्या आप जानते हैं ?... 31 जनवरी 2025 तक,भारत ने 1058 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 559 मैच जीते और 445 हारे; 10 मैच टाई रहे और 44 मैचों का कोई नतीजा नहीं निकला।

गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 39 रनों से हराया

कोलकाता, 21 अप्रैल। शुभमन गिल (90), साई सुदर्शन (52) और जॉस बटलर (नाबाद 41) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत गुजराज टाइटंस ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 39वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 39 रनों से हराया।

199 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने रहमानउल्लाह गुरबाज (एक) का विकेट गवां दिया। उन्हें मोहम्मद सिराज ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पारी संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान सुनील नारायण (17) को राशिद खान ने आउट कर पवेलियन भेज दिया।

वेंकटेश अय्यर (14) को साई किशोर ने आउट किया। कोलकाता का चौथा विकेट अजिंक्य रहाणे के रूप में गिरा। रहाणे ने 36 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (50) रनों की पारी खेली। 16वें ओवर में आंद्र रसल (21) को राशिद खान ने आउटकर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने रमनदीप सिंह (एक) और मोइन अली (शून्य) को अपना शिकार बना लिया। 20वें ओवर की पहली गेंद पर इशांत शर्मा ने रिंकू सिंह (17) को आउटकर गुजरात के आठवां विकेट झटका। कोलकाता नाइट राइडर्स निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 159 रन ही बना सकी और 39 रनों से मुकाबला हार गई। अंगकृष रघुवंशी 13 गेंदों में 27 रन बनाकर और हर्षित राणा (एक) रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात टाइटंस की ओर से राशिद खान और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिये। मोहम्मद सिराज, साई किशोर, इशांत शर्मा और वॉशिंगटन सुंदर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी साई सुदर्शन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 114 रन जोड़े। 13वें ओवर में आंद्रे रसल ने साई सुदर्शन को आउटकर कोलकाता नाइट राइडर्स को पहली सफलता दिलाई। साई सुदर्शन ने 36 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए (52) रन बनाये। गुजरात टाइटंस का दूसरा विकेट 18वें ओवर में कप्तान शुभमन गिल के रूप में गिरा। उन्हें वैभव अरोड़ा ने आउट किया।

शुभमन गिल ने 55 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (90) रनों की पारी खेली। 19वें ओवर में हर्षित राणा ने राहुल तेवतिया (शून्य) को अपना शिकार बनाया। गुजरात टाइटंस ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 198 रनों का स्कोर खड़ा किया। जॉस बटलर ने 23 गेंदों में (नाबाद 41) रन बनाये। शाहरुख खान (11) रन बनाकर नाबाद रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से आंद्रे रसल, हर्षित राणा और वैभव अरोड़ा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया

उद्घाटन मैच में सिग्नेचर क्रिकेट एकेडमी ने नारायणा को हराया

जयपुर, 21 अप्रैल। 17वी राज्य स्तरीय नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में सिग्नेचर क्रिकेट एकेडमी ने उद्घाटन मैच में नारायणा क्रिकेट एकेडमी को 5 विकेट से हराया। टॉस जीतकर नारायणा एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विकास 49, नवीन पूरी 48, शशांक 17 रनों के सहयोग से 47 ओवर में 192 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सिगनेचर एकेडमी की ओर से देव नारायण यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लिए। कार्तिक ओर विकास 2-2 विकेट और गौरव तोड़ावत ने 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सिग्नेचर एकेडमी ने गौरव तोड़ावत 65 ,विशाल सिंगोदिया 38, आशु 31 के सहयोग से 23 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाकर जीत दर्ज की। नारायणा की ओर से गेंदबाजी करते हुए रोहित चौधरी , आबिद ने 2-2 विकेट लिए ओर नवीन पूरी ने 1 विकेट लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन आर. सी. ए. के पूर्व उपाध्यक्ष श्री मोहम्मद इकबाल ने किया । मैच के मैन ऑफ़ द मैच गौरव तोड़ावत रहे।

बीमारी के कारण सात्विक और चिराग सुदीरमन कप में नहीं लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। बीमारी के कारण सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय युगल जोड़ी चीन के जियामेन में 27 अप्रैल से चार मई तक चलने वाले सुदीरमन कप में हिस्सा नहीं लेगी। इस सप्ताह की शुरुआत में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने सुदीरमन कप के लिए 14 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की थी। इसमें सात्विक-चिराग की जोड़ी शामिल थी। विश्व की सातवीं पुरुष युगल भारतीय जोड़ी बीमारी के कारण टूर्नामेंट से हट गई है। इस जोड़ी की जगह हरिहरन अंसकारुनन और रुबन कुमार रथिनासबापति अब पुरुष युगल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सात्विक ने इस महीने की शुरुआत में एशिया चैंपियनशिप में भी पीठ की चोट के कारण नहीं खेले थे।

ईस्ट बंगाल को हराकर केरला ब्लास्टर्स कलिंगा सुपरकप के क्वार्टरफाइनल में

भुवनेश्वर, 21 अप्रैल। केरला ब्लास्टर्स एफसी ने गत चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी को 2-0 से हराकर कलिंगा सुपर कप 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। कलिंगा स्टेडियम में रविवार रात खेले गये राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स ने स्पेनिश स्ट्राइकर जीसस जिमेनेज के गोल से 1-0 की बढ़त बनाई। इसके बाद मोरक्को के नोआ वली सदाउई ने 64वें मिनट में गोलकर स्कोर 2-0 कर दिया।

मध्य क्षेत्र अंडर-14 राजसिंह डूंगरपुर ट्रॉफी

राजस्थान के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी कर पहली पारी में बढ़त दिलाई

जयपुर 21 अप्रैल ,देहरादून में खेली जा रही मध्य क्षेत्र अंडर 14 राज सिंह डूंगरपुर ट्रॉफी के राजस्थान विधर्भ मैच के दूसरे व अंतिम दिन राजस्थान के गेंदबाज हिमांशु , कृष्णा , सचिन व अनमोल ने शानदार गेंदबाजी कर टीम को पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। राजस्थान पहली पारी 178 आल आउट।

पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम कौस्तुभ धनकड़ के शानदार अर्धशतक के सहायता से अपनी पहली पारी में 178 रनो का स्कोर बनाया, टीम के लिए कौस्तुभ धाकड़ 73, सचिन मीणा 30, रियान सेबैस्टियन 29 व खुषवर्धन 20 रनो का योगदान दिया। विधर्भ के गेंदबाज मानव वोकडे38 / 5 विकेट प्राप्त किये।विधर्भ पहली पारी 166 आल आउट। राजस्थान के गेंदबाज हिमांशु 12/4, कृष्णा 16/3, सचिन 18/2 व अनमोल 54/1 विकेट प्राप्त करते हुए राजस्थान को पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई।राजस्थान दूसरी पारी, 126 / 3 घोषित।

आज मैच के दूसरे व अंतिम दिन राजस्थान ने अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 126 रन बनाते हुए पारी घोषित कर दी। टीम के लिए खुषवर्धन 36, वशिष्ठ शर्मा नाबाद 28, रियान सेबेस्टियन 24 व अनमोल नाबाद 17 रनो का योगदान दिया।

आवेश सहित शार्दुल, जीतेश, भरत को नहीं मिली बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में जगह

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है। इस लिस्ट में कई खिलाड़ियों को जगह मिली है। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की वापसी हुई है वहीं ऋषभ पंत का प्रमोशन हुआ है।

2024-25 सीजन की लिस्ट में हर्षित राणा, अभिषेक शर्मा से लेकर नितीश रेड्डी को भी इस कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया गया है। लेकिन कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं जिनका बीसीसीआई ने प्रमोशन की जगह डिमोशन किया है।तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने दिसंबर 2023 के बाद भारत के लिए कोई क्रिकेट मैच नहीं खेला है। पिछले सीजन उन्हें ग्रेड सी में रखा गया था, लेकिन इस बार उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिल पाया है। इस बीच 2 विकेटकीपरों की भी लिस्ट से छुट्टी हुई है।

जितेश शर्मा और केएस भरत ग्रेड सी में अपनी जगह नहीं बना पाए। तो तेज गेंदबाज आवेश खान को आखिरी बार नवंबर 2024 में भारत के लिए कोई क्रिकेट मैच खेलते देखा गया था। उन्होंने अब तक अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में 33 मैच खेलकर 35 विकेट अपने नाम किए हैं। लेकिन उन्हें भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर कर दिया गया है। आवेश खान, शार्दुल ठाकुर, जीतेश शर्मा, केएस भरत।

ग्रेड सी में शामिल होते हैं 19 खिलाड़ी- बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट की ग्रेड सी में कुल 19 खिलाड़ियों को जगह दी गई है। चूंकि, आवेश खान, जीतेश शर्मा, केएस भरत और शार्दुल ठाकुर को सूची से बाहर रखा गया है इसलिए उनकी जगह चार नए खिलाड़ियों को ग्रेस सी में वापसी लाया गया है। इन चार नए खिलाड़ियों में हर्षित राणा, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी और वरुण चक्रवर्ती है। ग्रेड सी में शामिल खिलाड़ियों को सालाना बोर्ड की तरफ से 1 करोड़ रुपये की सैलरी मिलती है। वहीं ग्रेड-ए प्लस में कोई बदलाव नहीं हुआ है जिसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा शामिल हैं।

जिंक फुटबाल अकादमी ने जयपुर एलीट फुटबाल क्लब को 1-0 से शिकस्त दी

जयपुर, 21 अप्रैल। जयपुर इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट ग्राउंड गाड़ोता और रॉयल फुटबॉल क्लब ग्राउंड व जावर उदयपुर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के दिन 5 मैच खेले गए ! लीग के 110 मैचों में से आज तक 35 मैच खेले जा चुके है।

आज रॉयल फुटबाल क्लब के मैदान में खेले गए मैच

प्रथम मैच :- सनराइज फुटबाल क्लब और जयपुर राइजिंग फुटबाल क्लब के बीच खेला गया टीम सनराइज के गौरव ने 47 वे मिनट मेंअपनी टीम पर आत्मघाती गोल हुआ जयपुर राइजिंग क्लब ने मैच 1/0 से जीता।

दूसरा मैच रीयल फुटबॉल क्लब और सिटी वाल्स फुटबाल क्लब के बीच खेला गया रोमांच भरे मैच में पहला हॉफ में 1/1 बराबरी पर रहा दूसरे हॉफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल खेला मैच 2/1 से सिटी वाल्स ने जीत प्राप्त की। सिटी वाल्स के दीपक ने 36मिनट ओर आमोद 56मिनट में गोल किए रियल क्लब के पीड़िपता ने 39 वे मिनट में गोल किया !

तीसरा मैच :- रॉयल फुटबाल क्लब और जेरथी फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच 3/0 से रॉयल फुटबाल क्लब विजई रहा रॉयल की तरफ से नीतीश ने 19 मिनट में दूसरा गोल मरीनल 79 मिनट में ओर तीसरा गोल मयंक राज सिंह 92 मिनट में किए। आज ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड गाड़ोता के मैदान में खेले गए मैच

चौथा मैच : में ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और राइजिंग राजस्थान फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच में ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबाल क्लब ने मैच में 2/0 से जीता।

साहिल और विनायक ने गोल किए। आज जिंक फुटबाल अकादमी ग्राउंड जावर स्टेडियम उदयपुर के मैदान में खेले गया मैच

पांचवा मैच : जिंक फुटबाल अकादमी और जयपुर एलीट के बीच खेला गया मैच जिंक फुटबाल अकादमी ने 1/0 से जयपुर एलीट फुटबाल क्लब को पराजीत किया। जिंक की तरफ से करण ने विजय गोल किया। आगामी फुटबाल लीग के मैच 22 अप्रैल को में खेले जाएंगे।

आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले, सैमसन हुए बाहर, बेंगलुरु नहीं जयपुर में रही रहेंगे

जयपुर, 21 अप्रैल। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं है। टीम लगातार आखिरी मोड तक आते आते मैच गंवा बैठती है। वहीं 24 अप्रैल को होने वाले आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले रॉयल्स टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, संजू सैमसन चोटिल होने के कारण बाहर हो गए हैं। सैमसन को दिल्ली कैपिटल्स से सुपर ओवर में मिली हार के दौरान साइड इंजरी हो गई थी। जिसके कारण उन्हें बल्लेबाजी छोड़कर रिटायर हर्ट होना पड़ा था।वहीं रॉयल्स ने बयान में कहा कि, सैमसन फिलहाल रिकवरी की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और टीम के होम बेस जयपुर में चुनिंदा आरआर मेडिकल स्टाफ के साथ रहेंगे। चल रही रिहैब प्रक्रिया के तहत वह आरसीबी के खिलाफ आगामी मैच के लिए बेंगलुरु नहीं जाएंगे।

रामबाग गोल्फ क्लब में सम्पन्न हुआ दो दिवसीय टूर्नामेंट

ऋषिराज सिंह बने गोल्फ टूर्नामेंट के प्रो-ग्रॉस विनर

जयपुर, 21 अप्रेल।रामबाग गोल्फ क्लब में दो दिवसीय एन सी दत्ता मेमोरियल गोल्फ टूर्नामेंट (मंथली मेडल – तृतीया) का आयोजन हुआ। टूर्नामेंट का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। टूर्नामेंट के प्रो-ग्रॉस विनर ऋषिराज सिंह रहे। वहीं, हेमेंद्र चौधरी और अभ्यूदय रावत संयुक्त रूप से प्रो-जॉइंट रनर-अप रहे। इसी तरह, अमैच्योर ग्रॉस विनर का खिताब दीपेंद्र सिंघल ने और अमैच्योर ग्रॉस रनर-अप रोहित गोठवाल ने जीता। पुरस्कार समारोह में अलग-अलग श्रेणियों और हैंडीकेप्स में विजेता व उप विजेता दोनों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर स्वर्गीय एन सी दत्ता के पुत्र अविनाश दत्ता; एन सी दत्ता के पोते विवेक बाली; रामबाग गोल्फ क्लब के कैप्टन, योगेन्द्र सिंह; टूर्नामेंट कमेटी, संयोजक, डॉ. हिमांशु शर्मा; संयुक्त सचिव, योगेश बंसल; सहित क्लब की कमेटी के सदस्य चन्द्र प्रकाश मीणा और सुनील शेखावत आदि उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, हैंडीकेप्स श्रेणियों में विजेता और उपविजेता इस प्रकार रहे- हैंडीकैप कैटेगरी (00-09) में पुर्ष्पेंद्र एस राठौड़ विजेता और रजत करवासरा उपविजेता रहे; हैंडीकैप कैटेगरी (10-16) के विजेता हर्ष बैरवा और उपविजेता अर्चित गोयल थे और हैंडीकैप कैटेगरी (17-24) के विजेता नितिन खंडेलवाल और शौर्य वर्धन उपविजेता रहे। टूर्नामेंट में बेस्ट सीनियर गोल्फर श्रेणी में विजेता प्रदीप टाक और बेस्ट सूपर सीनियर गोल्फर श्रेणी में कमल बोर्डिया विजेता रहे। वहीं बेस्ट लेडी गोल्फर के विजेता का पुरस्कार डॉ. अंजलि जैन ने हासिल किया और उपविजेता वृंदा सैनी रहीं।

इसी प्रकार अन्य श्रेणी- नियरेस्ट टू पिन के विजेता कुणाल सिंह; लॉन्गेस्ट ड्राइव एहसास खानिजाउ ने जीता; वेटरन लॉन्गेस्ट ड्राइव के विजेता सतीश राजोरिया रहे; लेडीज लॉन्गेस्ट ड्राइव की विजेता इति चौधरी और स्ट्रेटेस्ट ड्राइव के लिए पुरस्कार सुनील शेखावत ने जीता।

अल्फा क्रिकेट एकेडमी 8 विकेट से जीती

जयपुर, 21 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नारायणा क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी ग्राम, पर खेले गये पूल-डी के मैच में श्रीराम खण्डेलवाल 81 रन नाबाद (50 गेंद, 7 चौके, 5 छक्के), दिव्याशु सिंह गौसिंगा 62 रन (49 गेंद, 6 चौके, 2 छक्के), के शानदार अर्द्धशतकों की मदद से नारायणा क्रिकेट एकेडमी को 1 गेंद शेष रहते 6 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टॉस जीतकर नारायणा क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये राजवीर सिंह रातौड़ 50 रन नाबाद (49 गेद, 2 चौके, 2 छक्के), विकास मांजू 47 रन, महेश अधिकारी 43 रन (18 गेंद, 1 चौका, 6 छक्के) मनीष 11 रन, की पारीयों की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 172 रन बनाये, गेंदबाजी में धर्मेन्द्र सैनी 34 रन पर 3 विकेट, विनय आमेरिया 32 रन पर 2 विकेट, राजकुमार सैनी 22 रन पर 1 विकेट लेकर अल्फा एकेडमी की ओर से सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में अल्फा क्रिकेट एकेडमी में श्रीराम खण्डेलवाल 81 रन नाबाद, दिव्याशुं सिंह गौसिंगा 62 रन, शुभम शर्मा 15 रन की मदद से विजय लक्ष्य 173 रन 19.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर 6 विकेट से जीत दर्ज करी ली, नारायण क्रिकेट एकेडमी की ओर से भुवन 32 रन पर 2 विकेट तथा साकेत शर्मा, राहित चौधरी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।प्रतियोगिता का अगला मैच बुधवार 23 अप्रेल 2025 को होगा। मैन ऑफ दा मैच श्रीराम खण्डेलवाल 81 रन नाबाद (50 गेंद, 7 चौके, 5 छक्के) अल्फा क्रिकेट एकेडमी रहे।

जयपुर की जीत में कार्तिक बदलानी का पंजा

जयपुर, 21 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की अंडर-19 टीम के साथ 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज के तहत खेले गए मैच में जयपुर ने जोधपुर को 47 रनों से हराया।के एल सैनी स्टेडियम पर जोधपुर ने टॉस जीतकर पहले जयपुर को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। जयपुर ने आदित्य शर्मा के 45 रन, मनन सिंह के 21 रन, अभय शर्मा के 46 रन, कुणाल गौतम के 40 रन, रक्षित लूणावत के 72 रन व प्रखर शर्मा के 18 रनों से 49 ओवर में 294 रन बनाए।

यूनियन क्रिकेट ने मिनर्वा क्रिकेट क्लब को हराया तथा कौशिक क्रिकेट एकेडमी ने आरसीसी को हराया

जयपुर, 21 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल बी के मैच में कौशिक क्रिकेट एकेडमी ने आर सी सी को 9 विकेट से हराया तथा पूल सी के मैच में यूनियन क्रिकेट क्लब ने मिनर्वा क्रिकेट क्लब को 4 विकेट से हराया। अरावली ग्राउंड पर आर सी सी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मोहम्मद जैद के 41 रन, यश शर्मा के 14 रन, संदीप के 10 रन, सचिन गुर्जर के 17 रन 28.4 ओवर में 123 रन बनाकर आउट हो गई।

कौशिक क्रिकेट एकेडमी के लिए अमन पारीक ने 32 पर 4, रोहन बैरवा ने 19 पर 3, जपिंदर सिंह व हितेश जोशी ने एक-एक विकेट लिया। जवाबी पारी में कौशिक क्रिकेट एकेडमी ने अंकित के नाबाद 29 रन, प्रथम मिश्रा के 19 रन व वरुण के नाबाद 59 रनों से 13.3 ओवर में 1 विकेट पर 125 रन बनाकर मैच जीत लिया।अरमान खान ने 22 पर एक विकेट लिया। पूल सी के मैच में जी आर ग्राउंड पर मिनर्वा क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गौरव साल्वी के 39 रन, तुषार चौधरी के 40 रन, आदित्य जांगिड़ के 32 रन, मोहम्मद शादाब के 32 रन, राघव के 11 रन से 39.3 ओवर में 182 रन बनाकर आउट हो गई। क्रिकेट क्लब के लिए अशोक स्वामी ने 37 पर 5, दीपक चौधरी ने 39 पर 2, आदित्य टांक, देवराज सैनी व आतिफ ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में यूनियन क्रिकेट क्लब ने दीपक चौधरी के 38 रन, स्नेहिल शर्मा के 25 रन, लोकेश शर्मा के 28 रन व दीपक चौधरी (सीनियर) के 61 रनों से 31.1 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन बनाकर मैच जीत लिया। मिनर्वा क्रिकेट क्लब के लिए मोहम्मद बिलाल ने 35 पर 2, तुषार चौधरी, सुमित बागरिया, सन्नी तंवर, व राघव गौड ने एक - एक विकेट लिया।

राजस्थान क्रिकेट पर सुनियोजित साजिश उजागर

बियानी ने सालभर सरकार की डमी बनकर काम किया : सुमित गर्ग

डॉ. सुमित गर्ग

जयदीप बियानी

जयपुर, 21 अप्रैल। डॉ. सुमीत गर्ग, सचिव, जिला क्रिकेट संघ, सवाई माधोपुर ने आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान क्रिकेट संघ में हो रहे असंवैधानिक हस्तक्षेप और सत्ता के दुरुपयोग की सच्चाई अब स्वयं सरकार द्वारा नियुक्त आरसीए एडहॉक कमेटी के संयोजक और विधायक जयदीप बिहानी के बयान से उजागर हो गई है। बिहानी के बयान से स्पष्ट हुआ कि राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल ने आरसीए को आईपीएल आयोजनों से जानबूझकर दूर रखा, जो पूर्व नियोजित साजिश है। आरसीए के उपकरण, क्यूरेटर और स्टाफ के प्रयोग के बावजूद आरसीए को कोई भुगतान नहीं दिया गया। गर्ग ने बियानी को अपनी सरकार के लिए भस्मासुर बताते हुए कहा कि पिछले आईपीएल भी तो स्पोर्ट्स काउंसिल ने करवाया था, ग्राउंड स्टाफ तब भी अपनी सेवाएं दे रहा था, आरसीए के उपकरण उपयोग में ले रहा था। बियानी ने तब क्यों 10 लाख रूपये स्पोर्ट्स काउंसिल से नहीं लिए। एक साल से सरकार की डमी बनकर काम करते रहे, तब ये सभी बातें याद नहीं आई। जब तक खेल में राजनीतीकरण चलता रहेगा तब तक खिलाड़ियों का भला नहीं होने वाला है। राजस्थान रॉयल्स की टीम के एक मैच की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर क्रिकेट की गरिमा को गहरा आघात पहुँचाया गया। खेल परिषद लगातार नई-नई कमेटियाँ बनाकर खुद ही अपनी नियुक्त आरसीए एडहॉक कमेटी को अस्थिर कर रही है। सुमीत गर्ग ने बताया कि सबसे दुर्भाग्यपूर्ण ये रहा कि बिहानी ने ऐसे खिलाड़ियों की ईमानदारी और खेल भावना पर भी प्रश्नचिह्न लगाए हैं, जिन्होंने वर्षों से पूरे तन-मन-धन से भारत और राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया है। यह न केवल खिलाड़ियों का अपमान है, बल्कि पूरे भारतीय क्रिकेट की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करता है। "अब जबकि स्वयं सरकार द्वारा नियुक्त व्यक्ति ने इस गम्भीर साजिश को उजागर किया है, यह सिद्ध हो गया है कि आरसीए में सत्ता और निजी हितों के लिए हस्तक्षेप हो रहा है। मैं इस पूरे मामले की शिकायत आईसीसी और बीसीसीआई दोनों से करूंगा। आईसीसी और बीसीसीआई से हस्तक्षेप की माँग करुंगा।

1. आरसीए की एडहॉक कमेटी को तुरंत भंग किया जाए।
2. खेल परिषद द्वारा किए गए आईपीएल संचालन और वित्तीय अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच हो।
3. आरसीए चुनाव बीसीसीआई की निगरानी में, लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों के अनुसार हों।
4. आईसीसी ओर बीसीसीआई इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करे और ताकि राजस्थान में क्रिकेट की गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा की जा सके।" भारतीय क्रिकेट को राजनीतिक हस्तक्षेप से बचाए अन्यथा यह प्रवर्ति अन्य राज्यों में भी फैलेगी और भारतीय क्रिकेट के ढांचे को नष्ट करेगी।

कांग्रेस सरकार में चर्चा में रही लाल डायरी का जिन्न फिर बाहर आया

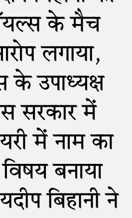

जयपुर, 21 अप्रैल। डॉ. सुमीत गर्ग ने ओछी राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि आरसीए एडहॉक कमेटी कनवीनर जयदीप बिहानी का पहले तो राजस्थान रॉयल्स के मैच हारने का संदेह का आरोप लगाया, वही राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष राजीव खन्ना का कांग्रेस सरकार में चर्चा में रही लाल डायरी में नाम का आरोप अब चर्चा का विषय बनाया जा रहा है। देर रात जयदीप बिहानी ने आरोप लगाया किस प्रकार राजस्थान रॉयल्स जीता हुआ मैच हार गई, ये किस तरफ इशारा करता है? इसका राज्य के युवा खिलाड़ियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा? क्या सच में राजीव खन्ना का नाम लाल डायरी में है?

टीम सैंडी स्ट्राइकर्स रही विजेता

जयपुर, 21अप्रैल। जय क्लब में 16 से 20 अप्रैल तक चल रही प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीज़न 5 प्रतियोगिता सफलता पूर्वक संपन्न हुई। लीग पैट्रन डॉ संदीप निझावन ने बताया कि लीग के संपन्न होने पर अवार्ड सेरेमनी आयोजित की गई ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद डॉ करण सिंह यादव थे। गेस्ट ऑफ़ ऑनर पूर्व विधायक डॉ सी एस वैद ,प्रियंका हॉस्पीटल के चेयरमैन डॉ जी एल शर्मा व बॉलीवुड सिंगर रवींद्र उपाध्याय थे। कार्यक्रम के स्पेशल गेस्ट प्रियंका हॉस्पीटल के डायरेक्टर डॉ पीयूष जोशी, सीनियर विट्रियो रेटाइनल सर्जन डॉ विशाल अग्रवाल व सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ दीपक सैनी थे ।अतिथियों ने खिलाड़ियों को ट्रॉफ़ी प्रदान कर पुरुस्कृत व सम्मानित किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में लीग चेयरमैन डॉ जयंत सेन ने अतिथियों का स्वागत किया व प्रतियोगिता के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ सेन ने बताया कि इस लीग कि टीम इवेंट में टीम सैंडी स्ट्राइकर्स ने टीम के सी मैमोरियल रॉयल्स को 2-0 से हराकर विजेता का ख़िताब अपने नाम किया । लीग सचिव डॉ अनिल यादव ने बताया कि आल इंडिया ओपन सिंगल्स 25-40 आयु वर्ग में डॉ हरनीत ने डॉ सुधांशु को 6-2 से, 40-50 आयु वर्ग में डॉ आदेश ने डॉ रवि को 6-3 से ,50-60आयु वर्ग में डॉ कपिल ने डॉ रमेश टैंगर को 11-5 से व लीजेंड्स सिंगल्स में डॉ जी डी रामचंदानी ने डॉ राकेश लाल को 6-3 से हराकर विजेता का ख़िताब अपने नाम किया ।

लीग को चेयरमैन डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि आल इंडिया ओपन डबल्स में 25-40 आयु वर्ग में डॉ हरनीत -डॉ निखिल ने डॉ सुधांशु -डॉ महाक्षित् को 6-4 से ,40-50 आयु वर्ग में डॉ अनुपल -डॉ आदेश ने डॉ आदित्य -डॉ अक्षय को 7-5 से ,50-60 आयु वर्ग में डॉ दीपक -डॉ सचिन ने डॉ जीत -डॉ मुदित को 6-4 से व लीजेंड्स डबल्स में डॉ जी डी रामचंदानी -डॉ राकेश लाल ने डॉ संदीप -डॉ राजीव बगरहटा को 6-3 से हराया व विजेता की ट्रॉफी प्राप्त की। लीग कॉर्डिनेटर डॉ सुधांशु शर्मा ने बताया कि मलंग डबल्स कैटेगरी में डॉ आदेश - डॉ अनुपल ने डॉ नरेंद्र -डॉ अंकुर को 6-3 से हराकर व दबंग डबल्स कैटेगरी में डॉ सुधांशु -डॉ रजत ने डॉ कपिल -डॉ निशांत को 7-6 से हराकर विजेता बने ।

लीग कॉर्डिनेटर डॉ सचिन खट्टर ने बताया कि ऑल इंडिया ओपन ट्रायो कैटेगिरी में डॉ हरनीत-डॉ आदेश -डॉ अनुपल ने डॉ सुधांशु -डॉ मधुसूदन -डॉ संकल्प को हराकर विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की।मिक्स्ड डबल्स कैटेगिरी में डॉ आई डी -डॉ अनुष्का ने डॉ निशांत -डॉ हरशीन को 11-6 से हराकर विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की। इस संगीतमय अवार्ड सेरेमनी में जय क्लब के अध्यक्ष रामशरण गुप्ता ,सचिव मनोज दासोत व स्पोर्ट्स सेक्रेटरी संजय अजमेरा उपस्थित रहे ।

राजेन्द्र राठौड़ का सार्वजनिक जीवन एक मिसाल है- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राठौड़ ने कहा, यह जन्म दिन का उत्सव नहीं, प्रधानमंत्री के आव्हान के संकल्प का समागम है

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, ईआरसीपी, गंग नहर तथा यमुना समझौता- सभी के कार्य जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्म दिवस पर चूरू में आयोजित "संकल्प दिवस समारोह" को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र राठौड़ का सार्वजनिक जीवन राजनीति में एक मिसाल है।

चूरू / जयपुर, 21 अप्रैल। चूरू जिले के पुलिस लाइन मैदान में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्म दिवस पर आयोजित "संकल्प दिवस समारोह" में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि राजनीति जनता के कल्याणकारी कार्यों से होती है। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र राठौड़ का सार्वजनिक जीवन राजनीति में एक मिसाल है। उनके जन्मदिन पर "एक पेड़ माँ के नाम" का संकल्प कार्यकर्ताओं व आमजन के द्वारा लेना एक अनुकरणीय प्रयास है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमने पूरे राजस्थान में पानी के लिए कार्य किया है। चाहे ईआरसीपी हो, गंग नहर हो या यमुना समझौता हो, सभी कार्य जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि जब हरियाणा में चुनाव आया तो वहां की कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में लिखा कि अगर हरियाणा में कांग्रेस की सरकार आएगी तो राजस्थान से यमुना का समझौता हम रद्द कर देंगे। उस घोषणा पत्र को जारी करते समय प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वयं मौजूद थे।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यह आयोजन इस बार भी जन्मदिन उत्सव नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान के संकल्प का समागम है। इसी को लेकर कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने एक वर्ष में 100 पेड़ लगाने, शेखावाटी में सामाजिक बुराई बाल विवाह व भ्रूण हत्या को रोकने,गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने प्राकृतिक जल स्त्रोतों, जोहड़, बावड़ी, जो गांव में बनी हैं, उसके संरक्षण का और बेटियों को शिक्षित करने का संकल्प लिया। राठौड़ ने कहा, उनका जन्मदिवस प्रतिवर्ष संकल्प दिवस के रूप में समर्थकों और कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया जाता रहा है।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, प्रदेश सरकार के मंत्री अविनाश गहलोत व गौतम दक , हरियाणा सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री रणवीर गंगवा जी,हिसार के नलवा से विधायक रणधीर पनिहार , चूरू विधायक हरलाल सहारण , डीग-कुम्हेर विधायक डॉ.शैलेश सिंह , नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा , चूरू लोकसभा से पद्मिवभूषण देवेंद्र झाझड़िया , पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

'वैंस की भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भिन्न आर्थिक लक्ष्यों को प्रदर्शित करते हैं। जहाँ अमेरिका अपने व्यापार के उत्थान के लिये टैरिफ का उपयोग हथियार के रूप में कर रहा है, वहीं भारत का फोकस अपने उद्योगों के संरक्षण पर तथा नियमाधारित निष्पक्ष व्यापार करने पर बना हुआ है।

वांग ने कहा कि वैंस भले ही भारत को चीन के महँगे होते जा रहे आयातों के संभावित विकल्प के रूप में देख रहे हों, लेकिन भारत की वर्तमान सप्लाई चेन क्षमताएँ चीन की क्षमता और निपुणता एवं कुशलता की बराबरी नहीं कर सकतीं। इसके अलावा, भारत से आयातों को बढ़ाना अमेरिका के उन प्रयासों के प्रतिकूल रहेगा, जो अमेरिका व्यापार घाटा कम करने तथा उद्योगों को अपने देश में लाने की दिशा में कर रहा है। उन्होंने वैंस के उपरोक्त संभावित प्रयासों को अन्तर्विरोधी बताया।

चीनी विशेषज्ञों ने भारत को सचेत किया है कि वह व्यापारिक प्रस्तावों के पर्दे में छिपे वॉशिंगटन के "अमेरिका फर्स्ट" के सिद्धांत के प्रति सजग एवं चौकन्ना रहे। कियान ने निष्कर्ष के रूप में कहा कि भारत का सर्वोत्तम हित अपना स्वतंत्र रास्ता बनाने और बनाये रखने में तथा अमेरिका के साथ अपनी शर्तों पर समझौता करने में तथा उन देशों के साथ अपने संबंध मजबूत करने में निहित है, जो खुले और बराबरी के व्यापार के लिये ईमानदारी के साथ संकल्पित हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने गौ तस्कर नाज़िम खान की जमानत रद्द की

■ अदालत ने यह आदेश राज्य सरकार की पुनर्विचार याचिका को स्वीकार करते हुए दिया।

जयपुर, 21 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने गौ तस्करी से जुड़े मामले में, आरोपी व आदतन अपराधी नाजिम खान को 21 अक्टूबर 2024 को दी गयी जमानत के आदेश को वापस लेकर उसकी जमानत रद्द कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने ये आदेश राज्य सरकार की पुनर्विचार याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

मामले से जुड़े राज्य सरकार के एएजी शिवमंगल शर्मा ने बताया कि सर्वोच्च अदालत ने 21 फरवरी को इस मामले में यूपी सरकार को पक्षकार बनाते हुए, उसे निर्देश दिया था कि वह आरोपी के खिलाफ दर्ज सभी पेंडिंग केसों की लिस्ट व उसकी फरारी के संबंध में रिपोर्ट पेश करे। वहीं, आरोपी नाजिम खान को भी शपथ पत्र पेश कर उसके खिलाफ पेंडिंग केसों का ब्यौरा देने के लिए कहा था। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में पैरवी में राज्य सरकार की लापरवाही और किसी के उपस्थित नहीं होने के चलते, 21 अक्टूबर, 2024 को आरोपी को जमानत दे दी गयी थी। राज्य सरकार ने जमानत आदेश को वापस लेने के लिए पुनर्विचार याचिका दायर की थी। राज्य सरकार का कहना था कि आरोपी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट, आयुध अधिनियम, गौवध कानून और हत्या का प्रयास जैसे संगीन आरोप के केस दर्ज हुए हैं, जिनमें से वह 5 मामलों में भगोड़ा घोषित हो चुका है और उसके गैर-जमानती वारंट जारी किए जा चुके हैं। मौजूदा केस में भी वह तीन साल से फरार था और अप्रैल 2024 में उसे अलीगढ़ से गिरफ्तार किया गया। वहां पर भी वह गौ तस्करी केस में ही बंद था। इसलिए आरोपी को दी गई जमानत रद्द की जाए। आरोपी के खिलाफ करौली जिले के नादौती में 13 फरवरी 2021 को गौ तस्करी की रिपोर्ट दर्ज कराई गयी थी। इसमें कहा गया था कि एक कंटेनर में वह गौवंश की तस्करी कर रहा था।

अमेरिकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थगित कर दिया गया है। यदि भारत अमेरिका की टीम को यह समझाने में सफल हो जाता है कि वह एक संतुलित व्यापार समझौता चाहता है, न कि एक पूर्ण व्यापार युद्ध, तो यह भारत-अमेरिका संबंधों के लिए नए अवसर खोल सकता है। यह स्थिति दुनिया के दो अन्य प्रमुख खिलाड़ियों, चीन और यूरोपीय संघ, के रुख से बिल्कुल अलग है। लेकिन यह मत भूलिए, जैसे ही ट्रंप को इनमें से किसी के भी साथ कोई सौदा करने का अवसर मिलेगा, वे उसे तुरंत लपक लेंगे, क्योंकि ये दोनों ब्लॉक उनके लिए बेहद अहम हैं। भारत के पास यह एक अनमोल अवसर है कि वह अमेरिका के साथ एक अनुकूल समझौते की दिशा में कदम बढ़ाए, इससे पहले कि ट्रंप की प्राथमिकताएं बदल जाएँ। भारत इस बार देशहित को सुरक्षित रखने की दिशा में सही कदम उठा रहा है।

प्रजापति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसमें कोई संदेह नहीं है कि हरीश चौधरी मुश्किल में हैं, असल में बहुत बड़ी मुश्किल में हैं, क्योंकि भाजपा यह मुद्दा जोर-शोर से उठाएगी। चौधरी मध्य प्रदेश में कांग्रेस के प्रभारी और एआईसीसी महासचिव है। इसके बाद राहुल को हरीश चौधरी के बारे में विचार करना होगा,

■ क्या यह अशोक गहलोत की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की आखिरी जीत है, क्योंकि गहलोत ने ही, मु.मंत्री की हैसियत से इस हत्याकांड की जाँच सीबीआई को जाँच के लिये सौंपी थी।

■ हरीश फिलहाल, कांग्रेस पार्टी की ओर से मध्य प्रदेश के प्रभारी हैं।

खासकर चौधरी के खिलाफ हाल में हुए घटनाक्रम के बाद। यह मुद्दा लम्बे समय से अधरझूल में है। जब अखबारों ने प्रजापति के फर्ज़ी एनकाउन्टर के बारे में लिखा था, तब चौधरी बंधुओं ने अखबार के खिलाफ केस करने की धमकी दी थी। अब इस बेहद गंभीर मसले से खुद को बचाने के लिए हरीश चौधरी को अपनी सभी चतुर चालें काम में लेनी होंगी।

जयपुर कलैक्टर हाउसिंग बोर्ड से हर्जाना वसूल करें

■ जिला उपभोक्ता आयोग ने हाउसिंग बोर्ड को परिवादी के रूपये वापस करने के साथ 3.10 लाख रूपये का हर्जाना देने को कहा था।

जयपुर, 21 अप्रैल। जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय ने जयपुर कलेक्टर को कहा है कि वे एक प्रकरण में आवासन मंडल पर लगाए गए हर्जाने की वसूली कर आयोग को उसकी जानकारी पेश करें। आयोग अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना ने यह आदेश पीबी जैन की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिया। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि परिवादी ने सिरोही में आवास आवंटित करने के लिए साल 1983 में आवासन मंडल में पंजीयन राशि जमा करवा कर पंजीकरण कराया था। अगले साल मंडल ने आवेदन कम होने का हवाला देकर पंजीयन राशि वापस लेने को कहा। इसके बाद, परिवादी ने उसका पंजीकरण सिरोही से भीलवाड़ा शिफ्ट करने के लिए शुल्क सहित प्रार्थना पत्र दिया। परिवाद में कहा गया कि आवासन मंडल के अलग-अलग कार्यालय एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं, लेकिन उसे भीलवाड़ा में आवास आवंटित नहीं किया गया। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि जिला उपभोक्ता आयोग ने 21 सितंबर, 2009 को आवासन मंडल को निर्देश दिए थे कि वह मई, 1996 की लागत से परिवादी को भीलवाड़ा में एमआईजी का आवास आवंटित करे। आवास उपलब्ध नहीं होने पर परिवादी को दस लाख रुपए अदा करने को कहा गया था। इसके अलावा, आयोग ने मंडल पर 3.10 लाख रुपए का हर्जाना भी लगाया था। आदेश की पालना नहीं होने पर, परिवादी ने आयोग में वसूली प्रार्थना पत्र पेश कर आदेश की पालना की गुहार की। मामले पर सुनवाई करते हुए आयोग ने जिला कलेक्टर को वसूली कर पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

पोप फ्रांसिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सात बजकर 35 मिनट पर कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने आखिरी सांस ली। पोप फ्रांसिस इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे।पिछले कई महीनों से वे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था। वह पांच हफ्ते तक फेफड़ों में इन्फेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती थे।

इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर, वैटिकन ने बताया था कि पोप की रक्त जांच रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे थे। साथ ही रक्त में प्लेटलेट्स की कमी का भी पता चला था। चौदह मार्च को हालांकि उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी थी।सत्रह दिसंबर 1936 को जन्मे पोप फ्रांसिस अर्जेंटीना के एक जेसुइट पादरी थे। वे 2013 में रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें पोप बने थे। उन्हें पोप बेनेडिक्ट सोलहवें का उत्तराधिकारी चुना गया था। पोप फ्रांसिस बीते 1000 साल में पहले ऐसे इंसान थे जो गैर-यूरोपीय होते हुए भी कैथोलिक धर्म के सर्वोच्च पद पर पहुंचे।

लालू-राबड़ी व नीतीश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेतृत्व की नई पीढ़ी उभरकर आये। जहाँ भाजपा के सम्राट चौधरी तथा आरजेडी के तेजस्वी यादव ऐसे उभरते हुए राजनेताओं के रूप में देखे जा रहे हैं, वहीं चिराग पासवान और प्रशांत किशोर जैसे राजनैतिक नेता भी बिहार राजनीति की उभरती हुई दुनिया में स्वयं के लिये अवसर एवं गुंजाइश की कल्पना सँजो रहे हैं।

चिराग पासवान क इस ताजा बयान का स्वागत उनकी अपनी पार्टी में तो हुआ ही है, उनके इस बयान का स्वागत राज्य के भाजपा नेताओं ने भी किया है। इसके साथ ही, यह भी माना जा रहा है कि भाजपा और आरजेडी के नेतृत्व वाले खेमे के बीच बराबर की टक्कर की स्थिति में, एलजेपी (आरवी) जैसे छोटे राजनैतिक दल अपनी मुँह-माँगी मुराद पूरी कराने के लिय दबाव बनाएं।

ऐसी भी संभावना है कि चिराग एनडीए के अंदर सीट-समायोजन के समय काफी बड़ा हिस्सा माँगें तथा कुमार की जेडीयू को दबायें पिछले विधानसभा चुनावों में, जेडीयू और भाजपा बराबर सीटों पर चुनाव लड़ीं थीं, लेकिन जेडीयू का स्ट्राइक रेट खराब रहा था। पिछले वर्ष हुये लोकसभा चुनावों में, जेडीयू ने उस नुकसान की भरपायी करते हुये, 17 में से 16 सीटें जीत ली थीं। जेडीयू ने 17 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये थे।

इस समय, नीतीश कुमार के कद और प्रभाव में कमी आ गई है, लेकिन एक चतुर, मोल-तोल करने में माहिर नेगोशिएटर के रूपमें उनका कौशल और चतुराई यथावत हैं, उसमें कोई कमी नहीं आई है। ऐसी पूरी-पूरी संभावना है कि वे भाजपा के बराबर सीटों पर चुनाव लड़ने की बात करें एवं माहौल बनाएं। लेकिन प्रश्न यह है: क्या भाजपा एक बार फिर जेडीयू की पिटाई के लिये चिराग रूपी लाठी का उपयोग करेगी?

जेल प्रहरी पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जमानत देने से समाज व परीक्षार्थियों का भी मनोबल कम होता है। इसलिए आरोपी को जमानत नहीं दे सकते।

आरोपी की ओर से कहा कि उसे केस में झूठा फंसाया गया है और वह 7 अप्रैल से अभिरक्षा में है। इसलिए उसे जमानत दी जाए।

इसका विरोध करते हुए, लोक अभियोजक लियाकत अली ने बताया कि आरोपी ही जेल प्रहरी भर्ती पेपर लीक का मास्टर माइंड है। उसने ही 60 लाख रुपए में पेपर खरीदा था और बाद में 1.50 लाख रुपए के हिसाब से कई अन्य लोगों को बेचा था। इसके अलावा, अन्य सह आरोपियों को उसने ही पेपर लीक करने के लिए संसाधन मुहैया कराए थे।

आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा है और उसने अनुसंधान में सहयोग नहीं किया है। इसलिए उसे जमानत नहीं दी जाए।

कोर्ट ने राज्य सरकार की दलीलों से सहमत होकर आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

गहलोत सरकार का कोविड प्रबंधन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गौर फरमाने योग्य है कि कोविड महामारी के दौरान एस.डी.आर.एफ. के उपयोग से मेडिकल उपकरणों की खरीद में भारी धांधली का पुख्ता प्रमाण इन प्रकाशित दस्तावेजों में देखा जा सकता है, जहां एस.एम.एस. अस्पताल में मात्र साढ़े नौ लाख रुपये में एक वेंटिलेटर की खरीद की जा रही थी और केवल 5 प्रतिशत जी.एस.टी.दिया जा रहा था, वहीं दूसरी ओर बीकानेर में 1एक वैंटिलेटर 16 लाख रुपये से ज्यादा कीमत का खरीदा गया, कुल 11 वैंटीलेटर खरीदे गए और इन पर 12 प्रतिशत जी.एस.टी. भी लगा, यानि 200 प्रतिशत से भी अधिक कीमत दी गई।

इस पूरे प्रकरण में एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज की क्रय समिति और बीकानेर के एस पी मैडिकल कॉलेज की क्रय समिति के वित्तीय सलाहकारों की कार्य प्रणाली पर कई सवाल उठते हैं कि उन्होंने सभी सरकारी अस्पतालों के मेडिकल कॉलेजों से उनकी जरूरत अनुसार मेडिकल उपकरणों की खरीद के लिये प्रस्ताव क्यों नही मांगे। और फिर एक साथ "बल्क" में मेडिकल उपकरणों की खरीद के लिये आदेश क्यों नहीं जारी किये गये, जिससे उन्हें किफायती दरों पर अच्छे मेडिकल उपकरण मिल जाते, परंतु गहलोत सरकार के अधिकारियों ने इस नीति को ना अपनाते हुए अलग-अलग अस्पतालों में गैर कानूरी तरीके से बने आई.सी.यू. के लिए मेडिकल उपकरणों की खरीद के अलग-अलग आदेश दिये, जिनमें भारी धांधली की गई और मित्र कंपनियों को खुश रखने के लिये भारी दरों पर जी.एस.टी. का भुगतान किया गया।

पाठकों को बता दें कि एस.डी.आर. एफ. राज्य सरकार को हर वर्ष केंद्र सरकार की ओर से जारी किया जाता है, यानी केंद्र सरकार के दिये गये फंड में प्रदेश में अफसरों की मदद से हेराफेरी की गई, इसलिये उचित यही है कि इस घोटाले की जांच भी केंद्र सरकार की जांच एजेंसियां ही करें।

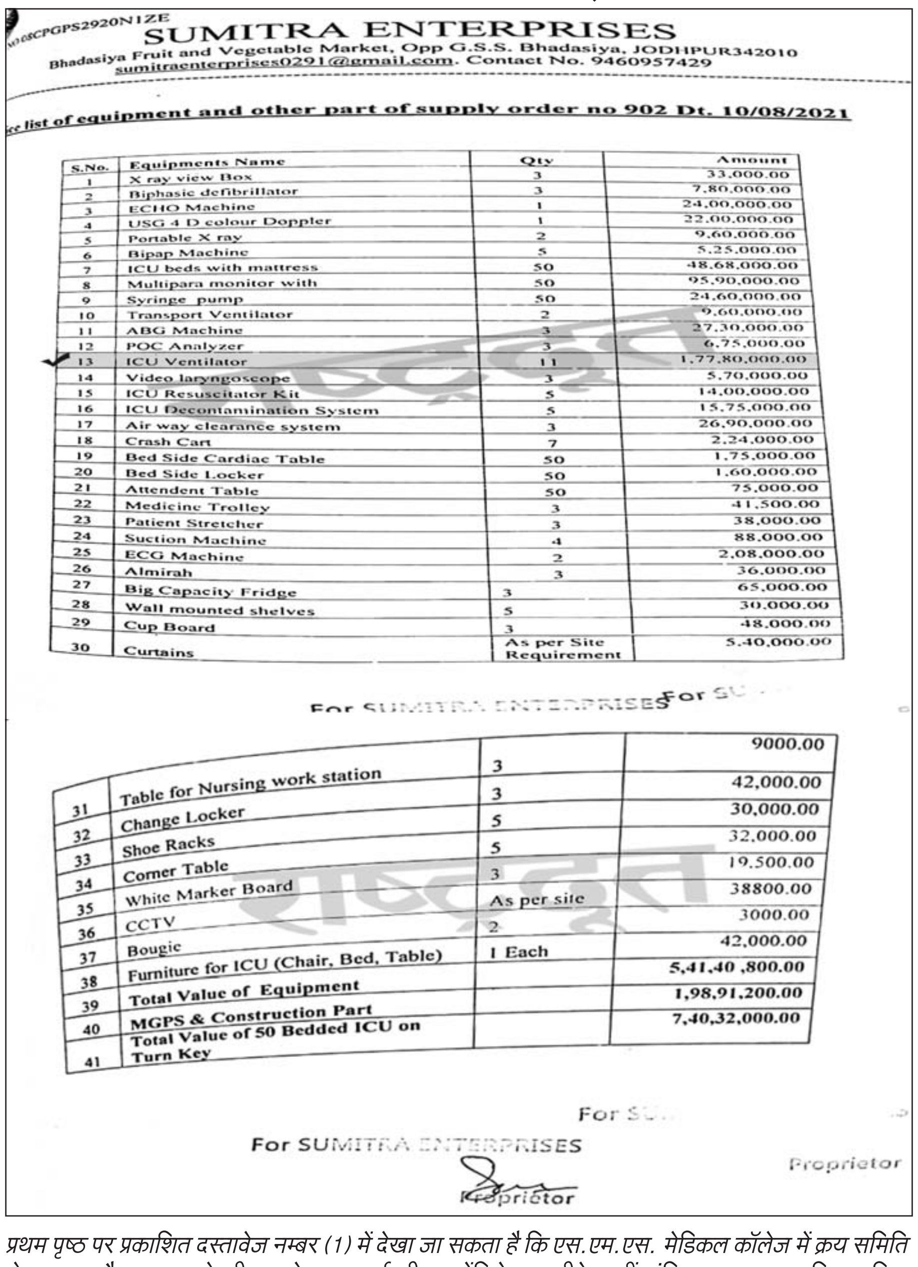

08CPGPS2920N1ZE

SUMITRA ENTERPRISES

Bhadasiya Fruit and Vegetable Market, Opp G.S.S. Bhadasiya, JODHPUR342010
sumitraenterprises0291@gmail.com. Contact No. 9460957429

Price list of equipment and other part of supply order no 902 Dt. 10/08/2021

S.No.	Equipments Name	Qty	Amount
1	X ray view Box	3	33,000.00
2	Biphasic defibrillator	3	7,80,000.00
3	ECHO Machine	1	24,00,000.00
4	USG 4 D colour Doppler	1	22,00,000.00
5	Portable X ray	2	9,60,000.00
6	Bipap Machine	5	5,25,000.00
7	ICU beds with mattress	50	48,68,000.00
8	Multipara monitor with	50	95,90,000.00
9	Syringe pump	50	24,60,000.00
10	Transport Ventilator	2	9,60,000.00
11	ABG Machine	3	27,30,000.00
12	POC Analyzer	3	6,75,000.00
13	ICU Ventilator	11	1,77,80,000.00
14	Video laryngoscope	3	5,70,000.00
15	ICU Resuscitator Kit	5	14,00,000.00
16	ICU Decontamination System	5	15,75,000.00
17	Air way clearance system	3	26,90,000.00
18	Crash Cart	7	2,24,000.00
19	Bed Side Cardiac Table	50	1,75,000.00
20	Bed Side Locker	50	1,60,000.00
21	Attendent Table	50	75,000.00
22	Medicine Trolley	3	41,500.00
23	Patient Stretcher	3	38,000.00
24	Suction Machine	4	88,000.00
25	ECG Machine	2	2,08,000.00
26	Almirah	3	36,000.00
27	Big Capacity Fridge	3	65,000.00
28	Wall mounted shelves	5	30,000.00
29	Cup Board	3	48,000.00
30	Curtains	As per Site Requirement	5,40,000.00

For SUMITRA ENTERPRISES

31	Table for Nursing work station	3	9000.00
32	Change Locker	3	42,000.00
33	Shoe Racks	5	30,000.00
34	Corner Table	5	32,000.00
35	White Marker Board	3	19,500.00
36	CCTV	As per site	38800.00
37	Bougie	2	3000.00
38	Furniture for ICU (Chair, Bed, Table)	1 Each	42,000.00
39	Total Value of Equipment		5,41,40 ,800.00
40	MGPS & Construction Part		1,98,91,200.00
41	Total Value of 50 Bedded ICU on Turn Key		7,40,32,000.00

For SUMITRA ENTERPRISES

Proprietor

प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित दस्तावेज नम्बर (1) में देखा जा सकता है कि एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज में क्रय समिति ने लगभग नौ लाख रुपये की दर से आठ आई.सी.यू. वेंटिलेटर खरीदे। वहीं अंतिम पृष्ठ पर प्रकाशित सुमित्रा एन्टरप्राइजेज के सम्पूर्ण बिल (एन्ट्री नं. 13) में देखा जा सकता है, कि बीकानेर में 11 वेंटिलेटर लगभग 16 लाख रुपये की दर से खरीदे गये। जिससे साफ जाहिर है कि इन मेडिकल कॉलेजों की क्रय समिति में कार्यरत सरकारी वित्त सलाहकारों ने अलग-अलग दरों पर वेंटिलेटर खरीदे जबकि उन्हें प्रदेश में सभी अस्पतालों की जरूरतों को देखते हुए वेंटिलेटरों की "बल्क" में खरीद के आदेश देने चाहिये थे, जिससे उन्हें किफायती दर मिलती।

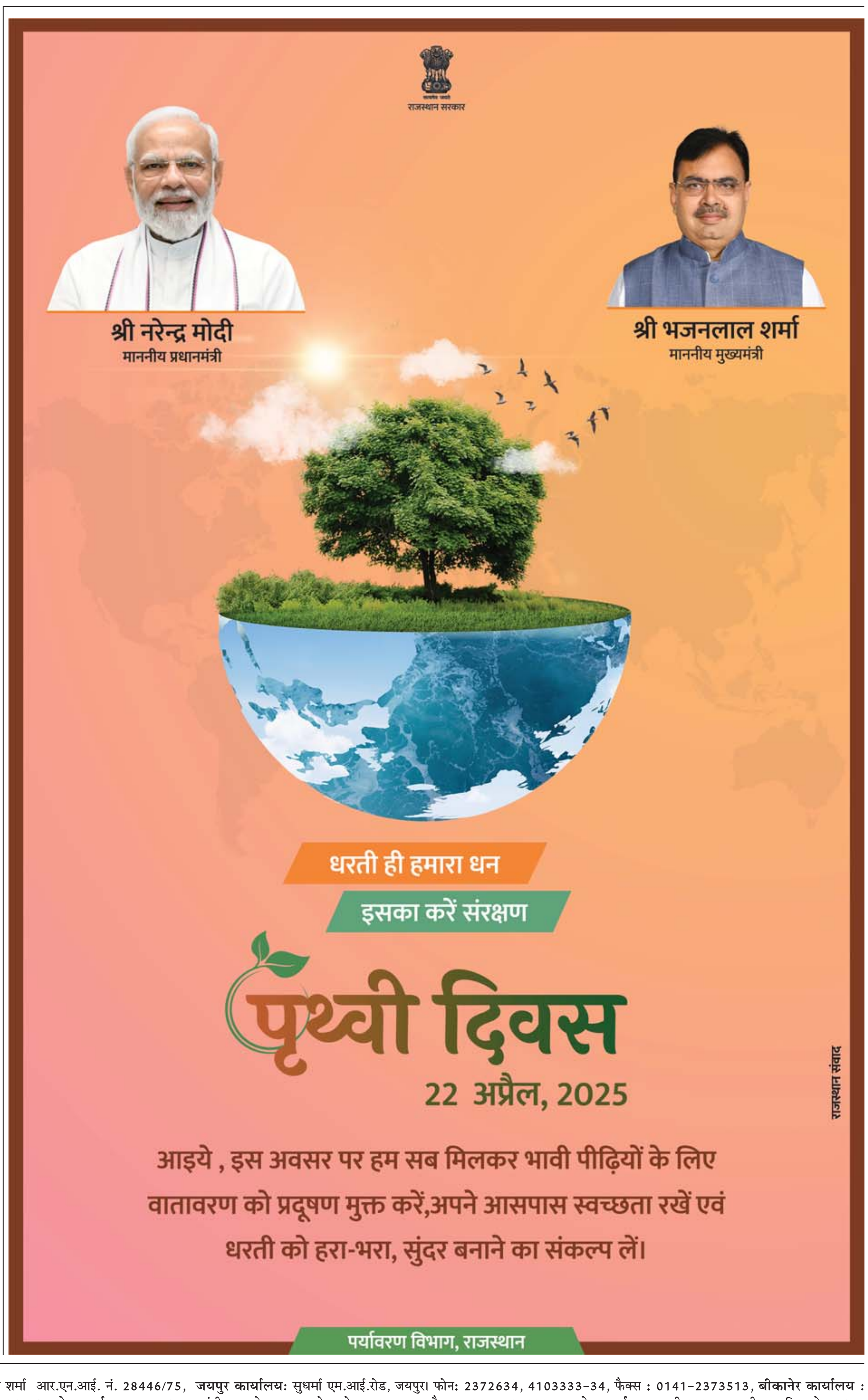

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908